13 सितंबर 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

बिजली विभाग की नाकामी पर स्वयं-शक्ति का हल्लाबोल, पुतला-दहन कर जताई नाराजगी

2

सी पी राधाकृष्णान ने ली उपराष्ट्रपति पद की शपथ

♦ समारोह में धनखड़ भी नजर आए, पीएम मोदी भी रहे मौजूद

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के नए उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में जीत हासिल करने वाले सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को पद की शपथ ग्रहण की। मंगलवार को हुए चुनाव में उन्होंने विपक्षी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में उन्हें कुल 452 वोट मिले थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में 67 वर्षीय राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के अंतर से हराकर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीत था। 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद 9 सितंबर को नए उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव हुआ था। इससे पहले उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने राधाकृष्णन के इस्तीफे के बाद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। देवव्रत अब दोनों राज्यों के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभालेंगे। संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण मध्यावधि चुनाव कराया गया।देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए सीपी राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद की तक यात्रा असाधारण रही है। इस सफर की शुरूआत छात्र आंदोलन से हुई और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव के बाद इसका विस्तार राष्ट्रीय फलक तक हुआ।

सक्रिय राजनीति में रहे थे राधाकृष्णन

संघ से सक्रिय राजनीति में आए सीपी राधाकृष्णन ने भाजपा में संगठन में लंबे समय तक काम किया। 2004 से 2007 तक वह तमिलनाडु प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे। इस दौरान 2007 में उन्होंने 93 दिनों में 19,000 किलोमीटर लंबी रथ यात्रा की। इसका मकसद देश की नदियों को जोड़ना, आतंकवाद का उन्मूलन, समान नागरिक संहिता लागू करना, अस्पृश्यता निवारण और मादक पदार्थों के खतरों से निपटना था। 2020 से 2022 तक वह केरल भाजपा के प्रभारी भी रहे। उन्हें संगठन और प्रशासन दोनों क्षेत्रों में मजबूत पकड़ वाला नेता माना जाता है। विनम्र और सुलभ नेता की छवि रखने वाले राधाकृष्णन को उनके समर्थक तमिलनाडु का मोदी कहकर पुकारते हैं। ओबीसी समुदाय कोंगु वेल्लार (गाउंडर) से आने वाले राधाकृष्णन की शादी सुमति से हुई है और उनके एक बेटा व एक बेटी हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के प्रत्याशी चुने जाने से पहले तक वह महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। वह पिछले साल जुलाई में महाराष्ट्र के राज्यपाल बने थे। इससे पहले, फरवरी 2023 में उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। झारखंड के राज्यपाल रहते उन्होंने तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उप राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार संभाला। राधाकृष्णन ने दक्षिण भारत में भाजपा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।सार्वजनिक जीवन में उनका प्रवेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में हुआ था।

प्रधानमंत्री मोदी ने लॉन्च किया ज्ञान भारतम पोर्टल

♦ प्राचीन पांडुलिपियों को मिलेगा डिजिटल जीवन

एजेंसी। नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पांडुलिपि धरोहर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ज्ञान भारतम पोर्टल की शुरूआत की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि ये पांडुलिपियां भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत की जीवित धरोहर हैं, जो हमारी विविधता में एकता को दशार्ती हैं। उन्होंने ये भी कहा कि भारत में लगभग 80 भाषाओं में लिखी गई ये पांडुलिपियां ज्ञान का एक विशाल समुद्र हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि ये पांडुलिपियां भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत की जीवित धरोहर हैं, जो हमारी विविधता में एकता को दशार्ती हैं। उन्होंने ये भी कहा कि भारत में लगभग 80 भाषाओं में लिखी गई ये पांडुलिपियां ज्ञान का एक विशाल समुद्र हैं। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पांडुलिपि धरोहर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ज्ञान भारतम पोर्टल की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने ज्ञान भारतम मिशन के तहत भारत की प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटलीकरण की बात पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि ये पांडुलिपियां भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत की जीवित धरोहर हैं, जो हमारी विविधता में एकता को दशार्ती हैं।

कार्की के शपथ ग्रहण के बाद जल्द घोषित किया जाएगा एक छोटा मंत्रिमंडल

सुशीला कार्की बनीं नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल को नई अंतरिम सरकार मिल गई है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने शुक्रवार शाम शीतल निवास में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्की नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री और कार्यकारी प्रमुख बनीं हैं। पहली पीएम बनने का रेकॉर्ड बनाने से पहले उनके नाम पर पहली चीफ जस्टिस बनने का कीर्तिमान भी रहा है। कार्की का भारत से खास नाता है, उनकी पढ़ाई भारत में हुई है। शुक्रवार को पूरे दिन चली गहन चर्चा के बाद संसद भंग करने पर सहमति बनी। संसद का भंग करना जेनरेशन-जेड प्रदर्शनकारियों और कुछ राजनीतिक ताकतों की प्रमुख मांग थी। युवा प्रदर्शनकारियों के कड़े तेवर के बाद सदन भंग करने और कार्की की नियुक्ति पर आगे बढ़ने का फैसला लिया गया। इससे कार्की के अंतरिम पीएम बनाने का रास्ता साफ हो गया। सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले ह्यजेन जेडह्न समूह के प्रतिनिधियों, सेना प्रमुख और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के साथ तमाम हितधारकों के बीच शुक्रवार को हुई बातचीत में पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नाम पर मुहर लग गई. दिनभर चली चर्चा के बाद प्रतिनिधि सभा को भंग करने पर सहमति बनी और कार्की को अंतरिम सरकार का पीएम नियुक्त करने पर सहमति बन गई।

राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

नेपाल के राष्ट्रपति ने बैठकों के बाद ऐलान किया कि वह सदन भंग करने और सुशीला कार्की को तुरंत शपथ दिलाने की तैयारी कर रहे हैं। उनके ऐलान के बाद शीतल निवास में प्रतिनिधि सभा को भंग करने सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री नियुक्त करने की तैयारी की गई। इसके बाद शाम को उनको शपथ दिलाई गई। नेपाल में राजनीतिक संकट बीते हफ्ते शुरू हुआ, जब सरकार ने सोशल मीडिया पर बैन का ऐलान किया। इसके बाद हजारों युवा सड़कों पर उतर आए।

कार्की का भारत से नाता

सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला प्रधान न्यायधीश बनने का रेकॉर्ड रखती हैं। उन्होंने 1979 में वकालत शुरू की था। इसके बाद वह जज बनीं और जुलाई 2016 से जून 2017 तक नेपाल की मुख्य न्यायाधीश रहीं। उन्होंने चीफ जस्टिस रहते हुए कई ऐसे फैसले दिए, जिससे लोकतंत्र के संरक्षक के तौर पर कोर्ट की भूमिका मजबूत हुई। सुशीला कार्की की पहचान एक ऐसे न्यायधीश के रूप में रही, जो भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती हैं।

भारतीय सेना के लिए 'रियलिटी चेक' साबित हुआ ऑपरेशन सिंदूर : रक्षा सचिव

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने पुणे में आयोजित दक्षिणी कमान रक्षा तकनीक के सेमिनार को संबोधित करते हुए कई अहम बातें कहीं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा करते हुए कहा कि यह ऑपरेशन एक तरह से हमारे लिए रियलिटी चेक साबित हुआ है। इसके जरिए हमें कई सबक सीखने को मिले और हमारी सेना को यह भी पता चल पाया कि आखिर हमलोग कमजोर कहां पड़ रहे हैं। इस हमले ने उन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जहां देश अपनी रक्षा क्षमताओं में सुधार कर सकता है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इस ऑपरेशन ने कुछ क्षमता कमियों को उजागर किया, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, मानवरहित प्रणालियों का मुकाबला, निम्न-स्तरीय रडार और जीपीएस-निषेधित और दुर्लभ वातावरण में काम करने में सक्षम सैन्य-स्तरीय ड्रोन के निर्माण के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता शामिल है। राजेश कुमार सिंह ने कहा कि हाल में दुनिया के अन्य देशो में जिस तरह से युद्ध छिड़ा है और ये देश फिर से रक्षा और सैन्य शक्ति पर बहुत ध्यान दे रहे हैं। हमारे पड़ोस को देखते हुए, भारत कोई अपवाद नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रियलिटी चेक भी सामने आई। हम कहां बेहतर कर सकते हैं, हमें भविष्य के युद्धों की बदलती जरूरतों के अनुसार कहां ढलना होगा, इन सब मुद्दों पर हमें बहुत अधिक ध्यान देने की जरूरत है। जरूरत है।

उड़ान भरते ही गिरा स्पाइसजेट की फ्लाइट का पहिया

❍ 75 यात्री और क्रू सदस्य विमान में थे सवार

एजेंसी। मुंबई

स्पाइसजेट एयरलाइन के विमान ने गुजरात के कांडला एयरपोर्ट से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी और उड़ान के दौरान ही विमान में यह घटना घटी। मुंबई एयरपोर्ट पर शुक्रवार को हाहाकार मच गया. दरअसल, स्पाइसजेट एयरलाइन के एक बॉम्बार्डियर एयरक्राफ्ट में उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण से उड़ान भरते समय विमान का बाहरी पहिया टूटकर नीचे गिर गया। स्पाइसजेट एयरलाइन का यह विमान गुजरात के कांडला एयरपोर्ट से 75 यात्री और क्रू सदस्यों के साथ मुंबई के छत्रपति शिवाजी

महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ था। हालांकि, विमान में गुजरात के कांडला एयरपोर्ट से उड़ान भरते समय ही यह घटना घटी। लेकिन फिर भी विमान ने अपनी यात्रा जारी रखी और सुरक्षित रूप से मुंबई में लैंडिंग की। लेकिन, इस घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पूरी तरह इमरजेंसी घोषित कर दी गई। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की कि जब कांडला एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने हवा में कोई चीज नीचे गिरते हुए देखी, तब तक विमान उड़ान भर चुका था। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारी ने अपने बयान में कहा कि कांडला विमान के उड़ान भरने के तुरंत बाद किसी चीज को नीचे गिरते हुए देखा था। इसके बाद उन्होंने तुरंत इस बात की जानकारी विमान के पायलट को दी और विमान से गिरी चीज को लाने के लिए एटीसी जीप को भेजा। उन्होंने कहा कि जब एटीसी जीप रनवे पर पहुंची तब उन्होंने देखा कि विमान के बाहरी पहिया और उसके धातु के रिंग्स गिरे हुए थेह्न स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने इस घटना को लेकर आधिकारिक बयान में कहा कि कांडला से मुंबई जा रहे स्पाइसजेट के एक विमान का एक बाहरी पहिया उड़ान भरने के बाद रनवे पर पाया गया।

पीएम उज्ज्वला योजना से जुड़े लाभार्थियों मिल सकता है एक मुफ्त गैस सिलेंडर

बदल गए राशन कार्ड के नियम, अब सस्ते दर पर मिलेगा मोटा अनाज

एजेंसी। नई दिल्ली

देशभर में करोड़ों लोगों के लिए राशन कार्ड बेहद जरूरी दस्तावेज है। यह न केवल सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराता है। बल्कि पहचान पत्र और सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए भी इसका इस्तेमाल होता है। देशभर में करोड़ों लोगों के लिए राशन कार्ड बेहद जरूरी दस्तावेज है। यह न केवल सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराता है, बल्कि पहचान पत्र और सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए भी

इसका इस्तेमाल होता है। अब खाद्य सुरक्षा मंत्रालय ने 2025 से राशन कार्ड को लेकर कई नए नियम लागू करने का ऐलान किया है। इन बदलावों का सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। नए नियमों के तहत अब कार्डधारकों को सिर्फ गेहूं और चावल ही नहीं, बल्कि नमक, बाजरा और तेल जैसी जरूरी चीजें भी सस्ती दरों पर या मुफ्त में दी जाएंगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जुड़े लाभार्थियों को हर महीने एक मुफ्त गैस सिलेंडर का फायदा भी मिलेगा। इसके साथ ही सरकार ने बताया है कि वितरण प्रणाली को डिजिटल बनाया जाएगा, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी और कालाबाजारी पर रोक लग सके। बता दें कि पहले प्रति व्यक्ति को 5-5 किलो गेहूं और चावल मिलता था। अब इसे बढ़ाकर 7-7 किलो करने की तैयारी है। साथ ही सभी राशन कार्ड धारकों को ई-केवाईसी कराना अनिवार्य होगा। जिनका ई-केवाईसी पूरा नहीं होगा, उनका नाम लाभार्थी सूची से हटा दिया जाएगा। मंत्रालय का कहना है कि यह कदम राशन कार्ड प्रणाली को पारदर्शी बनाएगा। योजना को सही लोगों तक पहुंचाने के लिए सरकार ने सख्त नियम भी बनाए हुए हैं।

21 परीक्षा केंद्रों पर 10 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल, डीएम-एसपी की संयुक्त बैठक में बनी रणनीति

71वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, बक्सर जिला प्रशासन ने कस ली कमर, कदाचार रोकने को पुख्ता इंतजाम

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार लोक सेवा आयोग की 71वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा शनिवार को एकल पाली में आयोजित होगी। बक्सर जिले में कुल 21 परीक्षा केंद्रों पर 10,236 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 12 से 2 बजे तक होगी।

परीक्षार्थियों को सुबह 9.30 बजे से प्रवेश मिलेगा और 11 बजे के बाद किसी भी हाल में गेट बंद कर दिया जाएगा। प्रत्येक कक्ष में अधिकतम 24 परीक्षार्थियों पर दो पर्यवेक्षक तैनात होंगे। परीक्षा केंद्रों में मोबाइल, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ, व्हाइटनर, पेजर और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर सख्त पाबंदी होगी।

बक्सर प्रशासन ने साफ संदेश

दिया है कि नकल की जरा सी भीकोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिले का पूरा प्रशासन और पुलिस अमला इस ऐतिहासिक परीक्षा को शांतिपूर्ण व पारदर्शी तरीके से कराने में जुट गया है।

सख्त रहेगी कानून-व्यवस्था और निगरानी

जिला दंडाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और प्रभारी एसपी नीरज कुमार सिंह ने शुक्रवार को समाहरणालय में उच्चस्तरीय बैठक कर कदाचार मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने का खाका खींचा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जोनल दंडाधिकारी लगातार भ्रमणशील रहेंगे और केंद्रों की जांच करेंगे। फोटोस्टेट दुकानें परीक्षा समाप्ति तक बंद रहेंगी। परीक्षा केंद्र से 200 मीटर की परिधि में कानून-व्यवस्था कड़ी निगरानी में रहेगी। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर दंडाधिकारी और पदाधिकारी तैनात रहेंगे, ताकि परीक्षार्थियों को आसानी से मार्गदर्शन मिल सके।

परीक्षा के मद्देनजर किए गए है कई विशेष इंतजाम

अग्निशमन विभाग को दो फायर ब्रिगेड वाहनों के साथ अलर्ट मोड में रखा गया है। परिवहन विभाग परीक्षा सामग्री ढोने के लिए छोटे वाहनों की व्यवस्था करेगा। विद्युत विभाग को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग जिला नियंत्रण कक्ष, सदर अस्पताल और डुमरांव पीएचसी में एंबुलेंस व मेडिकल टीम को तैयार रखने तथा साइबर थाना और प्रशासन को सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ली जाएगी परीक्षा

जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण व पारदर्शी तरीके से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए कुल 43 स्टैटिक दंडाधिकारी सह प्रेक्षक, 11 जोनल व गश्ती दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किए जाएंगे। जिला नियंत्रण कक्ष समाहरणालय स्थित सभा कक्ष से संचालित होगा, जिसका नंबर 06183-222154 जारी किया गया है।

पांच दिन से धरने पर बैठे हैं सामाजिक संस्था के सदस्य, गुरुवार से भूख हड़ताल पर भी विभाग ने नहीं ली सुध

बिजली विभाग की नाकामी पर स्वयं-शक्ति का हल्लाबोल, पुतला-दहन कर जताई नाराजगी

केटी न्यूज/डुमरांव

बिजली विभाग की लापरवाही और वादाखिलाफी से तंग आकर अब डुमरांव के लोगों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। डुमरांव में बिजली की अनियमित आपूर्ति और जर्जर व्यवस्था को लेकर पिछले कई दिनों से सामाजिक संस्था स्वयं शक्ति लगातार आंदोलनरत है, लेकिन विभाग के अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। नतीजा यह हुआ कि गुरुवार से आंदोलनकारियों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। शुक्रवार को गुस्साए कार्यकताओं ने ऊर्जा मंत्री सहित विभागीय अधिकारियों का पुतला फूंक कर अपना आक्रोश जाहिर किया। यह पहला मौका नहीं है जब डुमरांव की जनता ने बिजली विभाग को उसकी नाकामी का आईना दिखाया हो। लेकिन विडंबना यह है कि विभाग के जिम्मेदार अफसर हर बार वही पुराना रटा-रटाया वाक्य दोहराते हैं।

सात सूत्री मांगें, जो बनी जनता की आवाज

स्वयं शक्ति संस्था के आंदोलनकारियों ने साफ कहा है कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। उनकी सात सूत्री मांगें जनता की सुरक्षा और सुविधा से सीधा जुड़ा मुद्दा है। इनमें नए ट्रांसफार्मर की स्थापना, ग्रिड को पर्याप्त बिजली आपूर्ति, जगह-जगह लटक रहे जर्जर तारों का प्रतिस्थापन, तकनीकी कर्मियों की बहाली, टोल-फ्री नंबर का प्रभावी संचालन, लो वोल्टेज का स्थायी समाधान और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तारों को अंडरग्राउंड करना शामिल है। इसके अलावा खराब पड़े पुराने बॉक्स को बदलने की भी मांग की गई है। संस्था के सदस्य 8 सितंबर से ही इन मांगों को लेकर धरने पर डटे थे। तीन दिन तक अधिकारियों से बातचीत हुई, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात। अधिकारियों ने दिवाली तक तार बदलने और बॉक्स दुरुस्त करने का भरोसा दिया, पर संगठन ने इसे झूठा दिलासा मानने से इनकार कर दिया।

निष्कर्षजनता का धैर्य अब जवाब दे चुका है

बिजली विभाग की लापरवाही से तंग आकर डुमरांव में भूख हड़ताल शुरू होना इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में यह आंदोलन और बड़ा रूप ले सकता है। विभाग अगर अब भी नहीं चेता तो पुतला दहन की यह चिंगारी एक बड़े जनआंदोलन में बदल जाएगी। इस मौके कर अविनाश त्रिपाठी, विजय सिन्हा, राजेश मिश्रा, विकास ठाकुर सहित अन्य कई मौजूद रहें। मनीष मिश्रा, राजन तिवारी, राजेश मिश्रा, डब्लू मिश्रा, बिट्टू चौधरी, नितेश सैनी, रॉबिन चौबे, अशोक राय, श्रीभगवान पासवान, परवेज आलम, विष्णु कसेरा, खुशीचंद कुशवाहा, अजय यादव, मुन्ना ठाकुर, अविनाश त्रिपाठी, आशीष वर्मा, विशाल शर्मा, दुर्गेश पाण्डेय, अजीत गुप्ता सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

विभाग का रवैया बर्दाश्त के बाहर

संगठन के संयोजक धीरज मिश्रा और सदस्य सर्वेश पांडेय भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका कहना है कि विभाग की यह टालो-फोड़ो-भूलो नीति अब बर्दाश्त से बाहर है। सिर्फ तार और बॉक्स दिखाकर समस्या का समाधान नहीं होगा। जब तक सात सूत्री मांगें पूरी तरह लागू नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। 8 सितंबर को धरने के शुरूआती दिन धरना स्थल पर पहुंचे कार्यपालक अभियंता कुमार अभिषेक, एईई आरके दुबे और जेई इम्तियाज हुसैन ने भरोसा दिया कि काम शीघ्र शुरू होगा। लेकिन संगठन ने आश्वासन मानने से इनकार कर दिया। संगठन का कहना था कि जबतक पूरी तरह से डुमरांव में कार्य शुरू नहीं हो जाता, अनियमिताएं खत्म नहीं हो जाती तबतक धरना समाप्त नहीं होगा। सवाल यह है कि आखिर विभाग को हर बार काम शुरू करने में महीनों क्यों लग जाते हैं? जनता बार-बार आश्वासन के झुनझुने से खेलती रहे और विभाग आराम की नींद सोता रहे यह अब बर्दाश्त के बाहर है।

लो वोल्टेज और जर्जर तारो की सेवा से परेशान

बता दें कि डुमरांव और आसपास के प्रखंडों में बिजली की हालत किसी से छिपी नहीं है। कभी ट्रांसफार्मर जल जाते हैं, तो कहीं वोल्टेज इतना कम होता है कि बल्ब तक टिमटिमाते रहते हैं। बरसात और आपदा के दिनों में जर्जर तार लोगों की जान के लिए खतरा बन जाते हैं। बावजूद इसके विभाग अब तक सिर्फ फाइलों में समाधान ढूंढ रहा है। वहीं धरने पर बैठे कार्यकताओं को क्षेत्र की जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। लोगों का कहना है कि विभाग अगर समय रहते गंभीर नहीं हुआ तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बिजली विभाग की अकर्मण्यता की वजह से उपभोक्ताओं को बार-बार जानलेवा स्थिति का सामना करना पड़ता है। उपभोक्ताओं का सवाल है आखिर वे बिल किस बात का भरें? बदले में उन्हें सिर्फ लो वोल्टेज, ट्रांसफार्मर की खराबी और जर्जर तारों का डर ही मिलता है।

बुनियादी सुविधाओं के अधिकार का मायने नहीं

डुमरांव की जनता आज बिजली विभाग से यही पूछ रही है कि क्या आपका काम सिर्फ मीटर लगाना और बिल भेजना है? उपभोक्ता की सुरक्षा, सुविधा और बुनियादी अधिकार आपके लिए कोई मायने नहीं रखते? विभागीय अधिकारियों की हालत उस डॉक्टर की तरह हो गई है जो मर्ज तो जानता है, लेकिन इलाज करने के बजाय मरीज को सिर्फ दवा की पर्ची थमाकर चलता बनता है।

डॉक्टर की लापरवाही से सिमरी सीएचसी में ठप पड़ा परिवार नियोजन कार्यक्रम

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में परिवार नियोजन कार्यक्रम पूरी तरह ठप हो गया है। वजह है, जिले से ड्यूटी पर लगाए गए सर्जन का आदेश मानने से साफ इंकार करना। जिला प्रशासन और सिविल सर्जन के निर्देश पर हर बुधवार यहां सेवाएं देने की जिम्मेदारी डॉ. लोकेश कुमार को दी गई थी। उन्हें पुरुष नसबंदी और महिला बंध्याकरण की सुविधा उपलब्ध करानी थी, लेकिन उन्होंने पूरे अगस्त माह में केवल एक दिन 21 अगस्त को ही ड्यूटी की। इसके बाद वे दोबारा अस्पताल नहीं लौटे। अब उन्होंने खुलेआम सिमरी सीएचसी में ड्यूटी करने से मना कर दिया है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सिमरी सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संतोष कुमार ने 9 सितंबर को पत्र संख्या 505 के जरिए सिविल सर्जन को शिकायत भेजी। उन्होंने साफ लिखा कि डॉक्टर की अनुपस्थिति में परिवार कल्याण कार्यक्रम का संचालन असंभव हो गया है। जबकि जिला स्तर से 29 जुलाई को आदेश जारी हुआ था कि जहां विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं हैं, वहां अन्य अस्पतालों में पदस्थापित चिकित्सकों से सेवाएं दिलाई जाएं। इसी आधार पर जिले के 12 अस्पतालों में विशेषज्ञों की ड्यूटी लगाई गई थी। दरअसल, सिमरी सीएचसी में पहले से ही परिवार नियोजन सेवाओं के लिए स्थायी सर्जन नहीं था। कमी पूरी करने के लिए पीपीपी मोड में सेवाएं दी जा रही थीं। लेकिन लक्ष्य के अनुरूप सफलता न मिलने पर जिला प्रशासन ने बाहर से विशेषज्ञ बुलाकर जिम्मेदारी सौंपी थी। डॉ. लोकेश के इंकार ने साबित कर दिया कि जिले की यह रणनीति महज कागजों में सिमटकर रह गई।

गरीब मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

डॉक्टर की गैरहाजिरी का सीधा खामियाजा गरीब ग्रामीण दंपत्तियों को उठाना पड़ रहा है। गांव-देहात से आने वाले मरीज जब परिवार नियोजन सेवाओं के लिए सिमरी अस्पताल पहुंचते हैं, तो वहां सर्जन नदारद मिलता है। मजबूरी में उन्हें या तो खाली हाथ लौटना पड़ता है या निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है, जहां भारी रकम वसूली जाती है। सरकार जहां मुफ्त सेवाओं का दावा करती है, वहीं जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। यह मामला महज एक डॉक्टर की मनमानी का नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य महकमे की लापरवाह व्यवस्था का आईना है। सवाल उठता है कि क्या परिवार नियोजन जैसा संवेदनशील विषय डॉक्टरों की मर्जी पर छोड़ा जा सकता है, क्या मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रॉजेक्ट इसी तरह ठप होता रहेगा। अगर एक डॉक्टर खुलेआम विभागीय व जिलाधिकारी के निर्देश को ठुकरा देता है और प्रशासन चुप रहता है, तो यह जनता के साथ सीधा धोखा है। यदि ऐसे चिकित्सकों पर कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में और डॉक्टर आदेशों को दरकिनार कर देंगे। नतीजा यह होगा कि न तो परिवार नियोजन कार्यक्रम का लक्ष्य पूरा होगा और न ही सरकार की योजनाएं गरीब जनता तक पहुंच पाएंगी।

बक्सर में 94.69 लीटर विदेशी शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को बड़ी सफलता मिली। नगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की कार उत्तर प्रदेश की ओर से बक्सर आ रही है, जिसमें भारी मात्रा में शराब रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक बक्सर के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर बक्सर के नेतृत्व में नगर थाना की टीम ने बक्सर गोलम्बर के पास वाहन चेकिंग शुरू की। जांच के दौरान दिल्ली नंबर की कार को रोका गया। तलाशी में कार से 94.69 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 347/25 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

ग्रामीण इलाकों में लम्पी रोग का प्रकोप, दहशत में पशुपालक

मवेशियों के लिए बना जानलेवा, पशु चिकित्सकों ने दी बचाव की सलाह

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मवेशियों में लम्पी स्किन डिजीज (लम्पी रोग) का प्रकोप तेजी से फैलने लगा है। इस जानलेवा बीमारी से मवेशियों की हालत बिगड़ रही है, जिससे पशुपालक गहरे संकट में हैं। कई गांवों में सैकड़ों मवेशी प्रभावित पाए गए हैं। पशुपालकों का कहना है कि रोग के कारण दूध उत्पादन घट गया है और मवेशियों का वजन तेजी से कम हो रहा है। इस बीमारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पशुपालन विभाग की 1962 टीम लगातार गांवों का दौरा कर रही है और बीमार पशुओं का उपचार कर रही है। टीम के चिकित्सक डॉ. अजय प्रकाश यादव ने बताया कि यह एक संक्रामक वायरल रोग है, जो मच्छर, मक्खी और कीड़े-मकौड़ों के काटने से तेजी से फैलता है। इससे मवेशियों के शरीर पर गांठें निकल आती हैं, बुखार हो जाता है और कमजोरी बढ़ जाती है। इस बार सबसे अधिक बछड़े प्रभावित हो रहे हैं।

डॉ. यादव ने बताया कि बरसात से पहले वैक्सिनेशन कराना जरूरी है। संक्रमित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना, गोठ में नियमित सफाई करना, कीटनाशक का छिड़काव और मच्छरदानी का प्रयोग इस बीमारी से बचाव के प्रभावी उपाय हैं। उन्होंने कहा कि बीमार मवेशियों को पौष्टिक चारा व पर्याप्त पानी दें और घाव होने पर नीम की पत्ती या फिटकरी से धोकर आयुर्वेदिक पेस्ट (नीम, कपूर, हल्दी व नारियल तेल) का प्रयोग करें।

चिकित्सक ने पशुपालकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की लापरवाही न करें और लक्षण दिखते ही नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करें, ताकि मवेशियों की जान बचाई जा सके।

एक नजर

71वीं बीपीएससी परीक्षारू बक्सर में 200 मीटर तक निषेधाज्ञा लागू

बक्सर। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित एकीकृत 71वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा 13 सितम्बर (शनिवार) को बक्सर अनुमंडल क्षेत्र के 15 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा एकल पाली में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक ली जाएगी। परीक्षा के सुचारू, संचालन और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यपालक दंडाधिकारी अनुमंडल बक्सर ने सभी परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। जारी आदेश के मुताबिक परीक्षा केन्द्रों के आसपास पाँच या पाँच से अधिक लोग एक साथ जमा नहीं हो सकेंगे। केवल ड्यूटी पर तैनात अधिकारी-कर्मचारी, परीक्षार्थी और विद्यालय से जुड़े कर्मियों को ही छूट दी गई है। परीक्षा केन्द्र के पास किसी भी तरह की चिट-पर्ची, किताब, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, ब्लूटूथ या मोबाइल फोन आदि का वितरण और उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा में नकल करने या नकल कराने में सहयोग देना संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध माना जाएगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों को न्यूनतम एक माह और अधिकतम छह माह तक कारावास अथवा दो हजार रुपये जुमार्ना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। इसके अलावा परीक्षा अवधि के दौरान केन्द्रों के आसपास स्थित साइबर कैफे, कोचिंग सेंटर, फोटो कॉपी दुकानें तथा ठेला-फेरी पर खाद्य सामग्री और पेय पदार्थों की बिक्री पूर्णतः बंद रहेगी। गश्ती दल, स्टैटिक पुलिस पदाधिकारी और केन्द्राधीक्षकों को इस आदेश के पालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करते हुए परीक्षा में सम्मिलित हों, ताकि परीक्षा प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

गैस पाइपलाइन बिछाने को लेकर स्टेशन रोड कंपनी ने गड्ढा खोद छोड़ा बढ़ी परेशानी

डुमरांव । वर्तमान समय में अनुमंडलवासियों के लिये स्टेशन रोड सरदर्द बना हुआ है। पहले फेज में नयाथाना से लेकर ट्रेनिंग स्कूल तक रोड की मरम्मतिकरण को लेकर गड्ढा की खुदाई कर दी गई है। उसे सही किया ही नहीं गया कि रेलवे स्टेशन के पास वार्ड 18 में महराजा पेट्रोल पंप के पास गैस पाइपलाइन बिछाने को लेकर गड्ढे की खुदाई कर मलवे व ईंट, गिट्टी आदि को सड़क किनारे छोड़ दिया गया है, जिससे वाहनों को आने-जाने में जाम की स्थिति कायम हो जाती है। इतना ही नहीं बारिश हो जाने के बाद कीचड़ हो जाने के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं कमल नगर मोहल्लेवासी इस गड्ढे से सबसे ज्यादा परेशान है। मालूम हो कि जहां पर गड्ढा खोदा गया है, उसी के बगल से कमल नगर जाने का रास्ता है। साथ ही पेट्रोल पंप होने के कारण वाहनों के आने-जाने का सिलसिला चौबीसों घंटे चलता रहता है, जिससे दुर्घटना का भी भय बना रहता है। नगरवासियों का कहना है कि किसी कार्य के लिये जब गड्ढे की खुदाई की जाती है तो कार्य सम्पन्न होने के बाद उसे भर देना चाहिए, लेकिन कंपनी के द्वारा ऐसा नहीं किया जाता और लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। विदित हो कि जहां गड्ढा खोदा गया है, उससे महज एक सौ मीटर की दूरी पर रेलवे स्टेशन है। इतना ही नहीं स्टेशन से सटे दुगार्मंदिर है, जहां महिला-पुरूष के साथ बच्चों को आना-जाना लगा रहता है, ऐसे में किसी का पांव फिसल गया तो लोग सीधे गड्ढे में चले जाएंगे। इस संबंध में नहीं नप और नहीं एनएच का कोई अधिकारी ही कुछ बोलने को तैयार है, परेशान हो रही है तो शहर और अनुमंडल की जनता।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढेलवानी मोड़, डुमरॉंव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

बैठक में मिला बड़ा संदेश, घाटों का सौंदर्यीकरण, सिवरेज प्रबंधन और सिंगल यूज प्लास्टिक पर सख्ती होगी प्राथमिकता

गंगा संरक्षण पर कड़ा रुख, बक्सर डीएम ने लगाई अधिकारियों की क्लास

केटी न्यूज/बक्सर

नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला गंगा समिति की बैठक जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में डीएम ने गंगा और सहायक नदियों की स्वच्छता को लेकर गंभीर असंतोष जताया और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। डीएम ने समीक्षा के दौरान पाया कि बक्सर शहर के घाटों का निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने परियोजना निदेशक बुडको को निर्देश दिया कि कार्य की रफ्तार तेज कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सिवरेज प्रबंधन पर जोर

शहर की गंदगी गंगा में न जाए, इसके लिए डीएम ने विशेष रूप से सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और नेटवर्क निर्माण पर जोर दिया। चयनित एजेंसी को जल्द से जल्द स्थल का नक्शा तैयार करने और कार्य शुरू करने का आदेश दिया गया।

नालों और अपशिष्ट पर सख्ती

गंगा एवं सहायक नदियों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट का प्रवाह रोकने को लेकर नगर परिषद बक्सर और डुमरांव के कार्यपालक पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। उन्हें कहा गया कि नालों में लगाए गए जालियों और विनोज की नियमित सफाई चयनित एजेंसी से कराना सुनिश्चित करें।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध

शहर की साफ–सफाई को लेकर खेद प्रकट करते हुए डीएम ने नगर परिषद और नगर पंचायतों को निर्देश दिया कि सिंगल यूज प्लास्टिक को पूरी तरह प्रतिबंधित कराया जाए। इसके लिए नियमित रूप से छापेमारी अभियान चलाने की सख्त हिदायत दी गई।

गोकुल जलाशय का सीमांकन

बैठक में डीएम ने गोकुल जलाशय का सीमांकन शीघ्र पूर्ण कराने का आदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन के लिए यह कार्य आवश्यक है।

सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर

डीएम ने सभी संबंधित विभागों को एक पखवाड़े के भीतर आपसी समन्वय स्थापित कर ठोस कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि गंगा संरक्षण से जुड़ी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, नोडल पदाधिकारी नमामि गंगे बक्सर सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक करोड़ से अधिक राशि के विचलन के आरोप के बाद बढ़ा दबाव, संपत्ति जांच और कोर्ट जाने की दी चेतावनी

शिक्षा विभाग में राशि विचलन मामला : अब आर्थिक अपराध इकाई और एसीएस से मिलेंगे सामाजिक कार्यकर्ता आजाद गिरी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला शिक्षा विभाग में एक करोड़ से अधिक की सरकारी राशि के विचलन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। स्थापना डीपीओ (जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना) विष्णुकांत राय पर लगे आरोप अब केवल विभागीय शिकायत तक सीमित नहीं रह गए हैं। इस मुद्दे को उजागर करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता आजाद गिरी ने साफ कहा है कि वे इस प्रकरण को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) और शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) तक ले जाएंगे। गिरी का आरोप है कि विष्णुकांत राय ने न केवल संवेदकों के नाम पर आई राशि को अपने सरकारी खाते में पार्क किया बल्कि भुगतान प्रक्रिया में भी नियमों की धज्जियां उड़ाईं। आजाद गिरी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में विद्यालयों के जीर्णोद्धार, अतिरिक्त वर्गकक्ष निर्माण, पेयजल व्यवस्था और शौचालय मरम्मत जैसे कार्यों के लिए आई राशि का भुगतान सीधे संवेदकों को होना था, लेकिन आरोप है कि डीपीओ (स्थापना) विष्णुकांत राय ने राशि को संवेदकों के बजाय अपने सरकारी खाते में रखकर बाद में मनमर्जी से भुगतान किया। गिरी ने आरोप लगाया कि 24 मार्च 2024 को ही 42 कार्यों से जुड़ी 1 करोड़ 8 लाख रुपये से अधिक की राशि को संवेदकों के खाते में ल्लपेड एंड कैंसल्डल्ल दिखा दिया गया, जबकि पैसा वास्तव में सरकारी खाते में पार्क किया गया था। जिन संवेदकों से डील नहीं हुई, उनका भुगतान अब तक लंबित है।

सामाजिक कार्यकर्ता गिरी का कहना है कि यह सीधा-सीधा बंदरबांट की प्रक्रिया है। उनके अनुसार जिनसे समझौता हुआ उन्हें पैसा दे दिया गया, और जिनसे बात नहीं बनी उनका पैसा रोक दिया गया। गिरी ने कहा कि यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं बल्कि सरकारी धन के साथ खिलवाड़ है।

संपत्ति जांच और कोर्ट जाने की तैयारी

आजाद गिरी ने कह है कि वे इस मामले को लेकर सिर्फ विभागीय स्तर पर ही नहीं रुकेंगे। उनका कहना है कि वे विष्णुकांत राय की संपत्ति की जांच की मांग भी करेंगे ताकि यह स्पष्ट हो सके कि उन्होंने पद का दुरुपयोग करके किन–किन तरीकों से निजी लाभ उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम इस पूरे मामले को कोर्ट तक ले जाएंगे। सरकारी धन का विचलन कर बंदरबांट करने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

महालेखाकार और विभागीय आदेश की अनदेखी

इस मामले में एक बड़ा सवाल यह भी है कि महालेखाकार पटना और शिक्षा विभाग द्वारा पहले ही स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए गए थे कि राशि का विचलन किसी भी परिस्थिति में नहीं होगा। इसके बावजूद राशि को एक खाते में पार्क कर मनमाने ढंग से भुगतान किया गया। गिरी का कहना है कि यह केवल विभागीय लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार है। अन्य जिलों में कार्रवाई, बक्सर में ढिलाई क्यों? गौरतलब है कि बिहार के कई जिलों में नियम विरुद्ध भुगतान करने वाले जिला शिक्षा पदाधिकारियों पर कार्रवाई हो चुकी है। ऐसे में सवाल उठता है कि बक्सर में एक करोड़ से अधिक राशि के विचलन जैसे गंभीर आरोपों के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया गया। गिरी ने कहा कि अगर अन्य जिलों में अधिकारियों को दंडित किया जा सकता है तो बक्सर में कार्रवाई क्यों लंबित है, क्या यहां किसी तरह की मिलीभगत चल रही है।

अन्य जिलों में कार्रवाई, बक्सर में ढिलाई क्यों?

गौरतलब है कि बिहार के कई जिलों में नियम विरुद्ध भुगतान करने वाले जिला शिक्षा पदाधिकारियों पर कार्रवाई हो चुकी है। ऐसे में सवाल उठता है कि बक्सर में एक करोड़ से अधिक राशि के विचलन जैसे गंभीर आरोपों के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया गया। गिरी ने कहा कि अगर अन्य जिलों में अधिकारियों को दंडित किया जा सकता है तो बक्सर में कार्रवाई क्यों लंबित है, क्या यहां किसी तरह की मिलीभगत चल रही है।

पूर्व विवादों से घिरे रहे हैं विष्णुकांत राय

स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय पहले भी कई बार विवादों में रहे हैं। उन पर शिक्षा विभाग का तथाकथित दलाल अजय सिंह व सांसद सहयोगी का तगमा लेकर घुमने वाले को संरक्षण देने, जांच लंबित रहने के बावजूद उनसे जुड़ी एजेंसी को भुगतान करने और अजय सिंह की शिक्षिका पत्नी को निलंबन से मुक्त होते ही निलंबन अवधि के समस्त बकाए का भुगतान करने जैसे आरोप लग चुके हैं। यही नहीं, बल्कि तबादले के बावजूद उनका बक्सर में लंबे समय तक जमे रहना भी विभागीय नियमों पर सवाल उठाता है।

विद्यालयों व बच्चों का हो रहा नुकसान

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर शिक्षा विभाग में इस स्तर पर भ्रष्टाचार चलता रहा तो सबसे बड़ा नुकसान विद्यालयों और बच्चों को होगा। स्कूलों के विकास के नाम पर आने वाला पैसा अगर अधिकारियों की जेब भरने में चला जाए तो शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी।

अब सबकी निगाहें जिलाधिकारी पर

फिलहाल मामला जिलाधिकारी और विभागीय शीर्ष अधिकारियों तक पहुंच चुका है। जिले के लोग यह जानने को उत्सुक हैं कि क्या जिलाधिकारी इस मामले में जांच का आदेश देंगे या यह फाइल भी ठंडे बस्ते में चली जाएगी। वहीं, आजाद गिरी का कहना है कि वे किसी भी स्थिति में इस मुद्दे को दबने नहीं देंगे। बता दें कि यह मामला सिर्फ एक अधिकारी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों का नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा विभाग की पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है। अगर एक करोड़ से अधिक की राशि नियम विरुद्ध तरीके से पार्क और वितरित की गई है, तो यह गंभीर वित्तीय अनियमितता है। अब देखना यह होगा कि आर्थिक अपराध इकाई और एसीएस तक पहुंचने के बाद इस मामले का अंजाम क्या होता है, क्या दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी या फिर यह मामला भी बिहार की नौकरशाही की फाइलों में दफन हो जाएगा।

एक नजर

पूर्वजों की याद में पौधरोपण, ब्रह्मपुर में अनोखी पहल

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर प्रखंड के रघुनाथपुर गांव में शुक्रवार को एक अनोखी पहल देखने को मिली। जदयू जिला महासचिव विंध्याचल शाही की माताजी के श्राद्ध कर्म को सिर्फ धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रखते हुए उसे पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा गया। इस अवसर पर आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम ने लोगों को यह संदेश दिया कि पूर्वजों की स्मृति को जीवित रखने का सबसे सुंदर तरीका प्रकृति की सेवा है। कार्यक्रम का नेतृत्व पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, दक्षिण बिहार प्रांत के जनसंवाद सह प्रमुख शैलेश ओझा ने किया। उन्होंने कहा कि पूर्वजों की याद में लगाया गया पौधा सिर्फ हरियाली ही नहीं लाता, बल्कि परिवार और समाज को उससे भावनात्मक रूप से जोड़ता है। ऐसे पौधों की देखभाल लोग जिम्मेदारी से करेंगे और यह परंपरा समाज में एक सकारात्मक संदेश फैलाएगी। ओझा ने इसे ष्स्मृति शेष पौधारोपणष बताते हुए कहा कि यह सामाजिक सद्भावना के वातावरण को मजबूत करेगा। इस मौके पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित बिहार सरकार के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य श्रीभगवान कुशवाहा ने लोगों से अपील की कि श्राद्ध या किसी भी स्मृति दिवस पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वृक्षों की कटाई और पर्यावरण की उपेक्षा इसी तरह जारी रही तो आने वाली पीढ़ियां बड़े संकट का सामना करेंगी। कुशवाहा ने कहा, ष्धरती को हरा-भरा बनाए रखने के लिए पेड़ों को बचाना और लगाना हमारी जिम्मेदारी है। जल-जीवन-हरियाली कार्यक्रम इसी दिशा में सरकार का प्रयास है। पौधरोपण कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रदीप राय, जदयू महासचिव अजय उपाध्याय, राहुल सिंह, विनोद ओझा, डॉ. ललन मिश्रा, मनोज चौधरी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में पर्यावरण संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बनाने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल श्रद्धांजलि का प्रतीक रहा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति को संजोने का संदेश भी छोड़ गया। रघुनाथपुर की यह पहल अन्य समाजों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है कि धार्मिक और सामाजिक अवसरों को पर्यावरण बचाने की मुहिम से कैसे जोड़ा जा सकता है।

बक्सर में 94.69 लीटर विदेशी शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

बक्सर । जिले में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को बड़ी सफलता मिली। नगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की कार उत्तर प्रदेश की ओर से बक्सर आ रही है, जिसमें भारी मात्रा में शराब रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक बक्सर के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर बक्सर के नेतृत्व में नगर थाना की टीम ने बक्सर गोलम्बर के पास वाहन चेकिंग शुरू की। जांच के दौरान दिल्ली नंबर की कार को रोका गया। तलाशी में कार से 94.69 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 347/25 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में मनीष कुमार (शेरपुर, पटना), नशीम राईन (सुरसंड, सीतामढ़ी) और दिव्या देवी (परिहार, सीतामढ़ी) शामिल हैं। बरामद कार को भी जब्त कर लिया गया है। इस अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर धीरज कुमार, नगर थाना अध्यक्ष मनोज कुमार, अवर निरीक्षक मुकेश कुमार और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

जमीन पर जालसाजी का खेल, मंदबुद्धि युवक की जगह खड़ा करवा लिया दूसरा व्यक्ति, तीन पर केस दर्ज

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

जिले के कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के बड़का ढकाईच गांव में जमीन हड़पने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मंदबुद्धि युवक की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर जालसाजी से उसकी जमीन की रजिस्ट्री किसी और के नाम कर दी गई। इस घटना को लेकर पीड़ित परिजन की शिकायत पर थाने में तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मामले की जानकारी देते हुए पीड़ित बिक्रम यादव ने बताया कि वह दो भाई हैं। उसका बड़ा भाई मल्लू यादव जन्म से ही मानसिक रूप से अस्वस्थ था, जिसके कारण उसकी शादी भी नहीं हो सकी। वर्ष 2024 से वह लापता है और काफी खोजबीन के बावजूद अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला।

इसी बीच जब हाल ही में चल रहे सर्वे कार्य के दौरान बिक्रम यादव जमीन का रसीद कटाने पहुंचे तो उन्हें हैरान करने वाली जानकारी मिली। पता चला कि वर्ष 2010 में ही उनके भाई मल्लू यादव की जगह रजिस्ट्री ऑफिस में एक अन्य व्यक्ति रास बिहारी यादव को खड़ा कराकर रामपुर मौजा थाना संख्या 20 के अंतर्गत छह कठ्ठा जमीन की रजिस्ट्री कर दी गई थी। इस खुलासे के बाद पीड़ित ने स्थानीय थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार इस पूरे जालसाजी के खेल में शंकर दयाल यादव, शिवधारी यादव और एक महिला की संलिप्तता सामने आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों के बीच यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर एक मानसिक रूप से अस्वस्थ और लापता व्यक्ति की जमीन कैसे किसी दूसरे के नाम दर्ज हो गई। अब देखना होगा कि पुलिस की जांच में आगे क्या सच्चाई सामने आती है।

मुहल्लेवासियों की मांग, पहले अतिक्रमण हटे, फिर बने सड़क-नाली

केटी न्यूज/बक्सर

नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 21 अंतर्गत चीनी मिल मुहल्ले के लोगों ने सड़क और नाली निर्माण से पहले अतिक्रमण हटाने की मांग उठाई है। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने नगर परिषद ईओ मनीष कुमार को पत्र लिखते हुए साफ कहा है कि जब तक रास्ता अतिक्रमणमुक्त नहीं होगा, तब तक निर्माण कार्य का कोई लाभ मुहल्ले को नहीं मिलेगा।

करीब 35 लोगों के हस्ताक्षरयुक्त आवेदन में बताया गया है कि मुहल्ले की मुख्य गली में प्रवेश करते ही दो व्यक्तियों ने सड़क के हिस्से पर कब्जा जमा लिया है। इसके कारण 22 फीट चौड़ा रास्ता सिमटकर महज 8 से 10 फीट का रह गया है। परिणामस्वरूप जहां पैदल आवागमन में दिक्कत होती है, वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों का प्रवेश भी मुश्किल हो जाता है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा जिस योजना के तहत सड़क और नाली निर्माण की पहल की जा रही है, वह तभी सफल होगी जब रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। यदि वर्तमान स्थिति में ढलाई कर दी जाती है, तो सड़क और नाली निर्माण से मूल समस्या जस की तस बनी रहेगी। मुहल्लेवासियों ने स्पष्ट किया कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, बल्कि चाहते हैं कि यह कार्य स्थायी समाधान लेकर आए। इस संबंध में मुख्य पार्षद को भी अवगत करा दिया गया है। लोगों का मानना है कि यदि प्रशासन इस दिशा में ठोस कदम उठाता है और कब्जा हटवाता है, तो लंबे समय तक मुहल्ले को राहत मिल सकेगी। वरना निर्माण कार्य के बाद भी यहां के लोग संकरी गली और जाम की समस्या से जूझते रहेंगे। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद से अपील की है कि प्राथमिकता के आधार पर पहले अतिक्रमण हटवाया जाए, उसके बाद सड़क और नाली निर्माण कराया जाए। इससे न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि मुहल्ले की साफ-सफाई व्यवस्था और बुनियादी सुविधाएं भी दुरुस्त होंगी।

चौसा नगर पंचायत बोर्ड बैठक, विकास प्रस्तावों पर बनी सहमति

- **प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा फ्री बिजली आपूर्ति का प्रस्ताव**

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित सामान्य बोर्ड बैठक में क्षेत्रीय विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा और निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता मुख्य पार्षद किरण देवी ने की, जबकि संचालन कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार ने किया। बैठक की शुरूआत नगर पंचायत क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की समीक्षा से हुई। मुख्य पार्षद किरण देवी ने नगर पंचायत की छह किलोमीटर परिधि में निःशुल्क बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का प्रस्ताव रखा। इस पर सभी पार्षदों और उपस्थित सदस्यों ने सहमति जताई। तय किया गया कि इस मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री को पत्राचार कर मजबूती से रखा जाएगा। बैठक में शहरी सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं से जुड़े कई अन्य प्रस्ताव भी पारित हुए। तय हुआ कि प्रत्येक वार्ड में सीमेंटेड कुर्सियों की व्यवस्था की जाएगी ताकि आमजन को बैठने की सुविधा मिले। साथ ही मुख्य सड़कों और गलियों में तिरंगा लाइट व अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। स्थानीय बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए नली-गली के निर्माण और मरम्मत कार्यों को भी मंजूरी दी गई। इन कार्यों के लिए शीघ्र ही टेंडर प्रक्रिया शुरू करने पर सहमति बनी। बैठक में यह भी तय हुआ कि स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था को लेकर निगरानी तंत्र और अधिक सक्रिय होगा।बैठक में जीएसटी सुधार को लेकर भी चर्चा हुई। चार स्लैब से घटाकर दो स्लैब किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। पार्षदों ने कहा कि इस सुधार से आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और व्यापारियों पर कर का बोझ कम होगा। मुख्य पार्षद किरण देवी ने कहा कि चौसा नगर पंचायत के विकास और जनता की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने सभी पार्षदों और पदाधिकारियों से समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक में उप मुख्य पार्षद सरिता देवी, वार्ड पार्षद सदस्य ललिता देवी, अंजू कुमारी, रंजू देवी, पार्वती देवी, दिनेश कुमार, चंदन चौधरी, आनंद कुमार रावत सहित सहायक लोक स्वच्छता पदाधिकारी मोहम्मद अरशद हैदर नकवी, कनीय विद्युत अभियंता एवं प्रभारी प्रधान सहायक सत्य प्रकाश मौजूद रहे।

इस बैठक को चौसा नगर पंचायत क्षेत्र की भावी विकास योजनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

केसठ में लगा राजस्व महा अभियान का शिविर

केटी न्यूज/बक्सर

प्रखंड के स्थानीय पंचायत सरकार भवन के प्रांगण में शुक्रवार को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निर्देश पर राजस्व महा-अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व अंचलाधिकारी अभिषेक गर्ग ने किया। शिविर में केसठ, शिवपुर पश्चिमी, धेनुआ डिह, पोखरा टोला, जमुआ टोला, हरि टोला समेत अन्य गांवों के लोगों ने शिविर में भूमि दस्तावेज से जुड़ी समस्याओं को लेकर अपना आवेदन जमा किया। सीओ ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य जमीन संबंधी समस्याओं का समाधान करना और लोगों को उनके गांव के नजदीक राजस्व से संबंधित गलतियों में सुधार की सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि शिविर में जमाबंदी में त्रुटि सुधार, जमाबंदी ऑनलाइन चढ़ाने, नामांतरण दाखिल खारिज, बंटवारा दाखिल खारिज के लिए आवेदन लिया गया। इसके लिए राजस्व कर्मचारी, विकास मित्र समेत कम्प्यूटर आपरेटर को प्रतिनियुक्त किया गया है। जमीन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए राजस्व महाभियान चलाया जा रहा है। ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अनावश्यक भाग दौड़ से निजात मिल सके। इस दौरान कुल लगभग 583 लोगों ने आवेदन दिया है। विदित हो कि बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तहस चलाए जा रहे महाभियान का उद्देश्य भूमि संबंधी दस्तावेजों की जांच करना है। उन्होंने बताया कि 16 सितंबर को कतिकनार पंचायत में तथा 18 सितंबर को रामपुर पंचायत में राजस्व महा अभियान के तहत शिविर लगाया जाएगा। मौके पर कर्मचारी अमित कुमार, मुनेश्वर दास, नाजीर अशोक कुमार, अमीन दशरथ केसरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आरा परिसदन में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जीएसटी सुधार पर एक प्रेस वार्ता

प्राकृतिक खेती विषय पर केविके में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

केटी न्यूज/रोहतास

कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज में प्राकृतिक खेती विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 8 से 12 सितंबर तक चलाया गया। जिसमें शुक्रवार को अंतिम दिन डीडीएम नाबार्ड द्वारा खाता संग्रहण एवं प्राकृतिक खेती को किस प्रकार से बाजार में बेचने का काम करें। जिससे आमदनी में बढ़ोतरी मिले उसी के बारे में बताया गया। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा जिले की योजनाओं तथा मुख्यमंत्री के महिलाओं के विकास को सर्वोपरी बताया। यह कृषि सखियां आगे किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण देगी,यह फार्मर ट्रेनर के रूप में होगी।इसके साथ ही सहायक निदेशक रसायन के द्वारा महिलाओं को प्राकृतिक खेती की आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है, समय के अनुसार हम अपने खेती में बदलाव करते हैं। पहले हमारे देश में भुखमरी तथा खाद्यान्न की आवश्यकता थी। उस समय हमने ग्रीन रिवॉल्यूशन पर ध्यान दिया तथा आज पर्याप्त खाद्य भंडार को देखते हुए स्वास्थ्य को ठीक करने की आवश्यकता है। जिसके कारण प्राकृतिक खेती विषय पर प्रशिक्षण जरूरी है। उन्होंने कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती को अच्छे ढंग से करके आगे किसानों के बीच बढ़ाने का कार्य करें। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपने 5 दिन प्रशिक्षण के अनुभवों को बताने का कार्य किया। अवसर पर वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ आर के जलज ने कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती के आयाम,उद्देश्य तथा उसे समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कैसे आगे बढ़ाना है। इस विषय पर विस्तार पूर्वक बताने का कार्य किया। उसके बाद इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसमें कुल 10 प्रखंड से 30 कृषि सखियों ने भाग लिया। अवसर पर डॉ. रामाकांत सिंह नोडल प्राकृतिक खेती ने कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती के पांच अवयव को ध्यान में रखने वीजा अमृत, जीवामृत, घाना अमृत, मल्चिंग एवं वापसा के बारे में बताया। डॉ. रतन कुमार ने साग-सब्जियों की खेती में प्राकृतिक खेती का महत्व जो हमारे स्वास्थ्य के अनुरूप हो उन्होंने विश्वस्वास्थ्य संगठन के द्वारा आज लगभग हर एक आठ घर में से एक घर में कैंसर की बीमारी हो रही है।जिसे ध्यान में रखते हुए किसान भाई अगर खासकर सब्जियों को प्राकृतिक रूप से उगाई तो इसमें उत्पादकता एवं स्वास्थ्य भी बनी रहती है। इस प्रशिक्षण में रविता देवी,सविता देवी, गीता देवी, रिया कुमारी, लखमुना कुमारी,सुमित्रा देवी सहित 30 प्रशिक्षणार्थी एवं कृषि विज्ञान केंद्र के हरेंद्र कुमार, प्रवीण पटेल,अभिषेक कौशल,सुबेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

भोजपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से दो किशोरों की मौत, गांव में मचा कोहराम

- शाहपुर थाना क्षेत्र के दूधघाट गांव में शुक्रवार की दोपहर हुई घटना
- बाढ़ के पानी में नहाने के दौरान हुई घटना

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के दूध घाट गांव में बाढ़ के पानी में डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सोनू कुमार और विजय कुमार के रूप में हुई है जो बाढ़ के पानी में नहाने गए थे। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन वे गहरे पानी में डूब गए।थाना क्षेत्र के दूध घाट गांव में बाढ़ के पानी में डूबने से दो किशोर की मौत हो गई। इसके बाद गांव में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक दुघघाट गांव में हरेन्द्र बिंद के 14 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार हैं। जबकि दूसरा लालबाबू बिंद का 12 वर्षीय पुत्र विजय कुमार हैं। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह करीब ग्यारह बजे करीब दोनों किशोर बाढ़ के पानी मे स्नान कर रहे थे। इसी दौरान दोनों गढ्ढे में भरे गहरे पानी मे चले गए। स्थानीय लोगों द्वारा दोनों ही किशोरों को बचाने का काफी प्रयास किया गया।डूबने के बाद दोनों ही पानी से बाहर नहीं आये। काफी खोजने के बाद दोनों को शाहपुर रेफरल अस्पताल इलाज के लिए लाया गया। लेकिन चिकित्सकों द्वारा दोनों मृत घोषित कर दिया गया। हरेन्द्र बिंद मूल रूप से थाना क्षेत्र के हिरखी पिपरा के रहने वाले है। फिहलाल कुछ वर्षों से परिवार के साथ अपने ससुराल दुघघाट में ही रहते हैं। थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत ने बताया कि दोनों किशोरों के शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

नहाते समय डूबने से हुई दानों की मौत

परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे दोनों बच्चे धान के खेत की ओर गए थे। इस दौरान वे बाढ़ के पानी में स्नान करने लगे। नहाते समय दोनों गहरे गड्ढे में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों बाहर नहीं निकल पाए। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने दोनों के शवों को पानी से बाहर निकाला।स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से दोनों को आरा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि मृतक सोनू के पिता हरेंद्र बिंद मूल रूप से हिरखी पिपरा गांव के रहने वाले हैं, लेकिन कुछ वर्षों से अपने ससुराल दूधघाट गांव में ही रह रहे थे। घटना की सूचना मिलने पर शाहपुर थाना पुलिस भी अस्पताल पहुंची और आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आरा सदर और जगदीशपुर अनुमंडल के 34 केंद्रों पर बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा आज

केटी न्यूज/आरा

बिहार लोक सेवा आयोग की ओर आयोजित 71वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा की सभी प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी केंद्रों पर सीट प्लान को शुक्रवार को अंतिम रूप दिया गया। वीक्षकों के साथ केंद्राधीक्षकों ने बैठक की और आयोग से मिले गाइड लाइन से अवगत कराया। इधर, दूरदराज के केंद्रों के अभ्यर्थी शुक्रवार को ही आरा पहुंच चुके हैं। बिहिया जगदीशपुर के केंद्रों के अभ्यर्थी भी पहुंच गए हैं।आरा जंक्शन पर अभ्यर्थियों की भीड़ रही। जिन अभ्यर्थियों को कोई आशियाना नहीं मिला है, उनके द्वारा स्टेशन पर शरण ली गई है। वहीं मंदिरों को भी ठिकाना बनाया गया है। बता दें कि शनिवार 13 सितंबर को एक पाली में दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक यह परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा आरा सदर अनुमंडल के 28 और जगदीशपुर अनुमंडल के 06 समेत कुल 34 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा में 19 हजार 320 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा की सुरक्षा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कुल 87 दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। किसी भी परीक्षार्थी को कैलकुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, वाई-फाई गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक पेन, पेजर इत्यादि जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पूर्व, अर्थात पूर्वाह्न 11:00 बजे तक केंद्र में प्रवेश करना अनिवार्य होगा। इसके बाद प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही, परीक्षा समाप्ति अथवा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के निर्देश से पूर्व किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। नियंत्रण कक्ष की स्थापना परीक्षा अवधि में किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष समाहरणालय भवन में स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष संख्या 06182-248702 है। इसके अतिरिक्त एक अस्थायी नियंत्रण कक्ष जिला गोपनीय शाखा में भी कार्यरत रहेगा, जिसका दूरभाष संख्या 06182-232052 एवं फैक्स संख्या 06182-233474 है। सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी आयोग ने भी परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए गाइडलाइन जारी कर दिया है।

आरा सांसद ने तीन ट्रेनों को हरी झंडी दिखा किया रवाना

- जिलेवासियों सहित सभी रेलवे कर्मचारियों को दिया बधाई और कहा कि यह कारवाँ लगतार बढ़ते रहेगी
- सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना से नवादा महादलित टोला और जवाहर टोला में समुदायिक भवन का किया शिलान्यास

केटी न्यूज/आरा

आज भोजपुर निवासियों के लिए खुशियों का दिन रहा। आरा सांसद सुदामा प्रसाद के सतत प्रयास से तीन ट्रेनें अब आरा से खुलेंगी. आज सांसद ने गाड़ी सं. 13225/26 जयनगर- दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस, 12359/60 कोलकाता पटना गरीब रथ एक्सप्रेस (नई गाड़ी सं. 13127/28) व 13245/46 & 13247/48 कैपिटल एक्सप्रेस को झंडा दिखा कर रवाना किया। ज्ञातव्य है कि इन ट्रेनों के आरा तक विस्तार के लिए पिछले एक वर्ष से लगातार लगे रहें । सांसद ने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, लोकसभा में रेलवे कमिटी की बैठक में प्रयास किया। सांसद सुदामा प्रसाद ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत आरा के जवाहर टोला में क्रांति पार्क के पास और नवादा थाना के पीछे महादलित टोले में सामुदायिक भवन का शिलान्यास किया। इस मौके पर सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि इन गाड़ियों के ठहराव से न केवल जिले वासियों बल्कि पूरे शाहाबाद के लोगों को सहूलियत होगी। इसके लिए हमने लगतार प्रयास किया। उन्होंने जिलेवासियों सहित सभी रेलवे कर्मचारियों को बधाई दिया और कहा कि यह कारवाँ लगतार बढ़ते रहेगी। इस कार्यक्रम में माले केंद्रीय कमिटी सदस्य अभ्युदय, अगिआंव विधायक शिवप्रकाश रंजन, राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी, सुधीर कुमार, निरंजन केशरी, रौशन कुशवाहा, सुमित कुमार, राज नाथ राम, चन्दन कुमार, अमित कुमार बंटी, दीनानाथ सिंह सहित अन्य कई प्रमुख लोग शामिल थे।

सासाराम : डीआरडीए सभागार में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन

- सौ आवेदन प्राप्त में कई मामलों का हुआ निस्तारण

केटी न्यूज/रोहतास

सासाराम (रोहतास) जिला पदाधिकारी रोहतास द्वारा जिला जनता दरबार डीआरडीए रोहतास के सभा कक्ष में आयोजन किया गया। जिसमें जिला बंदोबस्त पदाधिकारी, रोहतास, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी, राजस्व शाखा जिला विकास पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, अनुश्रवण कोषांग-सह-महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र एवं जिला मुख्यालय स्थित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा भाग लिया गया। उक्त जनता दरबार में लगभग कुल 100 व्यक्ति उपस्थित हुये। जिन्हें विषयवार विभागवार यथा राजस्व, विकास एवं अन्य विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं शिकायतों को अलग-अलग पंक्तियों में बैठाकर सभी आवेदकों से जिला स्तरीय सभी उनके पदाधिकारियों के द्वारा एक-एक करके सभी आवेदकों से साक्षात्कार करते हुये फरियादों समस्याओं को सुना गया तथा उनसे प्राप्त आवेदन पत्रों पर त्वरित निष्पादन करने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निदेशों के साथ तत्काल कार्रवाई करने हेतु हस्तगत करा दिया गया। लोक साक्षात्कार के समय ही शिकायत एवं समस्याओं के समीक्षोपरान्त ऐसे आवेदन पत्रों को जिसमें लोक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत सुनवाई के योग्य थे, वैसे आवेदकों के शिकायतों एवं समस्याओं की सुनवाई करते हुये नियमानुसार त्वरित निष्पादन करने का निदेश के साथ संबधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों यथा- सासाराम, बिक्रमगंज एवं डिहरी को जनता दरबार में ही हस्तगत करा दिया गया। सभी प्राप्त आवेदन पत्रों के निष्पादन कराये जाने हेतु ऑन लाईन कराया गया तथा संबंधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों के द्वारा पंजीयन की कार्रवाई भी प्रारम्भ करा दिया गया, ताकि आवेदनकताओं के द्वारा अपने आवेदन पत्रों पर किये गये कार्रवाईयों के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त किया जा सके। इसके अतिरिक्त कुछ आवेदकों के आवेदन पत्रों यथा- आवेदक विनोद कुमार सिंह नल-जल अनुरक्षक गाम करौंदी, पोस्ट- सरॉव, थाना- नटवार के द्वारा नल-जल योजना एवं अतिक्रमण के संबंध में आवेदन प्राप्त किया गया जिसे शीघ्र निष्पादन करने हेतु अचंलाधिकारी, दिनारा को भेज दिया गया। आवेदक शिव बचन सिंह, ग्राम पो० सदोखर थाना चेनारी के द्वारा मापी वाद संख्या 18/2021-2022 में मापी के बावजूद भी दखल कब्जा नहीं होने के संबंध में आवदेन दिया गया जिसे अविलंब निष्पादन हेतु भूमि सुधार उप समाहर्ता सासाराम को निदेशित किया गया। आवेदक कामता प्रसाद सिंह, ग्राम चकिया, पोस्ट- पहलेजा, थाना डिहरी के द्वारा रूके हुए पेंशन को पुनः शुरू करने हेतु आवेदन दिया गया जिसे अविलंब निष्पादन हेतु सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग को भेजा गया। इसी प्रकार आवेदक शिवपूजन साह ,प्रसाद) पिता स्वर्गीय विरोधी साह, ग्राम - करकटपुर, पोस्ट थाना अंचल अकोढ़ीगोला के द्वारा खतियान नकल निकालने हेतु आवेदन दिया गया जिसे जिला अभिलेखागार पदाधिकारी को अग्रसारित किया गया। आवेदक कमलेश तिवारी, पिता स्वर्गीय लाल बिहारी तिवारी, ग्राम- डोरियॉव, थाना शिवसागर के द्वारा नोकरी के क्रम में पिता के मृत्यु के पश्चात आवेदक द्वारा भरण-पोषण करने हेतु आवेदन प्राप्त किया गया, जिसे प्रभारी पदाधिकारी जिला स्थापना शाखा को अग्रसारित किया गया। आवेदक उदय कुमार सिंह, पिता- स्वर्गीय भगवान सिंह, मुहल्ला - प्रतापगंज, पोस्ट थाना सासाराम के द्वारा म्यूनिसिपल खाता नंबर 75, प्लॉट नंबर 336 रकबा 02 डी. जमीन पर जबरन भवन निर्माण करने के संबंध में आवेदन दिया गया जिसे नगर आयुक्त, नगर निगम सासाराम एवं थाना प्रभारी, सासाराम को भेजा गया।

एक नजर

96 असामाजिक तत्वों पर सीसीए-3 के तहत कार्रवाई, अब लगानी होगी थाने में हाजिरी

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा भले ही अभी बाकी हो, लेकिन पुलिस-प्रशासन ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिले में विधि-व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए क्राइम कंट्रोल एक्ट (सीसीए-3) के तहत बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जा रही है। भोजपुर एसपी राज के अनुसार अब तक 96 असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सीसीए-3 का प्रस्ताव दंडाधिकारी को भेजा गया है। इनमें से 27 लोगों पर प्रस्ताव पारित हो चुका है। उन्हें एक थाने से दूसरे थाने में जाकर नियमित रूप से हाजिरी लगानी होगी। वहीं, शेष मामलों में नोटिस जारी करने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों का कहना है कि प्रस्ताव पारित होने के बाद चिह्नित व्यक्तियों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस मानती है कि चुनाव के दौरान शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम बेहद जरूरी है। अक्सर चुनावी मौसम में असामाजिक तत्व सक्रिय होकर गड़बड़ी फैलाने की कोशिश करते हैं, इसलिए प्रशासन पहले से ही सतर्कता बरत रहा है। जानकारी के अनुसार सीसीए सूची में उन्हीं लोगों को शामिल किया गया है जिनका आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने पर यह पाया गया कि वे बार-बार गड़बड़ी फैलाने की घटनाओं में शामिल रहे हैं। चुनाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने गांव और शहर दोनों स्तरों पर सक्रियता बढ़ा दी है।

बस के टक्कर से सब्जी बिक्रेता बुरी तरह जख्मी, प्राथमिकी दर्ज

आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर किया हंगामा

बिक्रमगंज। स्थानीय शहर बिक्रमगंज के आरा रोड़ स्थित पीएनबी बैंक समीप शुक्रवार की दोपहर करीब 12 बजे एक तेज रफ्तार बस में बाइक के पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार का स्तर निवासी राहुल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल राहुल को करुणा अस्पताल में भर्ती कराया चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया। परिजन उन्हें बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल ले गए। घटना के समय राहुल अपने गांव का सबसे सब्जी लेकर बिक्रमगंज सब्जी बाजार जा रहे थे। महुली बस के चालक में उनकी बाइक को टक्कर मार दी। चालक बस को घटना स्थल पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है। हादसे में नाराज लोगों ने घटनास्थल पर जाम कर दिया। थाना अध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि बस चालक के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी, पुलिस जाम को हटवाने का प्रयास कर रही है।

सड़क निर्माण में अनियमितता का ग्रामीणों ने लगाया आरोप

चरपोखरी। प्रखंड के मधुरी में हो रहे पीसीसी सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता और घटिया सामग्री के इस्तेमाल को लेकर ग्रामीणों में रोष है. ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में मनमानी हो रही है और ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है. इसको लेकर ग्रामीणों ने चरपोखरी बीडीओ को एक लिखित आवेदन दिया है. आवेदन में कहा गया है कि सड़क निर्माण में सीमेंट की मात्रा में कमी की जा रही है, जबकि बालू की मात्रा अधिक इस्तेमाल हो रहा है. इसके कारण एक ओर जहां पीसीसी पूर्ण हो रहा है, जहां दरार फटना शुरू है. अगर ऐसा ही घटिया निर्माण हुआ तो बहुत जल्द ही उक्त सड़क दरार में तब्दील हो जायेगी. ग्रामीणों के अनुसार निर्माण के दौरान वाइब्रेटर मशीन का भी उपयोग नहीं किया जा रहा है, जिससे काम की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ रहा है. ग्रामीणों का कहना यदि समय रहते इसकी जांच नहीं की गयी, तो यह सड़क जल्द ही टूटने लगेगी. मधुरी निवासी समाजसेवी रामाकांत पासवान ने कहा कि जब ग्रामीणों ने गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाया, तो उन्हें ठेकेदार और मजदूरों द्वारा धमकाया गया. इसको लेकर ग्रामीण रुदल पासवान,मनीष कुमार, चिंटू पासवान सहित कई अन्य लोगों ने प्रशासन से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

सोन में डूबे अधेड़ व्यक्ति की दूसरे दिन भी तलाश जारी रही

सहार। स्थानीय थाना क्षेत्र के छोटकी खंड़ाव के समीप सोन नदी में डूबे 50 वर्षीय व्यक्ति की खोजबीन के लिए दूसरे दिन एसडीआरएफ टीम के द्वारा भी प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली. बता दें कि गुरुवार की दोपहर को छोटकी खंड़ाव गांव निवासी स्वर्गीय केश्वर राम के 50 वर्षीय पुत्र जयनाथ राम सोन नदी में नहाने गये थे. सोन नदी किनारे जहां जयनाथ राम का कपड़ा और डंडा रखा पाया गया. इसको लेकर गुरुवार के दिन भी एसडीआरएफ की टीम के द्वारा खोजबीन की गयी थी. शुक्रवार को दूसरे दिन भी खोजबीन की गयी, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी. इसकी जानकारी सहार थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि दो दिनों से एसडीआरएफ की टीम की सहायता से खोजबीन की जा रही है, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी है।

पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सहार। चौरी पुलिस ने दुलमचक से एक आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत के लिए जेल भेज दिया. जानकारी के अनुसार दुलमचक निवासी बलीराम रविदास के पुत्र विनय कुमार रविदास उर्फ अलगु रविदास पर पूर्व के मामले में न्यायालय से वारंट जारी किया गया था, जिसमें पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत के लिए जेल भेज दिया, इसकी जानकारी चौरी के प्रभारी थानाध्यक्ष नुमान अली ने दी।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एआई से बनाए गए वीडियो का खूब हो रहा इस्तेमाल

पीएम मोदी और उनकी मां के एआई वीडियो पर बिहार की राजनीति तेज, एनडीए नेताओं ने कांग्रेस को घेरा

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एआई से बनाए गए वीडियो का राजनीतिक दल खूब इस्तेमाल कर रहे हैं. इस बीच बिहार कांग्रेस की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो पर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है. बिहार कांग्रेस के एक्स हैंडल से बीते बुधवार (10 सितंबर, 2025) को एक एआई वाला वीडियो शेयर किया गया था. पोस्ट में लिखा गया था- "साहब के सपनों में आईं मां, देखिए रोचक संवाद." वीडियो पीएम मोदी और उनकी मां को लेकर बनाया गया था. इसमें पीएम मोदी की मां उनसे बात करती दिख रही हैं. वीडियो में नोटबंदी और बिहार के कई मुद्दों पर बात की गई

है. इस पर अब एनडीए के नेताओं ने कांग्रेस को घेरा है. बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बिहार कांग्रेस द्वारा पोस्ट किए गए अक-जनरेटेड वीडियो में कथित तौर पर पीएम मोदी और उनकी दिवंगत मां जैसे दिखने वाले दो किरदारों पर कहा, "बिहार कांग्रेस बिहार की संस्कृति और संस्कार से दूर जा चुका है. ये अराजकता का प्रतीक है. इस तरह की मानसिकता भारतीय संस्कृति और संस्कार में कभी स्वीकार नहीं होगा. इसका जवाब जनता देगी और उन्हें सबक सिखाएगी. केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा, "अक में आपत्तिजनक वीडियो बनाकर अपने माध्यम से प्रचारित कर पीएम मोदी तथा उनकी माता जी को फिर से अपमानित करने का काम किया है. राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने कसम खा लिया है कि हम नहीं सुधरेंगे. देश की जनता ने इन्हें सुधार दिया है बिहार की जनता ने भी इन्हें सुधार दिया लेकिन तभी ये सुधर नहीं रहे हैं. बिहार की जनता 2025 में इनका सूपड़ा साफ करने का काम करेगी."जेडीयू के नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, "जब हार पक्की हो तो राजनीतिक दलों के लिए अपना मानसिक संतुलन बरकरार रखना मुश्किल हो जाता है. इस बार का ट्वीट इनकी हताशा और बौखलाहट को जाहिर करता है. प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माताजी को पहले इनके मंच से गालियां दी गईं और फिर वीडियो के माध्यम से उनका घोर अपमान किया गया है. कांग्रेस के लिए आने वाला समय बहुत मुश्किल होने वाला है।

'कांग्रेस बेशर्मी से बाज नहीं आ रही'

बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा, "यह निंदनीय है. वे बहुत नीचे गिर रहे हैं. देश के लोग कांग्रेस पार्टी को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं. उन्हें इसके पीछे के कारणों पर गौर करना चाहिए." बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा, "कांग्रेस बेशर्मी से बाज नहीं आ रही है. वे ओछे आचरण से भी बाज नहीं आ रहे हैं. एक तरफ, वे पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय ध्वज के साथ उन्हें गाली देते हैं और दूसरी तरफ माफी मांगने के बजाय, वे इसे सही ठहराने के लिए उनका वीडियो जारी करते हैं. वे प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां के साथ-साथ देश की महिलाओं का अपमान कर रहे हैं. पूरा बिहार और देश कांग्रेस के इस ओछे आचरण से आक्रोशित है. कांग्रेस को इसका जवाब मिलेगा।

आधुनिक हथियारों से लैस होगी बिहार पुलिस

एजेंसी/पटना

बिहार पुलिस आने वाले दिनों में आधुनिक हथियारों और स्मार्ट पुलिसिंग के उपकरणों से लैस होने जा रही है। इसके लिए केंद्र प्रायोजित योजना एसिस्टेंस टू स्टेट्स एंड यूटी फॉर मॉडर्नाइजेशन ऑफ पुलिस (एएसयूएमपी) के तहत राज्य को फंड मिलेगा, जिसमें 60 फीसदी राशि केंद्र और 40 फीसदी राज्य अपने स्तर से खर्च करेगी। यह जानकारी एडीजी (आधुनिकीकरण) सुधांशु कुमार ने पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि इस राशि में आवश्यक प्रौद्योगिकी (तकनीक), वाहन, संचार उपकरण एवं अन्य आवश्यक उपकरणों से पुलिस बल को सुसज्जित करने के साथ ही आधुनिक सुविधा युक्त बनाने की कवायद शुरू की गई है। हथियार के अतिरिक्त पुलिस को स्मार्ट बनाने के लिए कई आधुनिक उपकरणों या तकनीक की खरीद चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही करने की तैयारी है। इसके लिए करीब 66 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसका उपयोग गृह विभाग से मंजूरी के बाद किया जाएगा। एडीजी श्री सुधांशु ने बताया कि राज्य योजना के अंतर्गत पुलिस के विभिन्न प्रभागों को सुदृढ़ करने के लिए अलग-अलग राशि मंजूर की गई है। राज्य के 1212 थानों में अभी सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए हैं। जबकि 176 नए थानों में इन्हें लगाने की कवायद शुरू कर दी गई है, जिसके लिए 280 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन्हें लगाने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाएगी।

सहरसा में एनडीए सम्मेलन में बवाल

सफाई कर्मियों ने मंत्री श्रवण कुमार को खदेड़ा, गाड़ी का किया घेराव

एजेंसी/सहरसा

इस वक्त की बड़ी खबर सहरसा से आ रही है, जहां मंत्री श्रवण कुमार का सफाई कर्मियों ने घेराव कर दिया। इस दौरान मंत्री को सफाई कर्मियों के विरोध का सामना करना पड़ गया। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। सफाई कर्मियों के विरोध के बाद मंत्री श्रवण कुमार को मौके से भागना पड़ गया। दरअसल मंत्री श्रवण कुमार सहरसा में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। सिमरी बख्तियारपुर विधानसभा क्षेत्र के हाई स्कूल मैदान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार को देखते ही ग्राम पंचायत के सफाईकर्मियों ने घेराव कर दिया। एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचने के दौरान ही मंत्री को सफाई कर्मियों का विरोध का सामना करना पड़ा। बताया जाता है कि वेतन और प्रमोशन की मांग को लेकर ग्राम

पंचायत के सफाई कर्मचारी एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन के मंच पर चढ़ गये। विरोध प्रदर्शन करने लगे और मंत्री श्रवण कुमार का घेराव किया। सफाई कर्मियों के विरोध को देखते हुए सुरक्षा कर्मियों ने ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार को वहां से निकाला। लेकिन मंत्री के पीछे-पीछे सफाई कर्मी भी पहुंच गये और गाड़ी का घेराव कर दिया। यहां तक कि एक सफाई कर्मी मंत्री की गाडी के आगे ही लेट गया लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह उसे वहां से हटाया। इस दौरान सुरक्षाकर्मी मंत्री की गाड़ी के साथ चल रहे थे। किसी तरह मंत्री को वहां से निकाला गया। सफाई कर्मियों ने इस दौरान मंत्री श्रवण कुमार को खदेड़ कर एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन से भगाया। बता दें कि इससे पहले 27 अगस्त को नालंदा में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ प्रेम मुखिया पर ग्रामीणों ने हमला किया था। लाठी-डंडे लेकर दोनों को खदेड़ दिया था। दोनों नेता जान बचाने के लिए वहां से किसी तरह भागे। इस दौरान दोनों को 3 गाड़ियां बदलनी पड़ गयी। दरअसल 23 अगस्त को पटना के फतुहा में हिलसा के 9 लोगों की मौत सड़क हादसे में हो गयी थी। हिलसा के विधायक कृष्ण मुरारी और ग्रामीण विकास मंत्री पीड़ित परिवार से मिलने के लिए मलामा गांव पहुंचे थे। मुलाकात के तुरंत बाद बाद दोनों नेता वहां से लौटने लगे तभी ग्रामीणों ने कुछ देर और रूकने को कहने लगे लेकिन मंत्री श्रवण कुमार कहने लगे कि सभी पीड़ित परिवारों से मुलाकात हो गयी है, अब उन्हें अगले कार्यक्रम में भी जाना है। इतना सुनते ही ग्रामीणों आक्रोशित हो गये। आक्रोशित भीड़ लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गये नेताओं को घेर लिया।

बिहार के सियासी समर में उतरे शंकराचार्य, 225 सीटों पर उतारेंगे प्रत्याशी, आज से शुरू करेंगे यात्रा

एजेंसी/पटना

बिहार चुनाव में एक ओर भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस नीत क्ठउक्र्अ अलायंस मैदान में है. अब इस सियासी समर में ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी उतर रहे हैं. उन्होंने 225 सीटों पर प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर दिया है. इसी क्रम में वह 12 सितंबर 2025, शुक्रवार से बिहार में 45 दिनों की गौ रक्षा संकल्प यात्रा शुरू कर रहे हैं. इससे पहले शंकराचार्य ने कहा कि -हम चाहते की बिहार के 225 सीटों पर हमारे प्रत्याशी उतरे क्योंकि सबका

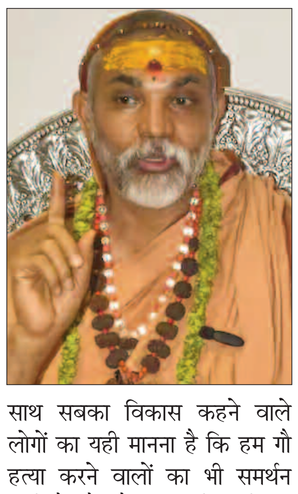

साथ सबका विकास कहने वाले लोगों का यही मानना है कि हम गौ हत्या करने वालों का भी समर्थन करते हैं और गौ पूजा करने वालों का भी. हम दोहरा चरित्र की स्पष्टता करना चाहते हैं. शंकराचार्य ने कहा कि एक गाना था कि हम उस देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है. लेकिन हम उस देश के वासी हैं जिस देश में गाय कटती है. यह हमारे लिए शर्मिंदगी लज्जा का विषय हैं.हम बिहार में सभी राजनीतिक दलों के पास गए लेकिन किसी ने भी गौ रक्षा की बात नहीं कही. उन्होंने कहा कि हम बिहार के संकल्प यात्रा के माध्यम से यह स्पष्ट करना चाहेंगे कि कौन गौ रक्षा के समर्थन में है कौन गौ हत्यारा का समर्थन करता है. और यह भारत में बहुत बड़ा परिवर्तन लाएगा. वर्तमान समय में स्वर्णिम युग के विपरीत सबसे निम्न शब्द इस्तेमाल वाला समय चल रहा है.

बिहार में बाघ का कहर: 65 साल की बुजुर्ग महिला को जिंदा चबा गया बाघ

पश्चिम चंपारण। मवेशी चलाते समय एक 65 साल की बुजुर्ग महिला को बाघ जिंदा चबा गया। एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। परिजनों को सिर्फ पैर का हिस्सा मिल पाया है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। लोग बाघ के कहर से काफी डरे और सहमे हुए है। वो वन विभाग से बाघ को पकडने की मांग कर रहे हैं। घटना पश्चिम चंपारण जिले के गौनाहा प्रखंड के मटियारिया थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव की है। जहां वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (श्ळफ) के गोबर्धना जंगल से निकले बाघ ने 65 वषीर्या वृद्ध महिला उमछी देवी पर हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। मृतका की पहचान खेलावन महतो की पत्नी उमछी देवी के रूप में हुई है जो गुरुवार की शाम करीब 4:30 बजे मवेशी चरा रही थीं। तभी अचानक जंगल से निकले बाघ ने उन पर हमला कर दिया। बाघ ने उन्हें करीब 200 मीटर तक घसीटा और बुरी तरह क्षत-विक्षत कर डाला। ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ तो भाग गया, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

गोपालगंज शराब तस्करों और पुलिस के बीच मुठभेड़, एक बदमाश के पैर में लगी गोली

एजेंसी। गोपालगंज

गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के भठवां मोड़ स्थित सिसवा जलालपुर रोड में गुरुवार की देर रात शराब तस्करों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर तस्करों ने हमला कर दिया। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की, जिसमें एक तस्कर को गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, दो अन्य तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब पुलिस को शराब तस्करों के सक्रिय होने की गुप्त सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर जब पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची, तो तस्करों ने उन पर अचानक हमला कर दिया और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

अपनी जान की सुरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। गोलीबारी के बाद अफरातफरी मच गई। अपराधी ने पुलिस पर फायरिंग की। इसके बाद पुलिस ने फिर से जवाबी फायरिंग की। इस दौरान सिवान जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र के शिवराजपुर गांव के रहने वाले तस्कर सद्दाम हुसैन के पैर में गोली लग गई और उसे पकड़ लिया गया। मौके से पुलिस ने एक स्कॉर्पियो गाड़ी, 71 कार्टन शराब, एक देसी कट्टा, एक कारतूस और एक खोखा बरामद किया है।

बिहार में बकरी के लिए चली गोली, युवक की मौत

सहरसा। सहरसा में बकरी के लिए गोली चल गई। दो सौतेली मां के बीच बकरी के लिए लड़ाई हो गया। इस दौरान सौतेले भाई ने दूसरे भाई पर गोली दाग दी। आनन-फानन में घायल को अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी। घटना सहरसा के सिलिंदाबाद वार्ड 6/43 की है, जहां जुमे की नमाज अदा करने के बाद हुए पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सौतेली मां से पुराने झगड़े के चलते सौतेले भाइयों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि गोली चल गई। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद शमशेर जुम्मे की नमाज अदा कर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में उनका सामना सौतेले भाई असलम से हुआ। बताया जाता है कि करीब छह महीने पहले बकरी को लेकर शमशेर और उनकी सौतेली मां के बीच मनमुटाव हुआ था। उसी रंजिश में असलम और उसके भाई राजा ने शमशेर पर हमला किया। राजा ने फोन पर असलम को आदेश दिया मां नहीं मिली तो शमशेर को ही मार दो।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

6 जिलों में भारी वर्षा, औरंगाबाद-गयाजी में येलो अलर्ट जारी

एजेंसी। नटना

मौसम विभाग की ओर से आज (शुक्रवार) बिहार के छह जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है. किशनगंज और सीतामढ़ी में ज्यादा भारी बारिश तो पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, अररिया और शिवहर में भारी वर्षा के आसार हैं. इन कुल आठ जिलों में मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की भी संभावना जताई गई है. 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा के चलने का पूर्वानुमान है. मौसम विज्ञान केंद्र पटना की ओर से आज (शुक्रवार) सुबह के तीन घंटे (6 बजकर 59 मिनट से लेकर 9 बजकर 59 तक) तक के लिए औरंगाबाद और गयाजी के लिए

येलो अलर्ट जारी किया गया है. दूसरी ओर उक्त आठ जिलों को छोड़कर गोपालगंज, सीवान, सारण, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा और सुपौल में भी अधिक वर्षा की संभावना बन रही है. वहीं पटना, भोजपुर, गयाजी, जहानाबाद, नालंदा, औरंगाबाद, खगड़िया और भागलपुर में हल्की या मध्यम वर्षा का पूर्वानुमान है. अभी बिहार में मॉनसून 16 सितंबर तक सक्रिय रहने वाला है. 17 सितंबर से थोड़ा कमजोर होने लगेगा. बीते गुरुवार (11 सितंबर, 2025) को जारी रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक पूर्वी चंपारण के चनपटिया में 156.8 मिलीमीटर बारिश हुई है. वहीं गोपालगंज में 104.2 मिलीमीटर, शिवहर में 82.2 और पश्चिम चंपारण में 80 मिलीमीटर वर्षा हुई है. इसके अलावा सुपौल में 57 मिलीमीटर, सीवान में 54.6, अररिया में 54.5, सारण में 54.2, दरभंगा में 53.5, मुजफ्फरपुर में 52.8, समस्तीपुर में 52, बेगूसराय में 49.4 और भोजपुर में 48.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है. पटना, औरंगाबाद, रोहतास, गयाजी, जमुई, बांका, भागलपुर, मधेपुरा, नालंदा और लखीसराय में भी बारिश रिकॉर्ड हुआ है।

सुभाषितम्

जो बात आप आमने सामने नहीं कर पाते, वह पत्र द्वारा आसानी से सभ्य शब्दों में कही जा सकती है। - अज्ञात

चीन से सबक ले भारत

1980 के दशक में जब चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को लिबरलाइजेशन, प्राइवेटाइजेशन और ग्लोबलाइजेशन की दिशा में आगे बढ़ाया। वहीं भारत सामाजिक सुधार और धार्मिक उन्माद की राजनीतिक गुटबाजी में उलझ गया। उस समय भारत और चीन दोनों एक ही आर्थिक व्यवस्था में समान रूप से खड़े थे। चीन ने साहसिक फैसले लेते हुए अपने उद्योगीकरण को कम्युनिस्ट देश होने के बाद भी पूरी गति से आगे बढ़ाया। वहीं भारत मंडल आयोग की सिफारिश पर जाति आधारित आरक्षण तथा कमंडल के माध्यम से धार्मिक और सामाजिक आंदोलनों में व्यस्त था। चीन ने तत्कालीन राष्ट्रपति माओ की नीतियों को खूंटी में टांगकर आधुनिक उदारीकरण की राह अपनाई। चीन ने अपनी पुरानी नीतियों को सरल बनाया। प्राइवेट कंपनियों को बढ़ावा दिया। सरकारी हस्तक्षेप को समाप्त किया। विदेशी कंपनियों के निवेश के लिए नई आकर्षक नीतियां बनाई। उदाहरण स्वरूप, अमेरिका की टेस्ला कंपनी को चीन में कारखाना लगाने में 3 साल का समय लगने का अनुमान था। चीन ने मात्र 18 महीनों में पूरा कारखाना खड़ा करके विश्व को चौंका दिया था। चीन ने अधिकारियों को जवाबदेह बनाया, पर्यावरण नियमों को लचीला बनाकर उत्पादन और विदेशी निवेश को प्रोत्साहित किया। चीन की सरकार और वहां के अधिकारियों ने समयबद्ध तरीके से काम करने को अनिवार्य बनाते हुए, जिम्मेदारी हस्तांतरण और उसके अधिकारियों ने ली। जिसके कारण चीन में बड़ी तेजी के साथ दुनिया भर के उद्योगपति और कारोबारी चीन पहुंचने लगे। देखते ही देखते चीन का औद्योगिक विकास और चीनी उत्पाद का कारोबार सारी दुनिया में फैलने लगा। वहीं भारत में लाइसेंस पाने के लिए महीनों नहीं सालो लगते थे। सरकार ने जो नियम कानून बनाए। उसको नेताओं, अधिकारियों ने सत्ता और भ्रष्टाचार के लिए नियम कानून इस तरीके से तैयार किये, कि उसमें भ्रष्टाचार बढ़ता चला गया। हम औद्योगिक विकास और सामाजिक विकास में लगातार पिछड़ते चले गए। आज भारत की संवैधानिक संस्था जिसमें न्यायपालिका हो या विधायिका या कार्यपालिका सभी में लापरवाही व भ्रष्टाचार के कारण आर्थिक और सामाजिक विकास में रोड़ा बने हुए हैं। वैश्विक व्यापार संधि के बाद जब भारत आर्थिक एवं सामाजिक सुधार के दौर पर जब सारी दुनिया में आगे बढ़ सकता था। उस समय हम पर जाति व्यवस्था धार्मिक ध्रुवीकरण और धार्मिक उन्माद को लेकर आपस में लड़ते रहे। देश को जब आर्थिक और सामाजिक विकास की दिशा में आगे बढ़ाना जरूरी था। दुर्भाग्यवश, राजनीति की दलबंदी ने विकास की गति को धीमा कर दिया। सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास की दौड़ में हम पीछे छूटते चले गए। उस समय जो लोग विरोध में थे, वह उदारीकरण का विरोध कर रहे थे। जब वही लोग सत्ता में आए, तो उन्होंने 100 फीसदी एफडीआई के लिए रास्ता खोल दिया। चीन ने पूरी दुनिया के लिए 30 वर्षों में बेजोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया। चाहे वह हाई-स्पीड मैग्लेव ट्रेन हो, या हर साल नए पुल व सड़कें बनाने का काम हो। भारत ने औद्योगीकरण की बजाय गरीबी उन्मूलन को केंद्र बिन्दु बनाया। सही मायने में भारत गरीबी का निवारण नहीं कर पाया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए, असल में उनकी आर्थिक स्थिति में बदलाव नहीं आया। चीन ने आर्थिक सुधारों से व्यापक औद्योगिक क्रांति की शुरूआत की और हर क्षेत्र में तेजी से विकास किया। आज दुनिया के अधिकांश देशों के घरों में चाइनीज सामान पहुंच रहा है। बुलेट ट्रेन की बात दूर यहाँ मैग्लेव ट्रेन चल रही है। भारतीय इंजीनियर मेहनती हैं, पर सिस्टम ने उन्हें पीछे धकेल दिया। उन्हें काम करने का मौका ही नहीं दिया। इसलिए अब समय आ गया है, हम चीन से सबक लें। आसान लाइसेंसिंग नीति अपनाएं, विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करें, सामाजिक मुद्दों के साथ-साथ औद्योगिक विकास पर भी ध्यान दें।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है। हमारे ज्ञान की क्षमता भी ऐसी है कि हम अनंतधर्मा द्रव्य को नहीं जान सकते। हम अनंत-धर्मात्मक द्रव्य के एक धर्म को जानते हैं और एक ही धर्म का प्रतिपादन करते हैं। एक धर्म को जानना और एक धर्म को कहना नय है। यह अनेकांत और स्याद्वाद का मौलिक स्वरूप है। उनका दूसरा स्वरूप है प्रमाण। अनंत-धर्मात्मक द्रव्य को जानना और उसका प्रतिपादन करना प्रमाण है। हम अनंतधर्मा द्रव्य को किसी एक धर्म के माध्यम से जानते हैं। इसमें मुख्य और गौण दो दृष्टिकोण होते हैं। द्रव्य के अनंत धर्मों में से कोई एक धर्म मुख्य हो जाता है और शेष धर्म गौण। नय हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिसमें हम केवल धर्म को जानते हैं, धर्मो को नहीं जानते। प्रमाण हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिससे हम एक धर्म के माध्यम से समग्र धर्मों को जानते हैं।

नोबेल पुरस्कार विजेता आइरीन जोलियट-क्यूरी

- संजय गोस्वामी

रेडियोकेमिस्ट आइरीन जूलियो-क्यूरी एक रेडियोलॉजिस्ट, राजनीतिज्ञ और दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, मैरी और पियरे क्यूरी की पुत्री थीं। अपने पति, फ्रेडरिक के साथ, उन्होंने दुनिया के पहले कृत्रिम रूप से निर्मित रेडियोधर्मी परमाणु की खोज की, जिसने कई चिकित्सा प्रगति, विशेष रूप से कैंसर के उपचार में, का मार्ग प्रशस्त किया। उनके माता-पिता को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। आइरीन जोलियट-क्यूरी (12 सितंबर 1897 - 17 मार्च 1956) एक फ्रांसीसी रसायनज्ञ और भौतिक विज्ञानी थीं। 12 सितंबर 1897 को पेरिस में जन्मीं इरेन, पियरे और मैरी क्यूरी की बेटी थीं और उन्होंने 1926 में फ्रेडरिक जोलियट से विवाह किया था। पेरिस में विज्ञान संकाय में अपनी पढ़ाई शुरू करने के बाद, उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एक नर्स रेडियोग्राफर के रूप में काम किया। 1925 में, उन्होंने पोलोनियम की अल्फा किरणों पर एक थीसिस के साथ विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने प्राकृतिक और कृत्रिम रेडियोधर्मिता, तत्व रूपांतरण और नाभिकीय भौतिकी पर–या तो अकेले या अपने पति के साथ–महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके संयुक्त शोधपत्र, जिसका शीर्षक था रेडियोधर्मी तत्वों का कृत्रिम उत्पादन। तत्वों के रूपांतरण की रासायनिक परीक्षा (1934), ने उनके अग्रणी शोध का सारांश प्रस्तुत किया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला। जोलियट-क्यूरी ने अपनी वैज्ञानिक पढ़ाई जारी रखी और 1927 में विज्ञान में डिग्री हासिल की। 1928 से उन्होंने अपने वैज्ञानिक प्रकाशनों पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। अपने शोध के दौरान, उन्होंने बोरॉन, एल्युमिनियम और मैग्नीशियम पर अल्फा कणों की बौछार की, जिसके परिणामस्वरूप नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और एल्युमिनियम जैसे तत्वों के रेडियोधर्मी समस्थानिकों का निर्माण हुआ, जो सामान्यतः रेडियोधर्मी नहीं होते। इन खोजों ने प्रदर्शित किया कि कृत्रिम रूप से उत्पादित रेडियोधर्मी समस्थानिकों का उपयोग रासायनिक परिवर्तनों और शारीरिक प्रक्रियाओं का पता लगाने के लिए किया जा सकता है, जिससे सफल अनुप्रयोग संभव हो सके। उदाहरण के लिए, थायरॉयड ग्रंथि द्वारा रेडियोआयोडीन के अवशोषण की खोज की गई, और जीवों के चयापचय में रेडियोफॉस्फोरस (फॉस्फेट के रूप में) की पहचान की गई। इन अस्थिर परमाणु नाभिकों के निर्माण ने परमाणुओं के भीतर परिवर्तनों के अवलोकन की एक नई विधि प्रदान की। जोलियट-क्यूरी ने अपने अध्ययनों में न्यूट्रॉन और पॉज़िट्रॉन के उत्पादन का भी अवलोकन किया; कृत्रिम रेडियोधर्मी समस्थानिकों की उनकी खोज ने परमाणु ऊर्जा के दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम चिह्नित किया। एनरिको फर्मी की विधि, जिसमें यूरेनियम विखंडन को प्रेरित करने के लिए अल्फा कणों के बजाय न्यूट्रॉन का उपयोग किया गया था, रेडियोधर्मी तत्वों को कृत्रिम रूप से बनाने के लिए जोलियट-क्यूरी द्वारा विकसित तकनीक का विस्तार थी। चूँकि वे अक्सर रेडियोधर्मी तत्वों को अलग करने के लिए लंबे समय तक काम करते थे, इसलिए वे अक्सर घर से अनुपस्थित रहते थे। परिणामस्वरूप, नन्ही आइरीन जूलियो-क्यूरी का पालन-पोषण उनके दादा यूजीन ने किया, जो एक सेवानिवृत्त चिकित्सक थे और जिन्होंने उनमें प्रकृति, कविता और क्रांतिकारी राजनीति के प्रति प्रेम का संचार किया। उनकी शिक्षा कुछ हद तक अपरंपरागत थीः एक छोटी लड़की के रूप में, उन्होंने अपनी माँ द्वारा संचालित एक सहकारी स्कूल में भाग लिया, जहाँ छह प्रोफेसर अपने बच्चों को भौतिकी और गणित से लेकर जर्मन और कला तक के विषय पढ़ाते थे। क्यूरी परिवार ने 1903 में प्रसिद्धि प्राप्त की, लेकिन उनका उत्थान जल्द ही त्रासदी में डूब गया। 1906 में, जब आइरीन आठ साल की थीं, पियरे क्यूरी की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इसके बाद मैरी क्यूरी ने अपनी बेटियों के साथ ज्यादा समय बिताया–आइरीन की बहन ईव का जन्म पियरे की मृत्यु से 16 महीने पहले हुआ था–और समय के साथ, आइरीन अपनी माँ की विश्वासपात्र और समर्थक बन गईं। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, जूलियो-क्यूरी ने प्रत्यक्ष रूप से देखा कि विज्ञान कैसे जीवन बचा सकता है। उन्होंने तुरंत अपनी माँ की सहायता करना शुरू कर दिया, जिनका मिशन घायल सैनिकों के शरीर में एक्स-रे का उपयोग करके छर्रे ढूँढ़ने में फील्ड सर्जनों की मदद करना था। 18 साल की उम्र में, जूलियो-क्यूरी ने मोबाइल फील्ड अस्पतालों में रेडियोलॉजी इकाइयों का प्रबंधन किया, नर्सों को एक्स-रे मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया और बेल्जियम में खुद भी एक एक्स-रे मशीन चलाई।1935 में, फ्रेडरिक और इरीन जोलियट-क्यूरी को नए रेडियोधर्मी समस्थानिकों के संश्लेषण के लिए रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार दिया गया। इसके बाद जोलियट-क्यूरी परिवार पार्क डी स्को के किनारे स्थित एक घर में रहने चला गया। वे केवल ब्रिटनी के पोएंटे डे लार्केट स्थित अपने घर जाते थे, जहाँ मैरी क्यूरी के समय से ही विश्वविद्यालय के परिवार एकत्रित होते रहे थे। 1950 के दशक में, इरीन के फेफड़ों के स्वास्थ्य के लिए, वे कोर्टशेवेल की पहाड़ियों में चले गए। 1937 में कॉलेज डी फ्रांस में प्रोफेसर नियुक्त हुए फ्रेडरिक ने अपने काम का एक हिस्सा विकिरण के नए स्रोतों को विकसित करने में समर्पित किया। उन्होंने आर्कुइल-काचन और इवरी में इलेक्ट्रोस्टैटिक एक्सेलरेटर के निर्माण की देखरेख की, साथ ही कॉलेज डी फ्रांस में सात मिलियन इलेक्ट्रॉन-वोल्ट साइक्लोट्रॉन के निर्माण की भी देखरेख की–सोवियत संघ के बाद यूरोप में अपनी तरह का यह दूसरा साइक्लोट्रॉन था। इरेन ने अपना ज्यादातर समय अपने बच्चों, हेलेन और पियरे, की परवरिश में लगाया। हालाँकि, वह और फ्रेडरिक अपनी सामाजिक और मानवीय ज़िम्मेदारियों को लेकर भी ऊँचे आदर्श रखते थे। वे 1934 में सोशलिस्ट पार्टी में शामिल हुए और 1935 में कोमिटे डे विजिलेंस डेस इंटेलेक्चुअल्स एंटीफासिस्टेस (फासीवाद विरोधी बुद्धिजीवियों की सतर्कता समिति) में शामिल हो गए। उन्होंने 1936 में स्पेन में रिपब्लिकन कारण का समर्थन किया। इरेने 1936 की पॉपुलर फ्रंट सरकार में तीन महिलाओं में से एक थीं। वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए राज्य के उप सचिव के रूप में, उन्होंने जीन पेरिन के साथ मिलकर उस संस्था की स्थापना में मदद की जिसे बाद में राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (सेंटर नेशनल डे ला रीचेर्चे साइंटिफिक) बना। पियरे और मैरी क्यूरी ने उनके सभी कार्यों को प्रकाशित करने का वचन दिया था। जोलियट-क्यूरी ने कृत्रिम रेडियोधर्मी समस्थानिकों की खोज के लिए भी इस पद्धति का उपयोग किया। हालांकि, नाजीवाद के उदय और श्रृंखला प्रतिक्रियाओं से जुड़े खतरों के बारे में चिंताओं के कारण उन्होंने प्रकाशन बंद कर दिया उन्होंने चार्लोट स्कूल ऑफ इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रिसिटी एंड लर्निंग लेबोरेटरी टेक्निक्स में अपने अध्यापन का खर्च अपने खर्च पर उठाया। उन्हें और उनके पति, फ्रेडरिक जोलियट-क्यूरी को कृत्रिम रेडियोधर्मिता की खोज के लिए 1935 में रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार दिया गया था। वे अपने माता-पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले दूसरे विवाहित जोड़े थे, इस प्रकार क्यूरी परिवार की पाँच नोबेल पुरस्कार विजेताओं की परंपरा जारी रही। 1934 में, जोलियट-क्यूरी दंपत्ति ने एक अभूतपूर्व खोज की जिसने वैज्ञानिक इतिहास में उनका स्थान सुनिश्चित कर दिया। मैरी और पियरे क्यूरी द्वारा पृथक किए गए प्राकृतिक रेडियोधर्मी तत्वों के आधार पर, उन्होंने एक तत्व को दूसरे में रूपांतरित करने के कीमियागर के स्वप्न को साकार कियाः उन्होंने बोरॉन से रेडियोधर्मी नाइट्रोजन, एल्युमिनियम से फॉस्फोरस के रेडियोधर्मी समस्थानिक और मैग्नीशियम से सिलिकॉन का उत्पादन किया।

नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ आक्रोश

- किशन सनमुखदास भावनानी

नेपाल में पिछले कुछ दिनों में घटित राजनीतिक घटनाक्रम ने पूरे दक्षिण एशिया को हिला दियाहै।भ्रष्टाचार और परिवारवाद से त्रस्त जनता, खासकर युवाओं के जबरदस्त आक्रोश ने मात्र 36 घंटे में सत्ता की गद्दी हिला दी। पाँच पूर्व प्रधानमंत्रियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों ने स्थिति को और अधिक उग्र बना दिया। सत्ता पलट की इस तेजी ने यह संकेत दिया है कि नेपाल की जनता अब किसी भी कीमत पर अपारदर्शी शासन स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। जिस प्रकार आम लोग और युवा सड़कों पर उतरे, उसने यह साफ कर दिया कि दक्षिण एशिया में लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है जब वह जनता के विश्वास पर आधारित हो नेपाल की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत यानी 62 लाख लोग युवा हैं, और यही वर्ग देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाला है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वैश्विक स्तर पर भी यह बात स्पष्ट है कि, किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के हाथों में होता है। नेपाल के युवाओं ने इस बार भ्रष्टाचार और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ अपनी ताकत दिखाकर पूरे विश्व को एक सशक्त संदेश दिया है कि अब युवा पीढ़ी नेपो बेबीस यानी नेताओं के बच्चों और वंशवाद की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। युवाओं की इस ऊर्जा ने नेपाल की राजनीति को हिला कर रख दिया है और यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जनरेशन-जेड (गेन जेड) अब नेपाल का नया इतिहास लिखने जा रही है?

साथियों बात अगर हम नेपाल में हालात इस कदर हद तक बिगड़ बिगड़ने की करें तो, तीनों बड़ी पार्टियों,नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी और माओवादी सेंटर,के नेताओं के घरों मेंघुसकर लोगों ने मारपीट की, घरों को आग के हवाले कर दिया और वित्तमंत्री को सड़कों पर घसीटा गया। एक पूर्व प्रधानमंत्री के घर में आगजनी के दौरान उनकी पत्नी की मौत हुई तो उधर जनाक्रोश को और अधिक भड़का दिया। यह दृश्य केवल राजनीतिक विद्रोह का नहीं बल्कि व्यवस्था के खिलाफ पूर्ण असंतोष का प्रतीक है। युवाओं का यह क्रोध इस बात का संकेत है कि अब पारंपरिक राजनीति को बदलने का समय आ चुका है। साथियों बात अगर हम नेपाल की स्थिति की तुलना श्रीलंका और बांग्लादेश से करने की करें तो,जहाँ हाल के वर्षों में आर्थिक संकट और राजनीतिकअस्थिरता ने जनता को सड़कों पर ला दिया था। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन तक जनता का कब्जा, बांग्लादेश में चुनावी धांधली के खिलाफ आंदोलन और म्यांमार में सैन्य तख्तापलट ने दक्षिण एशिया की राजनीति को लगातार अस्थिर बना रखा है। अब नेपाल भी उसी राह पर चलते हुए सत्ता पलट की कगार पर पहुंच गया है। इसका सीधा संकेत है कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद से जूझ रहे समाजों में युवा अब चुप बिल्कुल नहीं बैठेंगे। साथियों बात अगर हम नेपाल के इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने की करें तो, नेपाल की लगभग 87 प्रतिशत आबादी मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करती है, जबकि 62 प्रतिशत लोग सक्रिय रूप से फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। ट्विटर और यूट्यूब पर भी युवा लगातार अपने विचार साझा कर रहे हैं। नेताओं के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया पर अपने आलीशान जीवन और लग्जरी छुट्टियों की तस्वीरें पोस्ट करना आग में घी का काम साबित हुआ। जब देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जूझ रही हो और नेता तथा उनके परिवार ऐशो-आराम की तस्वीरें साझा करें, तो यह जनता के लिए असहनीय हो जाता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया ने जनाक्रोश को संगठित आंदोलन में बदल दिया। साथियों बात अगर हम भारत के पड़ोस में यहराजनीतिक उथल- पुथल चिंता का विषय होने की करें तो,नेपाल बांग्लादेश,श्रीलंका म्यांमार और पाकिस्तान सभी वर्तमान में या तो राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहे हैं या सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया में हैं। म्यांमार में सेना का शासन है, पाकिस्तान में सरकार और सेना के बीच टकराव है, श्रीलंका अब भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और बांग्लादेश में युवाओं के विद्रोह ने लोकतंत्र को झकझोर दिया है।इन सबके बीच नेपाल का यह आंदोलन दक्षिण एशिया में एक नई लहर पैदा कर सकता है।इतिहास की दृष्टि से देखें तो श्रीलंका,पाकिस्तान और म्यांमार कभी अखंड भारत का हिस्सा रहे थे। आज वे दक्षिण एशिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और सभी देशों में एक जैसी राजनीतिक चुनौतियाँ दिखाई दे रही हैं, भ्रष्टाचार बेरोजगारी, परिवारवाद, लोकतांत्रिक संस्थाओं की कमजोरी और युवा असंतोष। यही वजह है कि नेपाल की घटनाएँ केवल एक देश की समस्या नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति के लिए चेतावनी हैं।

साथियों बात अगर हम नेपाल के घटनाक्रम नेपाल में सत्ता पलट का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक होने की करें तो,भारत और नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंध हैं। दोनों देशों की खुली सीमा, व्यापार, पानी और ऊर्जा परियोजनाएँ भारत को नेपाल के साथ मजबूती से जोड़ती हैं।यदि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है तो इसका असर भारत की सुरक्षा, सीमावर्ती क्षेत्रों की शांति और आर्थिक हितों पर अवश्य पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान जैसे देश नेपाल में बढ़ती अस्थिरता का फायदा उठाकर भारत विरोधी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसलिए भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह नेपाल की स्थिरता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन दे। साथियों बात अगर हम युवाओं के जागरूकता की करें तो नेपाल का यह विद्रोह यह भी दशार्ता है कि दक्षिण एशिया के युवाओं में अब जागरूकता का स्तर काफी बढ़ चुका है। वे केवल भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। नेपो बेबीस और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ उठी यह आवाज अब केवल नेपाल तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान और यहाँ तक कि भारत में भी राजनीतिक वंशवाद के खिलाफ नई बहस को जन्म देगी।

सब कुछ लुटाकर होश में आए तो क्या हुआ

- नरेन्द्र भारती

सदियों पुरानी कहावत है कि सब कुछ लुटाकर होश में आये तो क्या हुआ। चंद गलतियों के कारण सब कुछ लुट चुका है। वर्तमान परिपेक्ष्य में यह कहावत सटीक बैठती है।16 जून 2025 से हिमाचल में बरसात का कहर मचा हुआ है। यह बरसात निर्बाध रुप से हो रही है। जुलाई,अगस्त दो महीने लगातार बरसात होती रही अब सितंबर माह में भी यह बरसात निरंतर जारी है अब पता नहीं कब तक यह सिलसिला जारी रहेगा यह भविष्य के गर्भ में है। बरसात के कहर ने जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है।हजारों लोग मौत के मुहं में समा चुके हैं।बरसात के रौद्र रुप से हर तरफ तबाही का मंजर हुआ है। आज मानव अपनी करनी पर पछतावा कर रहा है लेकिन अब कोई चारा नजर नहीं आ रहा है। लाचार व बेसहारा हो चुका मानव अब आंसू बहा रहा है।मानव अपनी गलतियों का नतीजा भुगत रहा है। काश पूर्व में यह गलतियां न की होती तो आज यह दुर्गति ना होती मगर माया में अंधा हो चुका इनसान बेहोश हो चुका था तब तक होश आया सब कुछ तबाह हो गया अब अपने किए कर्मों का फल प्राप्त कर रहा है। किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर बरप रहा है। प्रतिवर्ष प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती रहती है तो कभी बाढ का रौद्र रुप जिंदगियां लीलता है।कहते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं।देश के हर राज्य में बरसात का कहर बरप रहा है। प्रतिवर्ष लाखों लोग आपदा का दंश झेल रहे हैं। हादसों में लोग अपंग हो रहे हैं बच्चे अनाथ होते जा रहे है।प्रकृति से छेड़छाड़ बंद करनी होगी तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है। अगर अब भी प्रकृति से खिलवाड़ बंद नहीं किया तो मानव को ऐसी सजाएं मिलती रहेगी। आपदाओं से सबक सीखना चाहिए ताकि आने वाले भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है लेकिन ऐसी त्रासदियां रुकती नहीं हैं। प्रकृति के इस विनाशकारी विभीषिका से बहुत मानवीय तबाही हो रही हैं।परिवार के परिवार उजड़ गए हैं। देश के हर गांव व शहर में बरसात का कहर बरपता जा रहा है।प्रकृति ने मानव को समय समय पर आगाह किया लेकिन आधुनिक मानव मनमानी कर रहा है ओर असमय ही काल के गाल में समाता जा रहा है। मानव को इन त्रासदियों को अनदेखा नहीं करना चाहिए।सर्तकता बरतनी चाहिए कुदरत से छेड़छाड़ पूर्ण रुप से बंद करनी होगी तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है। समय अभी संभलने का है।

आज का राशिफल

मेष	कार्यक्षेत्र में अगर कोई वाद-विवाद चल रहा था तो अब उसमें आपकी जीत हो सकती है।	**तुला**	आपको किसी का उधार देना था, अब उसे चुकाने में आपको कामयाबी मिल सकता है।
वृषभ	आप व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकलने में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं।	**वृश्चिक**	व्यापार के मामले में कुछ जरूरी कॉल्स और इमेल्स का जवाब देना पड़ सकता है।
मिथुन	महत्वपूर्ण निर्णय पर पहुंचने से पहले आसपास के लोगों की भावनाओं का भी ख्याल रखें।	**धनु**	नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर कुछ नए अधिकार प्राप्त हो सकते हैं।
कर्क	नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर खुद को साबित करने के सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं।	**मकर**	व्यापार में आप किसी नए प्रोजेक्ट या काम के चलते ऊर्जा से भरपूर रहेंगे।
सिंह	कार्यक्षेत्र में अगर किसी कठिन समस्या का सामना कर रहे हैं, तो अब उसका समाधान हो सकता है।	**कुंभ**	आपको सफलता प्राप्त हो सकती है और उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे।
कन्या	कार्यक्षेत्र में एक साथ कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं, जिसके लिए तैयार रहना होगा।	**मीन**	अगर विरोधी आपके खिलाफ कोई बात करते हैं, तो उन्हें इग्नोर करना ज्यादा बेहतर रहेगा।

विशेष

20 साल बाद बदले बदले से नजर आ रहे हैं नीतीश बाबू

20 साल से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। पहले वह बात-बात में झिड़क देते थे। लोक लुभावन योजनाओं का विरोध करते थे। हर बार के चुनाव में उनका जुमला होता था। 5 साल उन्होंने काम किया है। अब वह अपनी मजदूरी मांगने आए हैं। अब मजदूरी के स्थान पर वह लोगों को रेवड़ी बांटकर वोट मांग रहे हैं।समय बदल गया है, 125 यूनिट फ्री बिजली दे रहे हैं।हर परिवार की एक महिला को 10000 रुपए दे रहे हैं, कह रहे हैं वापस नहीं लौटाना है। विधवा महिलाओं और वृद्धजनों की पेंशन बढ़ा दी है। पत्रकारों को पेंशन देना शुरू कर दिया है। अब जो मांगा जा रहा है, उसको देने में नितीश बाबू कोई कुताही नहीं बरत रहे हैं। जब समय बदलता है, उस समय सोच भी बदल जाती है। यही कहा जा सकता है।

पुतिन के गले मिले मोदी जी

चीन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन एक दूसरे के गले मिले। जिस गर्म जोशी के साथ पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को गले लगाया है। उसकी चर्चा भारतीय मीडिया में बढ़ चढ़कर हो रही है। कहा जा रहा है, रूस के राष्ट्रपति ने भारतीय प्रधानमंत्री का काफी लंबे समय तक इंतजार किया। उन्हें अपनी कर में बिठाकर ले गए। दोनों के बीच काफी लंबे समय बातचीत हुई।यह बात अलग है, हिंदी और अंग्रेजी रूस के राष्ट्रपति पुतिन को कम आती है। इसी तरह से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंग्लिश और रूसी भाषा को नहीं जानते हैं। ऐसे में दोनों के बीच में क्या बातचीत हुई। इसको लेकर भारत में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1398: तैमूर ने सिंध नदी अटक में उसी स्थान से पार की जहां से 1700: साल पहले सिकंदर ने पार की थी. 1494: फ्रांस नरेश फ्रांसिस प्रथम का जन्म. 1711: फ्रांसीसी फौजें रियोडी जेनेरो की खाड़ी में पहुंची. 1772: रूस ने बाकू पर कब्जा किया. 1786: लार्ड कार्नवालिस भारत के गवर्नर जनरल बने. 1801: अलेक्जेंडर प्रथम ने जार्जिया पर रूस द्वारा अधिकार कर लेने की घोषणा की. 1848: स्विटजरलैंड ने नया संविधान स्वीकार किया. 1890: रोडेशिया में ब्रिटिश साऊथ अफ्रीका कंपनी की स्थापना हुई. 1944: द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीकी सैनिक जर्मनी पहुंचे. 1964: दक्षिण वियतनाम में असंतुष्ट सैनिकों ने सत्ता पर कब्जे की असफल कोशिश की. 1970: फिलीस्तीनी छापामारों ने तीन अपहृत विमानों को जार्डन में बम से उड़ा दिया.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

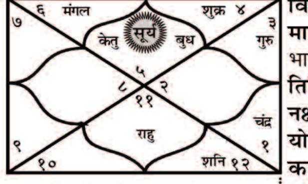

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.10 बजे से
चंद्र	मेष में	तुला	08.20 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.35 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.56 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.16 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.46 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.26 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	मिथुन	23.24 बजे से
		कर्क	01.38 बजे से
		सिंह	03.54 बजे से

2025 वर्ष का 255 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 09.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 11.59 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 13.44 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 09.59 बजे तदनन्तर गर 20.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872465
जूलियन दिन 2460930.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 19
विशेष षष्ठी श्राद्ध, मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

रांची में स्कूल बस का कहर, मंदिर जा रही छात्रा को रौंदा, बाल बाल बचा छोटा भाई

रांची, एजेंसी। सुबह-सुबह रांची में एक दुखद घटना घटी है। खेलगांव में आज सुबह करीब पौने सात बजे स्कूल बस ने एक स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी पर सवार छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कूल बस तेज रफ्तार में थी और खेलगांव के पास अचानक स्कूटी को टक्कर मार दी। लोगों ने बताया कि टक्कर के बाद छात्रा स्कूटी समेत सड़क पर गिर पड़ी और बस उसे कुचलते हुए निकल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह के समय में छात्रा अपने छोटे भाई को स्कूटी पर बैठा कर मंदिर पूजा करने जा रही थी, इसी दौरान यह हादसा हुआ। टक्कर होने के बाद पीछे बैठा लड़की का छोटा भाई रोड के दूसरी तरफ गिर गया, जिससे उसकी जान बच गई। हादसे में बस का चक्का हेलमेट पहनी छात्र के सिर पर चढ़ गया जिससे छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई।

डायन-बिसाही व जादू-टोना के आरोप में दो महिला समेत तीन पर हमला, वृद्ध की हालत नाजुक

पलामू, एजेंसी। जिला में हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के दंगवार गांव में रविवार को अंधविश्वास के नाम पर बड़ी घटना सामने आई। ग्रामीणों ने एक 73 वर्षीय वृद्ध व दो महिलाओं की डायन-बिसाही व जादू-टोना के आरोप में बेरहमी से पिटाई कर दी। इस मारपीट में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। परिजनों ने उन्हें डेहरी स्थित एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया, जहां से चिकित्सकों ने स्थिति नाजुक देख उन्हें बीएचयू रेफर कर दिया। फिलहाल वहां उनका इलाज जारी है। वहीं दोनों महिलाओं की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गांव में एक व्यक्ति की मृत्यु के बाद सोन नदी घाट स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जा रहा था। शवदाह के बाद जब लोग लौट गए तो बुजुर्ग और दोनों महिलाएं चिता स्थल के पास कुछ तंत्र-मंत्र जैसा कर रहे थे। इसकी जानकारी अंतिम संस्कार करने वालों के परिजनों तक पहुंची। आरोप है कि कुछ युवकों ने मौके पर पहुंचकर तीनों को लाठी-डंडों से पीट दिया। इस घटना की सूचना मिलने पर दंगवार ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को सुरक्षित निकाल कर पूछताछ के लिए हुसैनाबाद थाना भेज दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि पीड़ित या उनके परिजनों की लिखित शिकायत मिलने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

अपराधियों का दुस्साहस! जिला पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष के मकान पर फेंका बम

गढ़वा, एजेंसी। जिला पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि कुशवाहा के घर पर अज्ञात अपराधियों ने बम से हमला किया। इस हमले में अध्यक्ष बाल-बाल बचे हैं। शहर के नहर चौक स्थित बन रहे नए घर पर अपराधियों ने देसी बम से हमला कर फरार हो गये। जिसमें दो बम फटा जबकि दो बम को पुलिस ने बरामद किया है। बता दें कि जमीन विवाद को लेकर पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष का दूसरे पाटीदार से विवाद रहा है। जिसे लेकर अध्यक्ष ने थाना में शिकायत की थी। इस घटना के बाद पुलिस मामले की छानबीन मे जुट गई है। रवि कुशवाहा ने गढ़वा थाना में बम से हुए हमले का लिखित आवेदन दिया है। गढ़वा पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि कुशवाहा ने कहा कि वह किसी रिश्तेदार के यहां परिवार के साथ गए हुए थे। वापसी के दौरान घर का निर्माण देखने चला गया इसी दौरान हमला हुआ है। इस घटना से हम काफी डरे और सहमे हुए हैं। इसकी जानकारी अपने एसोसिएशन सहित पुलिस के आला अधिकारियों को दे दी गयी है। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है।

सहायक पुलिस कर्मियों के लिए खुशखबरी, 1 वर्ष के लिए मिला सेवा विस्तार!

रांची, एजेंसी। झारखंड के सहायक पुलिस कर्मियों के लिए अच्छी खबर है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुर्गा पूजा से पहले बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने 1 वर्ष के लिए अनुबंध के आधार पर सेवा अवधि में विस्तार देने का आदेश दिया है। अब इससे संबंधित प्रस्ताव को गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रिपरिषद के समक्ष स्वीकृति के लिए भेजेगा। सीएम के आदेश से सहायक पुलिस कर्मियों ने राहत की सांस ली है क्योंकि हर साल अगस्त महीना शुरू होते ही इस बात की आशंका बनी रहती है कि अगर सेवा अवधि को विस्तार नहीं मिला तो उनकी नौकरी चली जाएगी। दरअसल, झारखंड में कुल 2200 सहायक पुलिसकर्मी है। इनमें महिलाएं भी हैं। तत्कालीन रघुवर सरकार के कार्यकाल में 12 जिलों (दुमका, सिमडेगा, गुमला, खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, पलामू, गढ़वा, चतरा, लोहरदगा और लातेहार) में अनुबंध के आधार पर इनकी नियुक्ति हुई थी। पिछले साल लंबे आंदोलन के बाद उनकी मांगों पर विचार कर वेतन को दस हजार से बढ़ाकर 13 हजार कर दिया गया था। साथ ही वर्दी भत्ता के रूप में 4000 रु अतिरिक्त देने पर भी सहमति बनी थी। बता दें कि वर्ष 2017 में राज्य के विभिन्न जिलों में 2500 सहायक पुलिस कर्मियों की बहाली 10 हजार के वेतनमान पर हुई थी। नक्सल प्रभावित जिलों के युवा नक्सलियों के प्रभाव में आकर भटक न जाएं, इसको ध्यान में रखते हुए इनका मुख्य धारा से जोड़ा गया था।

गरियाबंद में बड़ा नक्सल एनकाउंटर, गृह मंत्री ने कहा 10 नक्सलियों के मारे जाने की खबर

गरियाबंद, एजेंसी। बस्तर में सुरक्षाबलों का एंटी नक्सल ऑपरेशन ताबड़तोड़ रुप में जारी है। इस बीच गरियाबंद के मैनपुर में गुरुवार को बड़ी नक्सल मुठभेड़ हुई है। सिक्योरिटी फोर्स और गरियाबंद को लीड मिली थी कि मैनपुर के जंगल में नक्सलियों का गुट छिपा हुआ है। इस खुफिया सूचना के आधार पर गरियाबंद पुलिस और केंद्रीय सुरक्षाबलों की टीम मैनपुर के जंगलों के लिए गुरुवार को रवाना हुई। रायपुर आईजी अमरेश मिश्रा ने इस मुठभेड़ पर बयान दिया है।

उन्होंने बताया है कि एनकाउंटर के बाद 9 नक्सलियों के शव जंगल में पड़े हुए हैं। लैंडमाइन होने के खतरे की वजह से अभी सर्च ऑपरेशन नहीं चलाया जा रहा है। दोनों ओर से फायरिंग हो रही है। इस बीच गृह मंत्री विजय शर्मा ने दुर्ग में बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 10 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि कितने नक्सली मारे गए हैं। इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

मैनपुर के जंगल में एनकाउंटर- मैनपुर के जंगल में नक्सलियों की उपस्थिति के इंटेल पर गरियाबंद पुलिस के जवानों की टुकड़ी जिसे श्च30, एसटीएफ और कोबरा बटालियन की टीम रवाना हुई। जैसे ही फोर्स के जवान मैनपुर के जंगलों में पहुंचे दूसरी ओर से फायरिंग शुरू हो गई। जवानों ने फायरिंग के बाद ताबड़तोड़

प्रहार किए। गरियाबंद के एसपी के मुताबिक इस नक्सल एनकाउंटर में कई नक्सली मारे गए हैं। गरियाबंद के एसपी निखिल राखेचा ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

मैनपुर के जंगलों में फोर्स और नक्सलियों के बीच रुक रुक कर फायरिंग हो रही है। कुछ नक्सलियों के मारे जाने की भी सूचना है। जिसमें बड़े कैडर के नक्सली शामिल हो सकते हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या 5 से अधिक हो सकती है। नक्सलियों के मारे जाने की वास्तविक सूचना अलग से जारी की जाएगी। नक्सलवाद के सफाए के लिए दिए गए डेड लाइन 31 मार्च 2026 के तहत ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जिसमें बड़ी सफलता मिली है-निखिल राखेचा, एसपी, गरियाबंद

रायपुर रेंज के आईजी का बयान- इस नक्सल एनकाउंटर पर रायपुर रेंज के आईजी अमरेश मिश्रा का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि जंगल में कई नक्सलियों के शव पड़े हुए हैं। कई ऑटोमैटिक वेपंस बरामद हुए हैं। अभी सर्च ऑपरेशन नहीं हो पाया है क्योंकि आईईडी लगे होने का खतरा है। लगभग 9 नक्सलियों के शव जंगल में पड़े हैं। आईईडी के चलते रात में सर्च ऑपरेशन नहीं किया जा सकता मुठभेड़ जारी है।

बड़े नक्सली कमांडर के मारे जाने की खबर- इस नक्सल एनकाउंटर में बड़े माओवादी कमांडर के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। जिसमें नक्सली कमांडर मनोज उर्फ मॉडेम बालकृष्ण उर्फ भास्कर का नाम सामने आ रहा है। इस बारे में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

नक्सल एनकाउंटर पर गृह मंत्री का बयान- नक्सल एनकाउंटर पर गृह मंत्री विजय शर्मा का बयान आया है। उन्होंने कहा कि गरियाबंद के मैनपुर में नक्सल सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ हुई है। इसमें 10 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। दंतेवाड़ा में हुए आईईडी ब्लास्ट पर डिप्टी सीएम ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि दोनों जवानों के पैर में चोट आई है। शिक्षादूतों की हत्या पर गृह मंत्री ने कहा कि यह दुखद है कि नक्सली शिक्षादूतों को निशाना बना रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जवानों को दी बधाई- इस सफलता पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जवानों को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि नक्सलियों के विरुद्ध हमारे सुरक्षा बलों ने आज एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ की कोबरा कमांडो, छत्तीसगढ़ पुलिस और डीआरजी ने जॉइंट ऑपरेशन चलाकर 1 करोड़ के इनामी सीसीएम मोडेम बालकृष्णा उर्फ मनोज सहित 10 कुख्यात नक्सलियों को मारा गिराया है। समय रहते बचे-खुचे नक्सली भी आत्मसमर्पण कर दें। आगामी 31 मार्च से पहले लाल आतंक का समूल नाश निश्चित है।

मात्र कुछ हजार रुपये के लिए चली गई दो कर्मियों की नौकरी,

जमशेदपुर, एजेंसी। रेलवे अर्बन बैंक ने अपने दो कर्मचारियों को शेयरधारकों के खाते से राशि गबन मामले में बुधवार को तत्काल नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। अर्बन बैंक कोलकाता के उप मुख्य प्रबंधक (फाइनेंस) चंदन ठाकुर ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। दक्षिण पूर्व, दक्षिण पूर्व मध्य व पूर्व तटीय रेलवे को-आपरेटिव क्रेडिट सोसाइटीज (अर्बन बैंक) अपने दो कर्मचारियों के खिलाफ जांच कर रही थी। इनमें चक्रधरपुर मंडल में वरिष्ठ लिपिक सरनेंदु जेना व खड़गपुर में कैशियर के पद पर कार्यरत विवेकानंद बख्शी शामिल है। इन दोनों कर्मचारियों पर आरोप है कि इन्होंने खड़गपुर अर्बन बैंक से खादू मुर्मू, जिनका निधन 24 मई 2010 को हो चुका है, उन्हें जीवित बताकर उनके खाते से फर्जी हस्ताक्षर कर पांच नवंबर 2015 को 4,204 रुपये निकाल लिए। वहीं खड़गपुर वर्कशाप में टेक्निशियन (मैकेनिकल) के पद पर कार्यरत कर्मचारी भरत के लोन को अधिकता (एक्सेस) दिखाकर उसमें राशि जमा करवा कर फिर फर्जी हस्ताक्षर के बाद 21,917 रुपये निकाल लिए। इसके अलावा अन्य शेयरधारकों के खाते से फर्जी हस्ताक्षर कर कुल 87,853 रुपये निकाले गए हैं। इस मामले में सरनेंदु जेना अक्टूबर 2024 से निलंबित चल रहे थे। जबकि विवेकानंद बख्शी को पहले ही चार्जशीट दे दिया गया था। जांच पूरी होने के बाद इनके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी। चक्रधरपुर मंडल आरपीएफ उड़नदस्ता की टीम ने चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन से एक मोबाइल चोर को पकड़ा है।

जेईटी को लेकर जारी विज्ञापन पर सवाल, जेपीएससी सचिव से मिलकर कांग्रेस नेता ने की शिकायत!

रांची, एजेंसी। झारखंड पात्रता परीक्षा यानी जेईटी को लेकर जारी विज्ञापन पर सवाल उठने लगे हैं। जेपीएससी द्वारा करीब 17 वर्ष बाद निकाले गए इस विज्ञापन में बायोटेक्नोलॉजी जैसे महत्त्वपूर्ण विषय को बाहर रखा गया है। जिससे न केवल विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए निराशाजनक है बल्कि उनके भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

खास बात यह है कि जारी विज्ञापन में एनवायरनमेंटल साइंस, मैनेजमेंट बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मार्केटिंग, इंडस्ट्रियल रिलेशन, फाइनेंस, को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट, सोशल वर्क, मास कम्युनिकेशन एवं जर्नलिज्म, म्यूज़ियोलॉजी एवं कंजरवेशन, होम साइंस, कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन, योगा, परफॉर्मिंग आर्ट (डांस, ड्रामा, थिएटर) जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

जाहिर तौर जब इतने सारे व्यावसायिक विषयों को स्थान दिया जा सकता है, तो बायोटेक्नोलॉजी को अलग रखने से इस विषय के छात्रों में निराश होने लगे हैं। इन सबके बीच आज 11 सितंबर को प्रदेश कांग्रेस महासचिव आलोक दूबे जेपीएससी सचिव से मुलाकात कर छात्रों को हो रही परेशानी से अवगत कराया।

जेपीएससी सचिव से नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक विकास पर रोक लगाना राज्यहित में नहीं है। झारखंड जैसे राज्य को बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च, कृषि जैव प्रौद्योगिकी, औषधीय अनुसंधान और औद्योगिक अनुप्रयोग की जरूरत है। जेईटी से इसे हटाना राज्य की वैज्ञानिक प्रगति पर ताला लगाने जैसा है।

जेईटी के विषय को लेकर उठे विवाद के बीच जेपीएससी चेयरमैन और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कुछ छूटे विषयों को जोड़ने का आग्रह किया गया है। कांग्रेस नेता आलोक दूबे ने चिठ्ठी लिखकर आयोग और मुख्यमंत्री से छात्रहित को ध्यान में रखकर जल्द से जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया है।

कांग्रेस नेता आलोक दूबे द्वारा लिखे गए पत्र के अनुसार बायोटेक्नोलॉजी विषय विद्यार्थियों के भविष्य और झारखंड की वैज्ञानिक उन्नति से जुड़ा हुआ है, इसलिए आवश्यक है कि आयोग इस पर पुनर्विचार करे। उन्होंने झारखंड लोक सेवा आयोग से मांग की है कि अधिसूचना में शीघ्र संशोधन कर बायोटेक्नोलॉजी को जेईटी में सम्मिलित किया जाए। उन्होंने भरोसा जताया कि हमारी सरकार संवेदनशील है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मुद्दे को अवश्य समझेंगे तथा छात्रों के साथ न्याय सुनिश्चित करेंगे।

झारखंड में प्रति व्यक्ति आय पर विवाद, केंद्र की रिपोर्ट पर बीजेपी ने भी उठाए सवाल

रांची, एजेंसी। झारखंड में प्रति व्यक्ति आय को लेकर केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट पर राज्य के वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर और भाजपा ने सवाल उठाए हैं। दोनों पक्षों ने प्रति व्यक्ति आय के आकलन के तरीके पर असहमति जताते हुए इसे वास्तविकता से दूर बताया है।

उन्होंने व्यक्तिगत राय जाहिर करते हुए कहा कि भले ही रिपोर्ट में झारखंड की प्रति व्यक्ति आय 1,16,663 रुपये दिखाई गई हो, लेकिन यह हकीकत को नहीं दर्शाता। किशोर ने बताया कि ग्रामीण इलाकों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोग कंदमूल बेचकर गुजर-बसर करते हैं और उनकी मासिक आय मुश्किल से एक-दो हजार रुपये होती है। उन्होंने कहा, ÷उद्योगपतियों, व्यवसायियों और पूंजीपतियों की अधिक आय के कारण राज्य की औसत प्रति व्यक्ति आय बढ़ जाती है, लेकिन यह आम लोगों की वास्तविक स्थिति को नहीं दिखाता।÷

वित्तमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरदर्शी सोच और मंईयां सम्मान योजना जैसी योजनाओं के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार इस दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। किशोर ने यह भी कहा कि झारखंड की प्रति व्यक्ति आय बिहार और उत्तर प्रदेश से बेहतर है, लेकिन देश के अन्य राज्यों की तुलना में यह अभी भी नीचे के तीसरे स्थान पर है।

झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय शाह ने

केंद्रीय सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि स्वागत योग्य है, लेकिन झारखंड की तुलना बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे पिछड़े राज्यों से करना उचित नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य में अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ी है। शाह ने दावा किया कि गरीब लोग पूरी तरह सरकारी योजनाओं पर निर्भर हैं, जबकि कुछ लोगों की आय इतनी अधिक है कि वह औसत प्रति व्यक्ति आय को बढ़ा देती है।

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की वित्तीय वर्ष 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में प्रति व्यक्ति औसत आय 1,16,663 रुपये है। यह आंकड़ा बिहार और उत्तर प्रदेश से बेहतर है, लेकिन पड़ोसी राज्यों ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल से कम है। यह रिपोर्ट देश की जीडीपी, राज्यवार जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय पर आधारित है।

नगरपालिका सेवा संवर्ग के 19 अभ्यर्थियों को सीएम हेमंत ने सौंपा नियुक्ति पत्र

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय में नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत विभिन्न पदों पर 19 नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने झारखंड पर्यटन एवं झारखंड पर्यटन विकास निगम का लोगो एवं वेबसाइट तथा सांस्कृतिक दल प्रबंधन प्रणाली एप्लीकेशन का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास राज्य का सर्वांगीण विकास है और हमारी प्रतिबद्धता समाज के सभी वर्गों, विशेषकर गांवों और शहरों में रहने वाले लोगों के लिए है। हमारा प्रयास है कि इस राज्य का हर तरह से विकास कैसे हो। आज इसी क्रम में नियुक्तियां हो रही हैं,

प्रतिदिन अनेक दिशाओं में नए कार्य हो रहे हैं। हमें गर्व है कि प्रकृति ने हमें न केवल धरती के अंदर हा संजोया है, बल्कि जमीन के ऊपर भी हमें इस हद तक प्राकृतिक सौंदर्य प्रदान किया है कि हम देश-दुनिया में पहचान बना सकें और उसे प्रदर्शित कर सकें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि इस डिजिटल युग में हम भी कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। विभाग द्वारा कलाकारों का डाटा तैयार करने के साथ-साथ लोगो और वेबसाइट की सराहना करते हुए विभागीय मंत्री ने कहा कि इससे लोगों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा किए गए डॉक्यूमेंटेशन से देश-दुनिया के लोग झारखंड के बारे में जान सकेंगे।

जेटीडीसी के निदेशक प्रेमरंजन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यटन विभाग और जेटीडीसी द्वारा शुरू की गई वेबसाइट में राज्य की सभी खूबसूरती की झलक देखने को मिलेगी और नई वेबसाइट को आज के युग के अनुसार तैयार किया गया है, जिसमें जीटीडीसी की सभी संपत्तियों की बुकिंग की एक नई प्रणाली को शामिल किया गया है, जिससे पूरी पारदर्शिता के साथ कम समय में बुकिंग हो सकेगी। वर्तमान में जेटीडीसी के पास 40 से अधिक होटल हैं, जिनमें से 12 होटलों का संचालन जेटीडीसी स्वयं करता है और शेष का संचालन उसके पार्टनर करते हैं।

झारखंड मंत्रालय में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में कुल 19 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए, जिनमें गार्डेन अधीक्षक से लेकर सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर, राजस्व निरीक्षक, सेनेटरी सुपरवाइजर जैसे पद शामिल थे। इन पदों पर कड़ी मेहनत के बाद नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थियों के चेहरे खिले हुए थे। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे उन्हें दी गई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे।

फर्जी एसीबी पदाधिकारी बनकर कर रहे थे वसूली, पहुंच गए सलाखों के पीछे

हजारीबाग, एजेंसी। खुद को एंटी करप्शन ब्यूरो का पदाधिकारी बताकर ग्रामीणों से पैसे ऐंठने वाले चार आरोपियों को हजारीबाग पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से डुप्लीकेट आईकार्ड, चार जोड़े जूते और नंबर प्लेट पर एंटी करप्शन ब्यूरो लिखा एक वाहन जब्त किया है। इसकी पुष्टि एडिशनल एसपी अमित आनंद ने की है। गिरफ्तार आरोपियों में हजारीबाग के खिरगांव निवासी नंदुवीर राम, बोकारो जिला के गोमिया थाना क्षेत्र निवासी महेश कुमार पासवान, चतरा जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र के द्वारी निवासी अयोध्या नारायण पासवान, हजारीबाग के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिलवार निवासी धनेश्वर राम शामिल है। हजारीबाग के एडिशनल एसपी अमित आनंद ने बताया कि शिकायत मिली थी कि 9 सितंबर 2025 की शाम जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के ग्राम डांटो खुर्द में चार पहिया वाहन में सवार चार व्यक्ति खुद को एसीबी का अधिकारी बताकर दो मेडिकल स्टोर में छापेमारी की बात कहकर लाइसेंस चेक करने के नाम पर दुकानदारों से 10-10 हजार रुपये की वसूली कर रहे थे। आरोपियों ने फॉर्मल कपड़े पहने रखे थे, गले में नकली पहचान पत्र और पुलिस की तरह पैरों में लाल जूते थे। साथ ही आरोपियों की गाड़ी पर एंटी करप्शन ब्यूरो का बोर्ड भी लगा हुआ था। ग्रामीणों को शक होने पर उन्होंने वाहन को रोक कर कटकमसांडी थाना को सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और आरोपियों से पूछताछ की। इस दौरान पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मौके से चारपहिया वाहन, फर्जी बोर्ड, चार नकली आईडी कार्ड, चार जोड़ी जूते, एक मुहर और 2500 रुपये नगद बरामद किए हैं।

अंधविश्वास में अधेड़ की हत्या: एफएसएल की टीम ने शुरू की जांच

चतरा, एजेंसी। जिले के टंडवा थाना क्षेत्र की डहु पंचायत अंतर्गत खूंटीटोला गांव में बीते मंगलवार की रात्रि ओझा-गुणी के आरोप में अधेड़ की हत्या मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले की जांच करने गुरुवार को एफएसएल की टीम खूंटीटोला पहुंची। टीम के साथ थाना प्रभारी अनिल उरांव, एसआई अमित कुमार, दिलेश्वर कुमार और सुनील कुमार शामिल रहे। एफएसएल की टीम ने गांव पहुंचकर मृतक के घर पहुंच हत्या से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर जांच की। पुलिस की टीम ने मौके से हत्याकांड से जुड़े कई सबूत और दस्तावेज भी इक्ट्ठा किए। इस दौरान पुलिस ने ग्रामीणों से पूछताछ कर घटना से संबंधित जानकारी जुटाई।

घटना के बाद हत्यारों के डर से घर छोड़कर भागे मृतक धर्मदेव उरांव के परिजनों को पुलिस की सुरक्षा के बीच वापस उसके घर लाया गया। जिसके बाद मृतक की

पत्नी बैरियो देवी के बयान पर कांड संख्या 196/25 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में पांच नामजद और 40-45 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामला दर्ज करने के बाद पुलिस आगे की जांच में जुट गई है।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हत्याकांड में शामिल कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस का दावा है कि मामले का उद्भेदन जल्द ही कर लिया जाएगा।

वहीं मामले को लेकर टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने बताया कि पुलिस की टीम मामले को गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर जांच कर रही है। एसडीपीओ ने बताया कि घटना के बाद घर छोड़कर भागे परिजनों को वापस लाया गया है। परिजनों को सुरक्षा मुहैया करायी गई है। उन्होंने कहा कि मामले के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मामले में जल्द सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों को अंधविश्वास के खिलाफ जागरूक किया जाएगा।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात्रि ओझा-गुणी के आरोप में धर्मदेव उरांव की हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने साक्ष्य छुपाने की नीयत से आधी रात को ही उसके शव को जला दिया था। हत्या से पूर्व हत्यारों ने धर्मदेव की जीभ काट डाली थी। जीभ काटने की यह घटना उसके परिजनों के सामने घटित हुई थी। जिसके बाद हत्यारे वापस लौट गए थे। पुनः दो घंटे बाद सभी आरोपी धर्मदेव के घर पहुंचे और घायल अवस्था में पड़े धर्मदेव को उसके घर से उठाकर गांव के बीचोंबीच स्थित आखरा में ले गए।

जहां ग्रामीणों के बीच ही हत्यारों ने लाठी-डंडे से पीटकर उसकी हत्या कर दी थी। घटना से मृतक धर्मदेव के परिजन इतने भयभीत हो गए कि घर छोड़कर भाग गए थे। परिजनों ने पुलिस तक को घटना की सूचना नहीं दी थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस देर रात पहुंची थी, लेकिन हत्यारों ने धर्मदेव के शव को जला दिया था। धर्मदेव की हत्या के पीछे अंधविश्वास सबसे बड़ा कारण बना। धर्मदेव पहले ओझा-गुणी का काम करता था, लेकिन पिछले एक वर्ष से वह यह काम छोड़ चुका था। लेकिन पड़ोसियों को ऐसा लगता था कि धर्मदेव जो बोल देता है वह बात सच हो जाती है।

घटना के दो दिन पूर्व हत्यारों में से एक के घर खान-पान का कार्यक्रम था, जहां धर्मदेव भी पहुंचा था। धर्मदेव ने वहां पहुंचकर शराब की मांग की थी लेकिन उसे शराब नहीं दी गई थी। जिसके बाद वह गुस्से में अपने घर लौट आया था। इसी बीच जिस व्यक्ति के घर खान-पान का प्रबंध किया गया था उसका बच्चा बीमार हो गया। जिसे लेकर लोगों को यह संदेह हुआ कि शराब न मिलने के गुस्से में धर्मदेव ने जादू-टोना कर दिया, जिससे बच्चा बीमार हो गया है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कब, कितने और कहां जलाएं दीये?

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। सर्व पितृ अमावस्या का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन किया गया पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म पितरों को भगवान विष्णु के धाम वैकुण्ठ में स्थान दिलाता है। इसके अलावा, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया जलाना भी बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि आखिर सर्व पितृ अमावस्या के दिन कितने दीये जलाने चाहिए। साथ ही यह भी जानेंगे कि किस दिशा या किन स्थानों पर दीये जलाना शुभ है एवं किस समय जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कितने दीये जलाने चाहिए?

शास्त्रों में वर्णित जानकारी के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त 11 और 1 चौमुखी दीया भगवान विष्णु के निमित्त जलाना चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कहां दीये जलाने चाहिए?

पीपल के पेड़, घर की दक्षिण दिशा, घर का मुख्य द्वार, चौराहा, घर की छत और पवित्र नदी के तट पर सर्व पितृ अमावस्या के दिन दीये जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर किस समय दीये जलाने चाहिए?

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया दोपहर के समय जलाएं। वहीं, इस दिन भगवान विष्णु के निमित्त दीया ब्रह्म मुहूर्त में जलाना शुभ है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कौन सा दीया जलाना चाहिए?

पितरों के लिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन सरसों के तेल में तिल मिलाकर दीया जलाएं। भगवान विष्णु के समक्ष घी का चौमुखी दीपक प्रज्वलित करें।

सर्व पितृ अमावस्या पर दीया जलाने के क्या लाभ हैं?

इस दिन पितरों के लिए दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। भगवान विष्णु के समक्ष दीया जलाने से पितृ दोष में राहत मिलती है।

श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व है

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दौरान पितरों की पूजा विधिवत रूप से करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा घर-परिवार के सभी सदस्यों पर पड़ती है। ऐसा माना जाता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन अगर विधिवत रूप से दान-पुण्य किया जाए, तो पूजा का सीधा फल पूर्वजों तक पहुंचता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

पंचांग के हिसाब से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन सभी प्रकार के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विशेष महत्व है। कहते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सर्व पितृ अमावस्या पर किए गए पिंडदान से पितृ दोष का निवारण होता है। सर्व पितृ अमावस्या का दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पिंडदान में तिल, जल और कुश आदि का उपयोग किया जाता है। श्राद्ध में अपने पूर्वजों के नाम पर भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप अन्न, वस्त्र, धन आदि दान कर सकते हैं। इस दिन मंदिर जाकर भगवान विष्णु और पितरों का पूजन किया जाता है। अब ऐसे में इस साल सर्व पितृ अमावस्या कब है, पितरों का श्राद्ध किस समय करना शुभ माना जाता है। साथ ही इस अमावस्या तिथि का महत्व क्या है। शास्त्रानुसार ब्राह्मणों के मुख द्वारा ही देवता 'हव्य' एवं पितर 'कव्य' ग्रहण करते हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन के भी विशेष नियम होते हैं। श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मणों को इनका अनुपालन करना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं कि शास्त्रानुसार श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने वाले ब्राह्मणों को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को संध्या करना आवश्यक है। श्राद्ध भोज करने वाला ब्राह्मण श्रोत्रिय होना चाहिए जो गायत्री का नित्य जप करता हो।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को श्राद्ध में भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करना चाहिए, आवश्यकतानुसार केवल हाथ का संकेत करना चाहिए।
- श्राद्ध भोज करते समय ब्राह्मण को भोजन की निंदा या प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण से भोजन के विषय में अर्थात 'कैसा है' यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को पुर्नभोजन अर्थात एक ही दिन दो या तीन स्थानों पर श्राद्ध भोज नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन दान नहीं देना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन मैथुन नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को केवल चांदी, कांसे या पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन ही करना चाहिए। श्राद्ध में लोहे व मिट्टी के पात्रों का सर्वथा निषेध बताया गया है।

सर्व पितृ अमावस्या का महत्व

सर्व पितृ अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सुख-शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।

पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का क्या है महत्व?

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान पितरों की पूजा करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कुंडली में पितृदोष है, तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पितृपक्ष में विधिवत रूप से श्राद्ध कर्म, तर्पण और और पिंडदान करने से लाभ हो सकता है। आपको बता दें, पितृपक्ष में कई बार जातक नियमित रूप श्राद्ध नहीं कर पाते हैं। इसलिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। पितृपक्ष में कई तरह के पिंड बनाएं जाते हैं। जिससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है। अब ऐसे में पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है।

पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है?

पितरों को खीर का पिंड देना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, विशेषकर पितृ पक्ष के दौरान। यह माना जाता है कि इस अनुष्ठान से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। खीर को एक पवित्र भोजन माना जाता है। इसे देवताओं को भी अर्पित किया जाता है। पितरों को खीर देने से यह विश्वास होता है कि वे इस पवित्र भोजन का आनंद लेते हैं। खीर में चावल और दूध दोनों होते हैं। चावल समृद्धि और प्रचुरता का प्रतीक है, जबकि दूध शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। इसलिए, खीर को शक्ति और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। आपको बता दें, खीर मीठा होता है और माना जाता है कि यह पितरों को तृप्त करता है। इतना ही नहीं, खीर को परिवार के सदस्यों के बीच आत्मिक संबंध को मजबूत करने का भी प्रतीक माना जाता है।

खीर के पिंड से मिलता है पितृ ऋण से छुटकारा

हिंदू धर्म में पितृ ऋण का बहुत महत्व होता है। माना जाता है कि माता-पिता ने हमें जीवन दिया है और हमें पालन-पोषण किया है, इसलिए हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। पितरों को खीर का पिंड देकर हम इस ऋण का कुछ अंश चुकाते हैं। पितरों को खुश करके हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। माना जाता है कि पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। पितरों को खीर का पिंड देकर हम उनकी आत्मा को शांति प्रदान करते हैं और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद करते हैं।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें इन चीजों का दान, पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह की अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विधिवत रूप से तर्पण किया जाता है। ताकि उन्हें मोक्ष प्राप्ति हो सके।

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या के लिए पितरों को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। सर्व पितृ अमावस्या कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध करना बेहद शुभ माना जाता है। अब ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें तिल का दान

हिंदू धर्म में तिल को पितरों का सबसे प्रिय अन्न माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि तिल का दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। तिल का दान पितृ दोष को दूर करने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। तिल का दान करने से घर में शांति और समृद्धि आती है। यह माना जाता है कि तिल का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सफलता मिलती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें पिंडदान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पिंडदान करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिंडदान करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप अपने पितरों का ध्यान जरूर करें। ऐसा करने से जातकों को पितृदोष से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही पितरों के आशीर्वाद की भी प्राप्ति होती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें वस्त्र दान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन वस्त्र का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस अमावस्या तिथि के दिन जो व्यक्ति वस्त्र दान करता है। उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दरिद्रता से भी छुटकारा मिल जाता है। बता दें, वस्त्र दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और वे अपने वंश पर आशीर्वाद बरसाते हैं।

क्या पुनर्जन्म के बाद भी व्यक्ति को श्राद्ध लगता है?

यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। हिन्दू धर्म के अनुसार कर्मों की गति के अनुसार व्यक्ति को दूसरी योनि मिलती है। यदि किसी को नहीं मिली है तो फिर वह प्रेत योनि में चला जाता है या यदि अच्छे कर्म किए हैं तो पितृलोक या देवलोक में कुछ काल रहने के बाद पुनः मनुष्य योनि में आता है। निश्चित ही है कि जिन्हें प्रेत योनि मिली है और जो पितृलोक चले गए हैं उनके लिए भी श्राद्ध कर्म किया जाता है, लेकिन जिन्होंने दूसरा जन्म ले लिया है क्या उन्हें भी श्राद्ध का फल मिलता है?

प्रेत योनि : गति कई प्रकार की होती है। प्रेतयोनि में जाना एक दुर्गति है। पितरों का श्राद्ध करने वाले और उनका तर्पण करने वाले उनकी सद्गति के लिए सहयोग करते हैं। हमारे जो पूर्वज पितृलोक नहीं जा सके या जिन्हें दोबारा जन्म नहीं मिला ऐसी अतृप्त और आसक्त भाव में लिप्त आत्माओं के लिए 'गया' में मुक्ति-तृपति का कर्म तर्पण और पिंडदान किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है जहां से आत्मा प्रेत योनी से छूटकर मनुष्य योनी में जन्म ले लेती है या पितृलोक में पितरों के साथ निश्चित काल के लिए चली जाती है।

पितृलोक के पितृ : मान्यता है कि पितृलोक में किसी आत्मा का पहुंचना बहुत ही सौभाग्य की बात होती है। वहां वह अपने सभी पूर्वजों से मिलकर सभी संतापों से मुक्त होकर रहता है और सुख भोगने के बाद एक निश्चित काल के बाद मनुष्य योनी धारण करता है। जब धरती पर पितृपक्ष प्रारंभ होता है तब ऐसी ही हमारे पितृ अपने वंशजों को देखने के लिए धरती पर आते हैं और उनके द्वारा किए जा रहे श्राद्ध कर्म का भोग ग्रहण करके उन्हें आशीर्वाद देकर उनके दुखों को मिटा देते हैं।

पुनर्जन्म लेने वाले पूर्वज : यजुर्वेद में कहा गया है कि शरीर छोड़ने के पश्चात्य, जिन्होंने तप-ध्यान किया है वे ब्रह्मलोक चले जाते हैं अर्थात ब्रह्मलीन हो जाते हैं। कुछ सतकर्म करने वाले भक्तजन स्वर्ग चले जाते हैं। स्वर्ग अर्थात वे देव बन जाते हैं। राक्षसी कर्म करने वाले कुछ प्रेत योनि में अनंतकाल तक भटकते रहते हैं और कुछ पुनः धरती पर जन्म ले लेते हैं। जन्म लेने वालों में भी जरूरी नहीं कि वे मनुष्य योनि में ही जन्म लें। अतः ऐसे पूर्वजों को भी उनके वंशजों द्वारा किया गया श्राद्ध कर्म लगता है। दरअसल, शास्त्रों में कहा गया है कि हम अन्न-जल को अग्नि को दान करते हैं। अग्नि उक्त अन्न-जल को हमारे पितरों तक पहुंचाकर उन्हें तृप्त करती है। श्राद्ध और तर्पण जिसके निमित्त किया गया उस तक जल और अग्नि के माध्यम से यह सुगंध रूप में पहुंचकर उन्हें तृप्त करता है। वास्तव में श्रद्धापूर्वक श्राद्ध में दिए गए भोजन का सूक्ष्म अंश परिणित होकर उसी अनुमात और मात्रा में प्राणी को मिलता है जिस योनि में वह प्राणी वर्तमान में है। इस संबंध में पुराणों में कई जगहों पर उल्लेख मिलता है कि उस जीवित प्राणी को भी श्राद्ध के भोग का अंश मिलता है जिससे कि उसका हृदय तृप्त हो जाता है। जल, अग्नि और वायु उसके अंश को पहुंचाने में माध्यम बनते हैं।

यमलोक की यात्रा : आत्मा सत्रह दिन तक यात्रा करने के पश्चात अठारहवें दिन यमपुरी पहुंचती है। गरूड़ पुराण में यमपुरी के इस रास्ते में वैतरणी नदी का उल्लेख मिलता है। वैतरणी नदी विष्ठा और रक्त से भरी हुई है। जिसने गाय को दान किया है वह इस वैतरणी नदी को आसानी से पार कर यमलोक पहुंच जाता है अन्यथा इस नदी में वे डूबते रहते हैं और यमदूत उन्हें निकालकर धक्का देते रहते हैं। यमपुरी पहुंचने के बाद आत्मा 'पुष्पोदका' नामक एक और नदी के पास पहुंच जाती है जिसका जल स्वच्छ होता है और जिसमें कमल के फूल खिले रहते हैं। इसी नदी के किनारे छायादार बड़ का एक वृक्ष है, जहां आत्मा थोड़ी देर विश्राम करती है। यहीं पर उसे उसके पुत्रों या परिजनों द्वारा किए गए पिंडदान और तर्पण का भोजन मिलता है जिससे उसमें पुनः शक्ति का संचार हो जाता है।

कभी 5000 रुपये महीने थी सैलरी, अब कंपनी ला रही 3820 करोड़ रुपये का आईपीओ

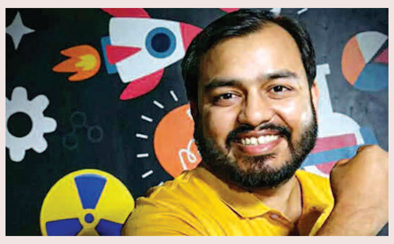

नई दिल्ली, एजेंसी। कोई भी सफलता एक-दो दिन, एक-दो महीने या एक-दो साल में नहीं मिली। सफल व्यक्ति के पीछे छिपी होती है उसकी लगन, मेहनत और धैर्य। सफलता के रास्ते में कई खतरनाक पड़ाव आते हैं। कई संघर्ष होते हैं। इन सभी से निकलने के बाद सफलता का स्वाद चखने को मिलता है। ऐसा ही स्वाद चखा है एडुटेक कंपनी फिजिक्सवाला के फाउंडर अलख पांडेय ने। कभी 5,000 रुपये महीने की नौकरी करने वाले प्रखर आज हजारों करोड़ रुपये की कंपनी के मालिक हैं। प्रखर इस समय चर्चा में हैं क्योंकि इनकी कंपनी फिजिक्सवाला 3,820 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है। अलख पांडेय ने स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद कानपुर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन ले लिया। लेकिन उन्होंने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी और प्रयागराज (इलाहाबाद) वापस आ गए। प्रयागराज आकर उन्होंने अपने टीचिंग के पैशन को जारी रखा और एक कोचिंग में पढ़ाने लगे। इसके लिए उन्हें 5,000 रुपये मिलते थे। आज इनकी कंपनी देश की यूनिकॉर्न बन गई है। यूनिकॉर्न ऐसी कंपनी को कहते हैं जिसका मार्केट कैप 1 अरब डॉलर से ज्यादा होता है।

वाराणसी है बनारसी साड़ियों व हस्तशिल्प का एमएसएमई हब, कॉन्क्लेव में होगी भविष्य पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाराणसी में आयोजित एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन शनिवार, 13 सितंबर को दोपहर 4 से 6 बजे तक कमिश्नर ऑडिटोरियम, कचहरी वाराणसी में होगा। यह कार्यक्रम स्थानीय उद्यमियों, सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और विभिन्न व्यापारिक संगठनों को एकत्रित कर वाराणसी के एमएसएमई क्षेत्र की संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा करने का विशेष अवसर प्रदान करेगा। वाराणसी अपनी ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए विश्व विख्यात है। यह शहर एमएसएमई क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां की प्रमुख उद्योग इकाइयों में बनारसी साड़ी निर्माण, कालीन बुनाई और खिलौने बनाना शामिल हैं। स्थानीय कारीगर और छोटे उद्योग इन पारंपरिक उत्पादों के निर्माण में संलग्न हैं। यहां के उत्पाद देश-विदेश में अपनी अनोखी पहचान बनाए हुए हैं। सरकारी सहयोग और आधारभूत संरचना में वाराणसी के लिए एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत विशेष फोकस रखा गया है। यह पहल स्थानीय उत्पादन को वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यरत है। एमएसएमई सेक्टर में सक्रिय उद्यमी स्थानीय हस्तशिल्प को न केवल संरक्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप भी ढाल रहे हैं। वाराणसी की एमएसएमई को उसकी बनारसी साड़ियों, कालीन, खिलौने जैसे उत्पादों के लिए जाना जाता है। ये उत्पाद स्थानीय परंपरा और आधुनिक डिजाइनों का अनूठा संगम प्रस्तुत करते हैं। ये भारतीय शिल्प कला का विश्व स्तर पर प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इस क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। इसमें गिरती कारीगर आय, नकली उत्पादों का बाजार में आना और कमजोर मार्केटिंग स्ट्रैटेजी शामिल हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, स्थानीय उद्यमी निरंतर नवाचार के जरिए अपने उत्पादों को प्रतिस्पर्धात्मक बनाकर वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की कोशिशों में जुटे हैं।

सोना भी ऑल-टाइम हाई पर

चांदी ने 1668 उछाल के साथ तोड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। मजबूत वैश्विक रुख और निवेशकों की मजबूत मांग के चलते सोने-चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी देखनेको मिली। शुक्रवार को घरेलू बाजार में सोना 572 रुपये की तेजी के साथ रिकॉर्ड स्तर के करीब 1,09,553 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी 1,668 रुपये की तेजी के साथ पहली बार 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सबसे अधिक कारोबार वाला अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 572 रुपये व 0.52 प्रतिशत बढ़कर 1,09,553 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया जिसमें 16,533 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने की कीमत भी 593 रुपये या 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,10,640 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 5,513 लॉट के लिए कारोबार हुआ। यह निरंतर तेजी को दर्शाता है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगले साल मार्च डिलीवरी के लिए चांदी वायदा भाव 1,668 रुपये या 1.3 प्रतिशत बढ़कर 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। एमसीएक्स पर सबसे अधिक कारोबार वाली दिसंबर डिलीवरी वाली प्याज भी 1,674 रुपये या 1.32 प्रतिशत बढ़कर 1,28,612 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। मेहता इक्विटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी) राहुल कलंत्री ने कहा कि

शुक्रवार को सर्राफा कीमतों में मजबूती बनी रही। अमेरिका में ढीली मौद्रिक नीति की लगातार आशंकाओं के बीच सोना अपने सर्वकालिक उच्च स्तर की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों के अनुरूप स्थिर बनी हुई है। उत्पादक कीमतों में अप्रत्याशित रूप से गिरावट आई और बेरोजगारी के दावे चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इससे श्रम बाजार की कमजोरी उजागर हुई। बाजार पहले ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 25 आधार अंकों की कटौती को मान चुका था, और संभावित बड़ी कटौती की अटकलें तेज हो गई है। कलंत्री ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, जिनमें रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत और चीन पर ज्यादा टैरिफ लगाने के लिए जी-7 सहयोगियों पर दबाव डालना, पश्चिम एशिया क्षेत्र और यूक्रेन में बढ़ते संघर्ष शामिल हैं, से सुरक्षित निवेश की मांग को और बल मिला है।

वैश्विक बाजार में सोना-चादी सर्वकालिक स्तर पर पहुंचा

अंतराष्ट्रीय बाजार में, कॉमेक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना वायदा 20.40 डॉलर या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 3,694 डॉलर प्रति औंस हो गया, जो अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर के करीब है। मंगलवार को सबसे ज्यादा कारोबार वाला कीमती धातु वायदा 3,715.20 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक स्तर पर दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी वायदा 1.52 प्रतिशत बढ़कर 42.79 डॉलर प्रति औंस हो गया, जो 14 साल का नया उच्च स्तर है।

वैश्विक बाजार में चांदी 14 साल के उच्च स्तर पर पहुंचा

रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा कि शुक्रवार को वैश्विक बाजार में चांदी में 1 प्रतिशत की तेजी आई, जो 14 साल के नए उच्च स्तर को छू गया।

त्रिवेदी ने कहा कि सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक्स की मजबूत औद्योगिक मांग ने लगातार आपूर्ति की कमी की पृष्ठभूमि में भौतिक चांदी बाजार को तंग रखा है।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ ला रहे टाटा ग्रुप को झटका

बोर्ड मीटिंग से पहले मेंबर ने दिया दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा संस में एक बड़ा बदलाव हुआ है। टाटा ट्रस्ट्स के वाइस चेयरमैन विजय सिंह ने टाटा संस के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। वह 77 साल के हैं। उन्होंने यह इस्तीफा बोर्ड की मीटिंग से ठीक एक दिन पहले दिया है। यह मीटिंग आरबीआई के आईपीओ की समय सीमा को लेकर होने वाली थी। टाटा ट्रस्ट्स में दो प्रमुख ट्रस्ट सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट हैं। ये दोनों मिलकर टाटा संस में लगभग 52 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। टाटा संस देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है। टाटा ग्रुप का बिजनेस कई सेक्टर्स में फैला है।

पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह टाटा ट्रस्ट्स की तरफ से टाटा संस के बोर्ड में सदस्य थे। वह टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी बने रहेंगे। उनका इस्तीफा चौंकाने वाला है। आमतौर पर, टाटा ट्रस्ट्स के सदस्यों के लिए रिटायरमेंट की कोई उम्र नहीं होती जबकि टाटा संस के दूसरे सदस्यों के लिए रिटायरमेंट की उम्र तय है। जैसे कि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर 65 साल में, नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर 70 साल में और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर 75 साल में रिटायर हो जाते हैं।

लेकिन 17 अक्टूबर 2024 को टाटा ट्रस्ट्स ने एक नियम बनाया था। इसके अनुसार टाटा संस के बोर्ड में 75 साल की उम्र पार कर चुके सदस्यों की हर साल समीक्षा की जाएगी। गुरुवार को टाटा ट्रस्ट्स की बोर्ड मीटिंग में सदस्यों की उम्र पर विचार किया गया। ज्यादातर ट्रस्टियों ने इस समीक्षा का समर्थन किया। वे चाहते थे कि टाटा संस के बोर्ड में युवा लोगों को शामिल किया जाए। टाटा संस के बोर्ड में टाटा ट्रस्ट्स के दो और सदस्य हैं। इनके नाम नोएल टाटा (69 साल) और वेणु श्रीनिवासन (72 साल) हैं। जब विजय सिंह से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

निर्यातकों के लिए 22.5 अरब का पैकेज लाने की तैयारी, बिना गारंटी सस्ते ब्याज पर कर्ज दे सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 50 फीसदी अमेरिका टैरिफ से प्रभावित निर्यातकों की मदद के लिए एक व्यापक राहत पैकेज लाने की योजना बनाई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह राहत पैकेज 22.5 अरब रुपये (25.5 करोड़ डॉलर) का हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस पैकेज के तहत प्रभावित निर्यातकों को बिना किसी गारंटी के रियायती ब्याज दरों पर कर्ज दिया जा सकता है।हालांकि, सरकार ने अभी इस संभावित पैकेज के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राहत पैकेज की इस योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल इस सप्ताह या आने वाले दिनों में मंजूरी दे सकता है। इस पैकेज का वित्तपोषण फरवरी में आए 2025-26 के केंद्रीय बजट में निर्यात प्रोत्साहन के लिए पहले से आवंटित फंड से किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, कपड़ा, र प्रतिशत-आभूषण, चमड़ा, जूते, रसायन, इंजीनियरिंग सामान, समुद्री निर्यात और कृषि जैसे श्रम प्रधान क्षेत्र उच्च अमेरिकी टैरिफ के कारणसबसे अधिक जोखिम में हैं। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जो लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार देते हैं। भारी-भरकम टैरिफ से इनकी प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता घट रही है।ऑर्डर रद्द होने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जिसका असर रोजगार पर पड़ सकता है।

जेबीएम ऑटो को 11000 इलेक्ट्रिक बस बनाने का ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में शुक्रवार की सुबह 8 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिल चुकी है। कंपनी के शेयरों में यह उछाल उनकी सब्सिडयरी को मिला एक बड़ा इंवेस्टमेंट है। जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी को इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन से 100 मिलियन डॉलर का इंवेस्टमेंट मिला है। बता दें, शुक्रवार को जेबीएम ऑटो के शेयर बीएसई में बढ़त के साथ 646.85 रुपये के लेवल ओपन हुए। 10.06 मिनट तक के डाटा के अनुसार बीएसई में कंपनी के शेयरों का इंट्रा-डे हाई 678.45 रुपये रहा है। इस लॉन्ग टर्म फंडिंग की मदद की वजह से अब कंपनी 1455 एसी इलेक्ट्रिक बस के ऑर्डर को आसानी से पूरा कर पाएगी। जेबीएम ऑटो को यह ऑर्डर महाराष्ट्र, असम और गुजरात से मिला है। जेबीएम ने पहले ही 2500 इलेक्ट्रिक बसों के ऑर्डर को पूरा कर दिया है। यह बसें 10 राज्यों के 15 एयरपोर्ट्स पर संचालित हो रही है। वहीं, मौजूदा समय में जेपीएम के पास 11,000 बस के ऑर्डर है। दिल्ली एनसीआर में स्थिति कंपनी की मैन्यूफैक्चरिंग चीन के बाहर सबसे बड़ी ई-बस मैन्यूफैक्चरिंग है। शेयर के प्रदर्शन की बात करें तो जेबीएम ऑटो के लिए बीते 6 महीने अच्छे रहे हैं। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 32 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, एक महीने में जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। हालांकि, 1 साल में जेबीएम ऑटो लिमिटेड का शेयर 32 प्रतिशत और 2 साल में 6 प्रतिशत लुढ़का है।

मदर डेयरी और अमूल दूध होगा सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी कटौती का फायदा आम आदमी को मिलने जा रहा है। 22 तारीख से मदर डेयरी और अमूल का दूध सस्ता होने जा रहा है। हालांकि अमूल के पैकेट वाले दूध की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा। खास दूध यानी यू एच टी की कीमत ही कम होगी। दरअसल, सरकार ने दूध पर लगने वाले 5 फीसदी जीएसटी घटाकर जीरो कर दिया है। ये नए नियम 22 सितंबर से लागू होंगे। ऐसे में दूध कंपनियां जीरो जीएसटी का फायदा ग्राहकों को देने जा रही हैं।

मदर डेयरी के दूध के दाम में 3 से 4 रुपये प्रति लीटर की कमी आ सकती है। वहीं अमूल यू एच टी(अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर) दूध सस्ता हो सकता है। मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध भी 65-66 रुपये तक मिल सकता है। हालांकि अमूल के पैकेट वाले दूध की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा।

22 तारीख से कम हो जाएगी कीमत

अमूल ने कहा है कि जीएसटी में बदलाव होने के बाद भी पैकेट वाले दूध के दाम में कोई बदलाव नहीं होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इस पर पहले से ही कोई जीएसटी नहीं लगता है।

गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेन मेहता ने एएनआई को बताया कि ताजे दूध के पाउच की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। क्योंकि जीएसटी में कोई कमी नहीं हुई है। पाउच वाले दूध पर हमेशा से ही शून्य प्रतिशत जीएसटी लगता रहा है। पहले कुछ खबरों में कहा गया था कि जीएसटी 2.0 के तहत अमूल दूध के पाउच के दाम 3 से 4 रुपये तक कम हो सकते हैं। लेकिन मेहता ने साफ किया कि ये खबरें गलत हैं। पाउच वाले दूध पर हमेशा से ही जीएसटी नहीं लगता है।

नई टैक्स व्यवस्था में सिर्फ ाइ दूध सस्ता होगा। यू एच टीदूध पर जीएसटी की दर 5 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगी।

यू एच टी का मतलब अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर है। इस प्रक्रिया में दूध को कम से कम 135 सेंटी डिग्री पर कुछ सेकंड के लिए गर्म किया जाता है। इससे दूध में मौजूद लगभग सारे कीटाणु मर जाते हैं और दूध एकदम साफ हो जाता है।

इन्फोसिस के शेयर पर 19 प्रतिशत कमाई का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस शेयर बायबैक करेगी। कंपनी के बोर्ड ने 18,000 करोड़ रुपये के अपने सबसे बड़े शेयर पुनर्खरीद कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। कंपनी इस कार्यक्रम पर आगे बढ़ने के लिए अब शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। कंपनी ने कहा कि बायबैक प्रोग्राम के तहत वह प्रति शेयर 1,800 रुपये के भाव पर अपने शेयर खरीदेगी। यह भाव गुरुवार को बीएसई पर इन्फोसिस के शेयर के बंद भाव 1,509.50 रुपये की तुलना में करीब 19 प्रतिशत अधिक है।

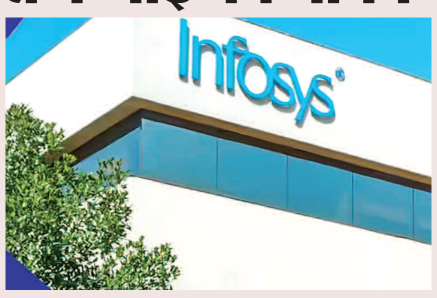

इन्फोसिस अपने शेयरधारकों से 10 करोड़ पूरी तरह चुकता इक्विटी शेयरों को वापस खरीदेगी जो इसकी कुल चुकता शेयर पूंजी का 2.41 प्रतिशत है। शेयर पुनर्खरीद की प्रक्रिया में कंपनी खुले बाजार से अपने शेयर वापस खरीदती है। ऐसा करने से बाजार में शेयरों की संख्या घट जाती है जिससे बचे हुए शेयरों का मूल्य बढ़ सकता है और कंपनी की प्रति शेयर आय में सुधार होता है। इन्फोसिस के इस कदम से शेयरधारकों को मूल्य लौटाने और निवेशकों के भरोसे को मजबूत करने में मदद मिलने की संभावना है। इस पुनर्खरीद कार्यक्रम का आकार कंपनी के पिछले सभी प्रयासों से बड़ा है। इन्फोसिस ने इसके पहले वर्ष 2017, 2019, 2021 और 2022 में भी शेयरों की पुनर्खरीद की थी। वर्ष 2022 में कंपनी ने लगभग 9,300 करोड़ रुपये के शेयर वापस खरीदे थे जबकि 2021 में पुनर्खरीद का आकार करीब 9,200 करोड़ रुपये था। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण इस समय करीब छह लाख करोड़ रुपये है।

त्योहारी सीजन- जीएसटी सुधार से बढ़ेगी मांग और कर्ज वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी दरों में कटौती के कारणउत्पादों के दाम घटने और त्योहारी सीजन के कारणमांग एवं बैंकों के कर्ज वृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।रोथ्सचाइल्ड एंड कंपनी इंडिया प्राइवेट लि. की बोर्ड अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सलाहकार नैना लाल किदवई ने कहा, देश में पिछले वर्ष की तुलना में बैंक कर्ज में वृद्धि सुस्त रही है।इसकी प्रमुख वजह कमजोर पूंजीगत खर्च और सुस्त मांग है। किदवई ने कहा, पूंजीगत खर्च और मांग में कमजोरी इस बात का संकेत है कि प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में कारोबारियों ने सतर्क रुख अपनाया है और उपभोक्ता गतिविधियों में कमी आई है।हालांकि, आगामी त्योहारी मांग और जीएसटी में नवीनतम सुधारों से उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा। उन्होंने कहा, जब बाजार में उपभोक्ता मांग और खपत बढ़ेगी तो खाली पड़ी क्षमताओं का उपयोग होगा। इससे कंपनियां अधिक पूंजीगत खर्च करने लगेंगी। फिक्की लीड्स कार्यक्रम में किदवई ने कहा, अमेरिकी टैरिफ का जरूर असर पड़ेगा।कपड़ा, चमड़ा और हीरे जैसे निर्यात उन्मुख क्षेत्रों पर ज्यादा बुरा असर पड़ेगा।जब हम नए बाजारों की तलाश कर रहे हैं, तो इन क्षेत्रों का समर्थन करना होगा क्योंकि ये बड़ी संख्या में रोजगार देते हैं।

एआई से आईटी सेवाओं में मंदी का खतरा

2030 तक राजस्व में हो सकती है 20 फीसदी की गिरावट

ल्ली, एजेंसी। त्रिम इंटेलिजेंस के कारण वर्ष 2025 से के बीच वैश्विक आईटी सेवा क्षेत्र में करीब 20 राजस्व में गिरावट होने की संभावना है। ज की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। र्ट के अनुसार एप्लिकेशन सेवाओं और बीपीओ नेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) में उत्पादकता में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। वहीं कंसल्टिंग और क्चर सेवाओं पर इसका असर अपेक्षाकृत कम खासतौर पर हाई-मार्जिन सेगमेंट जैसे एप्लिकेशन सर्विसेज और बीपीओ में एआई का प्रभाव अधिक दिखाई देगा। अनुमान है कि एआई टंग, एप्लिकेशन सर्विसेज, इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज बीपीओ सर्विसेज में पांच से 35 फीसदी तक कता बढ़ोतरी ला सकता है। कंपनियां आशंकित तेजी से बढ़ती एआई तकनीक उनके निवेश को अप्रासंगिक बना सकती है। राजस्व में गिरावट ड्ड से होने वाली उत्पादकता बढ़ोतरी 2025-30 के मौजूदा आईटी सेवाओं के राजस्व में लगभग हिस्सा कम होने की उम्मीद है। पिछले निवेश धूरे लाभ ड्ड 2021 से 2024 के बीच इजेज ने हर साल करीब 280 अरब डॉलर

अतिरिक्त तकनीकी खर्च किया। यह 2016-20 के औसत 130 अरब डॉलर से दोगुना से भी ज्यादा है। लेकिन अब तक इन भारी निवेशों से ग्राहकों को पूरी तरह लाभ नहीं मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई से होने वाली राजस्व में गिरावट, इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं से पहले देखने को मिलेगी। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2027 में एआई से जुड़ी राजस्व गिरावट शुरुआती वर्षों में ज्यादा असर डाल सकती है। वहीं एआई से होने वाला नया खर्च लंबे समय में ही तेजी पकड़ पाएगा। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यह गिरावट 2024-29 के दौरान आईटी सेवाओं की ग्रोथ को सीमित कर केवल 1.5 से 3 फीसदी सीएजीआर तक ला सकता है जबकि पहले इस सेक्टर ने दहाई अंकों की तेज वृद्धि का अनुभव किया था।

बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए कई बड़ी कंपनियां लाइन में

नई दिल्ली, एजेंसी। हल्दीराम के बाद स्नैक्स बनाने वाली एक और कंपनी बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए कई बड़ी कंपनियां लाइन में हैं। आईटीसी और पेप्सिको जैसी बड़ी कंपनियां बालाजी वेफर्स में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में शामिल हैं। इनके अलावा टीपीजी और सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक जैसे प्राइवेट इक्विटी फंड भी इसमें शामिल हैं। इस डील के लिए बालाजी वेफर्स की वैल्यू लगभग 40,000 करोड़ आंकी जा रही है।

एक सूत्र ने बताया कि कुछ रणनीतिक निवेशक और प्राइवेट इक्विटी कंपनियां मिलकर इस बारे में बात कर रही हैं। कुछ निवेशक तो 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी

इस डील में हल्दीराम की वैल्यू 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा आंकी गई थी

दिखा रहे हैं। अभी बातचीत शुरुआती दौर में है। यह दूसरा मौका है जब पेप्सिको बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने की कोशिश कर रही है। बालाजी वेफर्स का पश्चिमी और मध्य भारत में अच्छा दबदबा है।

देसी स्नैक ब्रांड्स में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। मार्च में ग्लोबल निवेशकों आईएचसी, अल्फा वेव ग्लोबल और सिंगापुर के टेमासेक ने मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। इस डील में हल्दीराम की वैल्यू 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा आंकी गई थी। यह घरेलू पैकेज्ड फूड सेक्टर में अब तक की सबसे बड़ी डील थी।

दिग्गज एफएमसीजी कंपनी आईटीसी ने अपना स्नैक ब्रांड बिंगो साल 2007 में शुरू किया था। बिंगो आलू के वेफर्स और नमकीन बेचती है। लेकिन बिंगो को बड़ी कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल रही है। पश्चिमी और पारंपरिक दोनों तरह के स्नैक्स में बिंगो को मुकाबला करना पड़ रहा है। दूसरी तरफ, पेप्सिको चिप्स और नाचोस जैसे पश्चिमी स्नैक्स में आगे है, लेकिन पारंपरिक स्नैक्स में उसकी हिस्सेदारी कम हो रही है। क्षेत्रीय ब्रांड्स उससे आगे निकल रहे हैं।

एक सूत्र ने कहा कि अब स्नैक्स बाजार पूरी तरह से बदल गया है। छोटे ब्रांड्स स्नैक्स बाजार पर हावी हो रहे हैं। बालाजी जैसे क्षेत्रीय दिग्गज के साथ हाथ मिलाने से पेप्सिको को क्षेत्रीय बाजारों में पैठ बनाने और मैन्युफैक्चरिंग में तालमेल बिठाने में मदद करेगा।

देसी कंपनियों का धमाल

साल 2013 में भी पेप्सिको ने बालाजी वेफर्स से हिस्सेदारी खरीदने के बारे में बात की थी। उस समय पेप्सिको की ग्लोबल सीईओ इंदिरा नूई भी इस डील को लेकर काफी उत्साहित थीं। लेकिन, पेप्सिको 49-51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदना चाहती थी जबकि बालाजी वेफर्स के मालिक विरानी परिवार इतनी हिस्सेदारी बेचने को तैयार नहीं था। इसलिए, यह डील नहीं हो पाई।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट को तूल न दे....

सरकार अपना काम कर रही है: कपिल

चंडीगढ़, एजेंसी। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर के दिन भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत होने वाली है। इस मैच से पहले कुछ भारतीय फैंस काफी गुस्से में हैं और इस मैच का बॉयकॉट करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने लोगों से भारत-पाकिस्तान मैच को बड़ा मुद्दा न बनाने का आग्रह किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही साफ कर दिया है कि केंद्र सरकार की नीति के अनुसार, पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी लेकिन बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भागीदारी की अनुमति है।

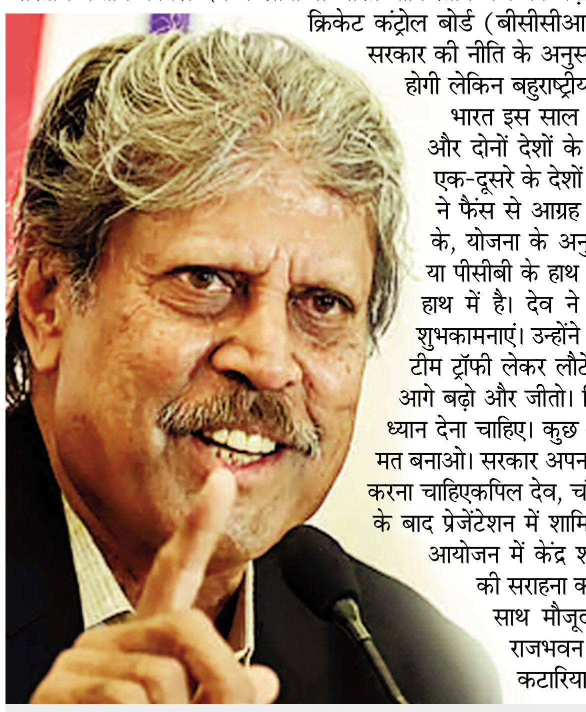

भारत इस साल के एशिया कप का आधिकारिक मेजबान है और दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के कारण, दोनों टीमें एक-दूसरे के देशों में खेलने से परहेज कर रही हैं। वहीं, कपिल ने फैंस से आग्रह किया है कि वो मैच को बिना किसी सवाल के, योजना के अनुसार होने दें, क्योंकि ये मामला बीसीसीआई या पीसीबी के हाथ में नहीं, बल्कि संबंधित देशों की सरकारों के हाथ में है। देव ने पत्रकारों से कहा, ये एक अच्छी टीम है। शुभकामनाएं। उन्होंने मैच आसानी से जीत लिया। हमें उम्मीद है कि टीम ट्रॉफी लेकर लौटेगी। भारतीय टीम को मेरा संदेश है कि बस आगे बढ़ो और जीतो। जिनका काम खेलना है, उन्हें सिर्फ़ खेलने पर ध्यान देना चाहिए। कुछ और कहने की ज़रूरत नहीं है। इसे बड़ा मुद्दा मत बनाओ। सरकार अपना काम करेगी और खिलाड़ियों को अपना काम करना चाहिएकपिल देव, चंडीगढ़ प्रीमियर लीग के लीग चरण के समापन के बाद प्रेजेंटेशन में शामिल होने चंडीगढ़ आए थे। उन्होंने टूर्नामेंट के आयोजन में केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की।यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन भी देव के साथ मौजूद थे। पूर्व कप्तान ने टंडन के साथ पंजाब राजभवन में केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से भी मुलाकात की।

भारत बनाम पाकिस्तानः वे हमें नहीं हरा सकते...

मैच को सियासत से दूर रखें : योगराज

चंडीगढ़, एजेंसी। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा है कि भारत-पाकिस्तान मैच को सियासत से दूर रखना चाहिए। पाकिस्तान टीम हमें नहीं हरा सकती है। बात करते हुए योगराज सिंह ने कहा, भारत-पाकिस्तान मैच को मैच की तरह ही लिया जाना चाहिए। इसे लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। खिलाड़ियों को सियासत में नहीं खींचना चाहिए। इससे ज्यादा मैच पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड में युवराज सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। इसका क्या फायदा हुआ। हम खेलते तो जीत कर आते। उस समय नहीं खेले तो फिर अब क्यों खेल रहे हैं। जब भी मौका मिले भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होना चाहिए। आज की तारीख में पाकिस्तान टीम ऐसी नहीं है कि भारत को हरा सके।

उन्होंने कहा, भारतीय टीम बहुत अच्छी और मजबूत है। मुझे नहीं लगता है कि इस वक्त कोई भी टीम हमें हरा सकती है। हमारी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो आईपीएल में अपनी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। हमलोग देश के गौरव के लिए खेल रहे हैं। भारत की मौजूदा टीम में जो खिलाडी हैं, या आने वाले समय के जो खिलाड़ी हैं, वो बहुत बड़े खिलाड़ी होंगे। इसमें आईपीएल का बहुत बड़ा योगदान है। जबतक आईपीएल है, भारतीय क्रिकेट को कोई पछाड़ नहीं सकता। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों का हाथ था। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदुर चलाकर पीओके स्थित आतंकी ठिकाने नष्ट किए थे।

बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं, अफरीदी ने भारत-पाकिस्तान मैच से पहले उगला जहर

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज मैच होना है। भारत में पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस मुकाबले को बहिष्कार करने की मांग हो रही है। हालांकि, भारत सरकार से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को इस मुकाबले को खेलने के लिए हरी झंडी मिल गई है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगला है। अफरीदी का बयान हैरानी भरा नहीं है। वह पहले भी भारत और भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं।

पाकिस्तानी मीडिया समा टीवी का एक वीडियो वायरल है, जिसमें शाहिद अफरीदी अनर्गल बात करते हुए यह कहते हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है। कुछ खिलाड़ी जन्म से खुद को हिंदुस्तानी साबित करने में लगे हैं। अफरीदी ने कहा, वहां पे बहुत ज्यादा है। घरों तक पहुंच जाते हैं। घर जलाने की धमकियां देते हैं उन खिलाड़ियों को। कुछ ऐसे हैं जो वहां साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं। बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं। और एशिया कप में जाके कमेंट्री भी कर रहे हैं।

2025 विमेंस हॉकी एशिया कप में भारत की पहली हार

हांगझोउ, एजेंसी। 2025 विमेंस हॉकी एशिया कप में भारत को पहली हार मिली है। गुरुवार को मेजबान चीन ने सुपर-4 स्टेज के मुकाबले में भारत को 4-1 से हरा दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल के दूसरे पायदान पर खिसक गई। वहीं चीन पहले स्थान पर आ गई। विमेंस हॉकी एशिया कप चीन के हांगझोउ शहर में खेला जा रहा है। भारत की ओर से इकलौता गोल मुमताज खान ने किया। चीन से जो मिरोंग ने दो गोल दागे। वहीं चेन यंग और तान जिनझुआंग ने एक-एक गोल किया। भारत का अगला मैच जापान के खिलाफ शनिवार दोपहर 2ः15 बजे से खेला जाएगा। अगर भारत को टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचना है तो टीम को हर हाल में यह मैच जीतना ही होगा।

पहले क्वार्टर में चीन ने बढ़त ली पहले क्वार्टर के तीसरे ही मिनट में चीन ने मुकाबले में बढ़त ले ली। टीम से जो मिरोंग ने गोल किया।

पाकिस्तान के 5 स्पिनर्स भारत के लिए खतरा कोच माइक हेसन की वॉर्निंग

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से सबसे बड़ी टक्कर माना जाता है. दोनों देशों के बीच 14 सि?तंबर को एशिया कप में यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला होना है. ऐसे में दोनों देशों के स्पिनर्स में कौन बेहतर है, भारत से टक्कर लेने को पाकिस्तानी टीम कितनी तैयार है? इस पर पाकिस्तानी टीम के हेड कोच माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान माइंड गेम खेला.

दरअसल, हेसन ओमान संग शुक्रवार (12 सितंबर) को होने वाले मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित कर रहे थे. वहीं उन्होंने इस दौरान भारत संग मुकाबले पर भी बात की.

हेसन ने कहा- हम जानते हैं कि भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके चलते उन्हें पूरा आत्मविश्वास है और यह स्वाभाविक भी है. हम टीम के रूप में हर दिन खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं. हम आगे को लेकर चिंता नहीं कर रहे हैं, लेकिन चुनौती की गंभीरता को अच्छी तरह समझते हैं. हम इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

इस दौरान पाकिस्तानी कोच हेसन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप पर पूरा भरोसा जताया. उन्होंने स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज की तारीफ की. हेसन ने बताया कि नवाज का पाकिस्तान टीम में वापसी करना बेहद महत्वपूर्ण रहा है. पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाने के बावजूद, नवाज ने शानदार प्रदर्शन किया है. उन्होंने हाल ही में

इंडिया-पाकिस्तान एशिया कप 2025

यूएई में हुए ट्राई-सीरीज फाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक ली और पांच विकेट भी चटकाए. हेसन ने कहा कि नवाज इस समय शानदार फॉर्म में हैं और उनकी भूमिका टीम के लिए अहम साबित होगी.

हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- हमारी ताकत यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं. मोहम्मद नवाज इस समय दुनिया के बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं. इसके अलावा हमारे पास अबरार अहमद और सुफियान मुकीम भी हैं, जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. सैम अयूब अब दुनिया के टॉप टेन ऑलराउंडर्स में शामिल हैं, जो उनके गेंदबाजी प्रदर्शन में सुधार का नतीजा है. सलमान अली आगा ने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वह पाकिस्तान के टेस्ट टीम के प्रमुख स्पिनर हैं.

सेंट्रल जोन का स्कोर 200 रन पार: कप्तान रजत पाटीदार शतक लगाकर आउट, साउथ जोन 149 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला सेंट्रल जोन और साउथ जोन के बीच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर खेला जा रहा है। आज यानी शुक्रवार को मुकाबले का दूसरा दिन है। सेंट्रल जोन ने आज अपनी पहली पारी को 50/0 के स्कोर से आगे बढ़ाया।खबर लिखे जाने तक टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 276 रन बना लिए हैं। कप्तान रजत पाटीदार शतक (101 रन) लगाकर आउट हुए। ओपनर अक्षय वाडकर 22, दानिश मालेवार 53 और शुभम शर्मा 6 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, गुरुवार को साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी। सारांश जैन को 5 विकेट साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ही सिमट गई। टीम के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। टीम के लिए तन्मय अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। उनके अलावा सलमान निजार 24, अंकित शर्मा 20, रिकी भुई 15 और एमडी निधेश 12 रन बनाए। सेंट्रल जोन की ओर से सारांश जैन ने 5 और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट झटके।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप

50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में मेहुली-मानिनी का खराब प्रदर्शन, पदकों का खाता अब तक नहीं खुला

निंगबो (चीन), एजेंसी। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष और मानिनी कौशी ने आईएसएसएफ विश्व कप में शुक्रवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। नॉर्वे दो स्वर्ण पदक के साथ दूसरे जबकि दक्षिण कोरिया एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर है।

पंजाब में फुटबॉल क्रांतिः

पंजाब फुटबॉल क्लब ने खोले 12 नए केंद्र, रचा सबसे बड़ा ग्रासरूट्स नेटवर्क

मोहाली, एजेंसी। पंजाब, जो कभी हॉकी और कबड्डी के लिए जाना जाता था, अब फुटबॉल की नई धड़कन बन गया है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के हिस्सा पंजाब फुटबॉल क्लब ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य में 12 नए डेवलपमेंट सेंटर्स शुरू किए हैं। इस विस्तार के साथ, क्लब के पास अब कुल 26 केंद्र हो गए हैं, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा फुटबॉल ग्रासरूट्स नेटवर्क बन गया है। यह पहल टैलेंट हर जगह है, अवसर नहीं की विचारधारा पर आधारित है और इसका उद्देश्य पंजाब में फुटबॉल को एक संस्कृति बनाना है।इन नए केंद्रों को जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना, मुक्तसर साहिब, पठानकोट, बरनाला और रूपनगर जैसे जिलों में शुरू किया गया है। हर सेंटर में अंडर-8 से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के सैकड़ों युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल कोचिंग, न्यूट्रिशन गाइडेंस और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का स्पष्ट रास्ता मिलेगा। बाबू अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ क्लब, साहौली (लुधियाना) और बजवाड़ा (होशियारपुर) जैसे केंद्रों में लड़कियों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जो खेल में समान अवसर देने की पंजाब एफसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पंजाब एफसी का यह मॉडल अब रंग ला रहा है। कुछ ही सालों में, कई अकादमी ग्रेजुएट्स भारत की अंडर-16, अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीमों का हिस्सा बन चुके हैं। यह स्ट्रक्चर्ड पाथवे यह सुनिश्चित करता है कि आज अंडर-8 में ट्रेनिंग शुरू करने वाला बच्चा सीधे इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) तक का सफर तय कर सके। यह विस्तार सिर्फ संख्या का नहीं, बल्कि क्वालिटी कोचिंग और युवाओं के लिए एक मजबूत भविष्य का वादा है। पंजाब एफसी अब सिर्फ एक क्लब नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुका है, जो राज्य के फुटबॉल इकोसिस्टम को नई दिशा दे रहा है और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित कर रहा है।

नेपाल से छीन लिया गया टी20 वर्ल्ड कप होस्ट करने का मौका, प्रदर्शनों के कारण बदला वेन्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली बार आयोजित होने जा रहे महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप 2025 से पहले बड़ा बदलाव कर दिया गया है. नेपाल की राजधानी काठमांडू, जिसे टूर्नामेंट का न्यूट्रल वेन्यू चुना गया था, अब हटा दिया गया है. इसकी वजह बनी नेपाल में चल रही राजनीतिक अस्थिरता और हालिया हिंसक प्रदर्शन. यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट 11 से 25 नवंबर तक भारत में खेला जाएगा, जिसमें सात देशों की टीमें हिस्सा लेंगी - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका. इस टूर्नामेंट में कुल 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलें खेले जाएंगे. पहले बनाई गई योजना के तहत यह टूर्नामेंट नई दिल्ली और बेंगलुरु में आयोजित होना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए, पाकिस्तान के मैचों के लिए काठमांडू को न्यूट्रल वेन्यू बनाया गया था ताकि पाकिस्तान भी इस टूर्नामेंट में भाग ले सके.अब हालात बिगड़ने के कारण भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ ने घोषणा की कि नेपाल में चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते वहां मैच आयोजित करना सुरक्षित नहीं है. ऐसे में पाकिस्तान के मुकाबलों के लिए नया दूसरा न्यूट्रल वेन्यू जल्द तय किया जाएगा.भारत इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के साथ-साथ मजबूत दावेदार भी है. पिछले साल 2023 में हुए आईबीएसस वर्ल्ड गेम्स में भारतीय महिला ब्लाइंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता था. उस समय ब्लाइंड क्रिकेट का डेब्यू भी हुआ था. टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी थी. भारतीय टीम में देश भर से 56 खिलाड़ियों की खोज के बाद 16 सदस्यीय स्क्वाड चुना गया है. कर्नाटक की दीपिका टीसी को कप्तान और महाराष्ट्र की गंगा एस कदम को उपकप्तान बनाया गया है.

भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिए योजना तैयार, बोले खेल मंत्री मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी।मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है।

देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिए 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा। मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आएगी। इसे लागू करने के लिए नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे।

स्पोटर्सस्टार प्लेकॉम~ बिजनेस आफ स्पोटर्स समिट 2025’ में खेलमंत्री ने कहा, हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो । इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आएं। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा।

खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को जीवनशैली

का हिस्सा बनाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसके लिए मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधाएं, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आए।

उन्होंने कहा कि खेलों में अच्छे प्रशासन के लिए सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें। उन्होंने कहा, पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है। खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान हैं। मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है ।

उन्होंने कहा, हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है। आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य हर पोडियम पर भारत का परचम लहराना होना चाहिए।

करिश्मा तन्ना ने स्कूप की शूटिंग के पहले दिन को किया याद

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने अपनी सुपरहिट वेब सीरीज स्कूप के सेट से पुरानी यादों को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सेट से कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, नॉस्टैल्जिया! स्कूप के सेट पर पहला दिन... ऐसा लगता है जैसे कल की बात हो। घबराहट, उत्साह, बार-बार रिहर्सल और मन में एक आवाज जो कह रही थी, यह कुछ खास होने वाला है। यह सफर कितना शानदार रहा। पहले दिन की बेचैनी से लेकर उन यादों तक, जो हमेशा मेरे दिल के करीब रहेंगी। इस अध्याय, इसमें शामिल लोगों और साथ में बनाए गए जादू के लिए हमेशा आभारी रहूंगी। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने डायरेक्टर हंसल मेहता, नेटफ्लिक्स और पूरी टीम को धन्यवाद दिया। यह सीरीज साल 2023 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। सच्ची घटना पर आधारित यह सीरीज पत्रकार जिग्ना वोरा की किताब बिहाइंड बार्स इन बायकुला- माई डेज इन प्रिजन पर आधारित है। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित इस सीरीज में करिश्मा तन्ना ने पत्रकार जागृति पाठक की भूमिका निभाई है, जिन पर पत्रकार ज्योतिर्मयी डे की हत्या में शामिल होने का आरोप लगा था, लेकिन बाद में उन्हें बरी कर दिया गया। यह सीरीज मीडिया के काम करने के तरीके, पुलिस और अंडरवर्ल्ड के गठजोड़ और मीडिया में व्यवसाय के दखल जैसे मुद्दों को दर्शाती है। इस सीरीज ने करिश्मा को गंभीर और कहानी-केंद्रित किरदारों की दुनिया में एक नई पहचान दिलाई। दर्शकों और समीक्षकों ने उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ की थी। करिश्मा तन्ना छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने साल 2001 में टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अपने करियर की शुरुआत की। वह बाल वीर, नागिन 3, और कयामत की रात जैसे टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं।

मेरा फिल्मी कपूर परिवार से कोई लेना-देना नही

मेरा फिल्वाणी कपूर ने करियर की शुरुआत से अब तक हमेशा अपने किरदारों में विविधता और चुनौती को प्राथमिकता दी है। 'चंडीगढ़ करे आशिकी' में ट्रांसवुमन का किरदार हो या 'शुद्ध देसी रोमांस' की आजाद लड़की, वाणी ने कभी आसान राह नहीं चुनी। इस बार उन्होंने ओटीटी डेब्यू में एक यंग लेकिन मजबूत इमोशनल ग्राउंड वाली पुलिस अफसर रिया थॉमस का किरदार निभाया है। इस बातचीत में वाणी बताती हैं कि कैसे कैमरे के सामने वो फीलिंग्स भी असली हो गई, जो सिर्फ स्क्रिप्ट में लिखी थीं। कैसे 'कपूर' सरनेम के साथ नेपोटिज़्म के आरोपों से लड़ते हुए उन्होंने खुद को साबित किया और क्यों उन्होंने कभी पैसा या फेम नहीं बल्कि सिर्फ सही काम को चुना।

रिपिटेशन से बचना चाहती थी

वाणी कपूर ने कहा, इससे पहले कभी किसी वेब सीरीज में काम नहीं किया था। यह ऑफर जब आया तो मन में पहली बात यही आई कि अब ओटीटी पर आ रही हूं तो कुछ बिल्कुल अलग और नया करना चाहिए। हर बार खुद से यही उम्मीद करती हूं कि कुछ नया लेकर आ सकूं, अपने लिए और दर्शकों के लिए भी। रिपिटेशन से बचना चाहती हूं। मेरी हर फिल्म में कुछ नया करने की कोशिश रही है। फिर चाहे रेड 2 में हाउसवाइफ का किरदार हो, चंडीगढ़ करे आशिकी में एक ट्रांसवुमन का या शुद्ध देसी रोमांस में जयपुर की एक आजाद ख्याल लड़की का।

कपूर हूं लेकिन नेपो प्रोडक्ट नहीं

लोग सोचते हैं कि मैंने शुद्ध देसी रोमांस के लिए ऑडिशन दिया और आसानी से फिल्म मिल गई। ऊपर से मेरा सरनेम कपूर है तो लोग सोचते हैं मैं नेपोटिज्म प्रोडक्ट हूं। मेरा फिल्मी कपूर परिवार से कोई लेना-देना नहीं। मैं दिल्ली से बहुत सकुचा-सकुचा के अकेले मुंबई आई थी। किसी ने गारंटी दी नहीं थी कि मुझे काम मिलेगा। मेरे साथ मेरी एक दोस्त आई थी क्योंकि मैं शहर में अकेले रहने से डरती थी। फैमिली बहुत ओवरप्रोटेक्टिव थी। उस वक्त तो दिल्ली लड़कियों के लिए बहुत अनसेफ लगती थी। मेरी दिल्ली में ही अकेले रहने की हिम्मत नहीं थी। हमें हमेशा डराया जाता है कि इंडस्ट्री में सब बुरे लोग होते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। अच्छी फिल्में, अच्छे बैनर और अच्छे लोग भी होते हैं। मी कपूर परिवार से कोई लेना-देना नही

कुब्रा सैत को 'राइज़ एंड फॉल' में उपमा ने रुलाया

अपनी दमदार एक्टिंग और अनूठे चुनावों से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री कुब्रा सैत अब एक नए सफर पर निकल पड़ी हैं। उन्होंने टीवी के रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल में भाग लिया है, जिसे आशीत ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं। इस शो में प्रतियोगियों को ऐसी चरम परिस्थितियों में डाला जाता है जो वास्तविक दुनिया में धन और सत्ता की असमानताओं को दर्शाती हैं और उन्हें ऐसी परिस्थितियों में ढलने पर मजबूर करती हैं, जिनकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। फिलहाल राइज एंड फॉल में नज़र आ रही कुब्रा ने इंस्टाग्राम पर एक रील साझा की है, जिसमें उन्होंने अपने पहले के जीवन में विदेशी व्यंजनों का आनंद लेने और वर्तमान में साधारण व सीमित भोजन पर निर्भर रहने के बीच का अंतर दिखाया। इनमें से एक डिश, उपमा, उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद कठिन अनुभव बन गया।

डायना पेंटी ने बताया, 'डू यू वाना पार्टनर' शो में उन्हें क्या सबसे ज्यादा भाया

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' बहुत जल्द ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसमें डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' की रिलीज से पहले डायना पेंटी ने बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीरीज की खासियत के बारे में बताया। डायना ने यह भी रिवील किया कि उन्होंने इस सीरीज को क्यों चुना। अभिनेत्री ने बताया कि इसकी स्क्रिप्ट को सुनने के बाद काफी आकर्षित हुईं। डायना पेंटी ने कहा, दोनों लड़कियों की दोस्ती ने मुझे अपनी ओर आकर्षित किया। मेरे मन में पहला ख्याल यही आया कि मैं रियल लाइफ में ऐसा करती। मुझे लगा कि यह बहुत ही खूबसूरती से लिखा गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह बहुत ही वास्तविक है। मैं भी अपनी सबसे अच्छी दोस्त के साथ ऐसे ही बातचीत करती या बस वे चीजें करती, जो इसमें लिखी थीं। कुछ भी बढ़ा-चढ़ाकर नहीं लिखा गया था। बस बहुत ही रोजमर्रा की और बहुत ही वास्तविक कहानी, जिस तरह से वे साथ घूमती हैं, साथ में पार्टी करती हैं। उन्होंने साथ मिलकर एक व्यवसाय शुरू किया है, उनकी कठिनाइयां, झगड़े, बहस, सब कुछ बिल्कुल स्वाभाविक था और हमारी दोस्ती में जो हम देखते हैं, उसके बिल्कुल अनुरूप था। डू यू वाना पार्टनर में दो सहेलियों की कहानी है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं। डायना ने आगे कहा, यह मेरे लिए एक ताजगी भरी बात थी क्योंकि मुझे नहीं लगता, मेरा मतलब है कम से कम मुझे तो ऐसा नहीं लगता, मैं हाल ही में किसी ऐसे शो या फिल्म के बारे में नहीं सोच सकती, जिसमें दो लड़कियां हैं, दो लड़कियों की दोस्ती शो या फिल्म का मुख्य पहलू हो। यह तथ्य कि दोनों लड़कियां ऐसे युग में यह नया बिजनेस शुरू कर रही हैं, जहां स्टार्टअप ही सब कुछ है। पिछले कुछ समय में स्टार्टअप कल्चर बहुत तेजी से बढ़ा है। इसलिए यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे वास्तव में इस स्क्रिप्ट की ओर आकर्षित किया।

'मिराय' में मांचू मनोज नहीं निभाना चाहते थे खलनायक की भूमिका

इतिहास, एक्शन और एडवेंचर से भरपूर फिल्म 'मिराय' कल यानी शुक्रवार को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। तेजा सज्जा अभिनीत इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में मांचू मनोज बतौर विलेन की भूमिका में दिखेंगे। अभिनेता ने एक्स पर अपने फैंस से बात की और खुलासा किया कि वो खलनायक का रोल नहीं करना चाहते थे। आइए जानते हैं आखिर अभिनेता ने क्यों कही ऐसी बात।

आखिर क्यों नहीं बनना चाहते थे विलेन?

मांचू मनोज ने एक्स अकाउंट पर अपने फैंस से बात की। साथ ही उन्होंने 'मिराय' में अपने विलेन की भूमिका पर विचार प्रकट किए । एक ट्वीट में उन्होंने कहा, 'एक खलनायक की भूमिका निभाना वास्तव में मेरे दिमाग में कभी नहीं था, लेकिन जिस तरह से निर्देशक कार्तिक गरु ने इस भूमिका को सुनाया, उसने मेरा दृष्टिकोण पूरी तरह से बदल दिया।' साथ ही उन्होंने कहा कि यह काफी शानदार होने वाला है। आपको बताते चलें कि मांचू मनोज अन्य ट्वीट्स में दर्शकों को फिल्म में शानदार मनोरंजन मिलने का वादा करते नजर आ रहे हैं।

मांचू मनोज ने निभाई ब्लैक स्वोर्ड नाम की भूमिका

अभिनेता मांचू मनोज मिराय फिल्म से धूम मचाने के लिए तैयार हैं। उन्हें हाल ही में भैरवम फिल्म में देखा गया था। अब एक्टर मिराय के साथ दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। इसमें अभिनेता ब्लैक स्वोर्ड नाम के रूप में निगेटव किरदार में नजर आएंगे।

मिराय फिल्म के बारे में

कार्तिक गट्टामनेनी द्वारा निर्देशित 'मिराय' को नॉर्थ में करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शन प्रजेंट कर रहा है। फिल्म में तेजा सज्जा, रितिका नायक और मांचू मनोज के अलावा जगपति बाबू, श्रिया सरन, जयराम और अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। 'हनुमान' के बाद 'मिराय' तेजा सज्जा की अगली फिल्म है। यह फिल्म 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

हाईकोर्ट का फैसला:

बिना अनुमति नहीं कर पाएंगे, अभिषेक बच्चन के व्यक्तित्व प्रतीकों का उपयोग

बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता अभिषेक बच्चन ने पब्लिसिटी और व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अभिषेक बच्चन की याचिका पर हाईकोर्ट का फैसला आया है।

अभिनेता अभिषेक बच्चन की आवाज, नाम, तस्वीरों एवं वीडियो आदि का अवैध इस्तेमाल करना भारी पड़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता के व्यक्तित्व प्रतीकों के अवैध इस्तेमाल पर रोक लगाई है। बता दें कि हाल ही में अभिषेक बच्चन ने अपने पब्लिसिटी और व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिस पर हाईकोर्ट ने अहम फैसला दिया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने क्या कहा?

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अभिषेक बच्चन के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करते हुए ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों को उनके नाम या तस्वीरों के अवैध रूप से व्यावसायिक लाभ के लिए उपयोग करने से रोका है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि यह स्पष्ट है कि बच्चन के व्यक्तित्व प्रतीकों, जिनमें उनका नाम, तस्वीरें और हस्ताक्षर शामिल हैं, का दुरुपयोग प्रतिवादी वेबसाइटों और प्लेटफार्मों द्वारा उनकी इजाजत के बिना, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके किया जा रहा है।

अभिनेता की साख और प्रतिष्ठा पर पड़ सकता है असर

न्यायमूर्ति तेजस करिया ने 10 सितंबर को पारित आदेश में कहा, ये विशेषताएं वादी के पेशेवर कार्य और करियर के दौरान उनके संबंधों से जुड़ी हैं। इनके अनधिकृत उपयोग से

अभिनेता की साख और प्रतिष्ठा पर असर पड़ता है। बता दें कि इस मामले में हाईकोर्ट ने 10 सितंबर को फैसला सुरक्षित कर लिया था। यह आदेश शुक्रवार को उपलब्ध कराया गया।

ऐश्वर्या राय ने भी किया था हाईकोर्ट का रुख

अदालत ने यह अंतरिम आदेश अभिषेक बच्चन की याचिका पर पारित किया, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों को उनके नाम, तस्वीरों और एआई-जेनरेटिड अनुचित और आपत्तिजनक कंटेंट का अवैध रूप से उपयोग करने से रोकने की मांग की थी। अभिषेक बच्चन के अलावा उनकी पत्नी व अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने भी व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

दुष्कर्म मामले में फंसे एक्टर आशीष कपूर को राहत

टीवी अभिनेता आशीष कपूर को पिछले हफ्ते दुष्कर्म मामले में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अब दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने एक्टर को बेल पर रिहा कर दिया है। 'सरस्वतीचंद्र' फेम टीवी अभिनेता आशीष कपूर को पिछले महीने लगे दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार कर लिया था। फिर कोर्ट ने बीते 6 सितंबर को अभिनेता को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। अब 10 सितंबर के दिन अभिनेता को दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने बेल पर रिहा कर दिया। हालांकि उन्हें कुछ शर्तों का पालन करना होगा। जानिए पूरी खबर।

उनका इतिहास साफ-सुथरा है

बेल मंजूर करते हुए एडिशिनल सेशन जज भूपिंदर सिंह ने कहा, 'गवाहों, दस्तावेजों/सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अदालत के संज्ञान में लाए गए तथ्यों और परिस्थितियों की जांच के लिए आरोपी की जरूरत नहीं है। वे दिल्ली का स्थायी निवासी हैं और उनका इतिहास साफ-सुथरा है। इसे देखते हुए बेल देने की संभावना बढ़ जाती है, जिसे स्वीकार किया जाता है।' कोर्ट ने आगे कहा, आरोपी को पुलिस रिमांड में लिए जाने के बावजूद, मोबाइल फोन बरामद करने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किए गए। कानून के मुताबिक, कोई तलाशी नहीं ली गई। रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है कि आरोपी ने जांच में सहयोग नहीं किया।'

इन शर्तों पर किया गया रिहा

आशीष कपूर को जमानत तो मिल गई है, लेकिन कथित तौर पर उन्हें कुछ शर्तों का पालन करना होगा। अभिनेता को एक लाख रुपये के बेल बांड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया। उन्हें अपना मोबाइल फोन हमेशा एक्टिव रखना होगा और लोकेशन सर्विस चालू रखनी होगी।

क्या है पूरा मामला?

दिल्ली के सिविल लाइंस थाने में 11 अगस्त को एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता का आरोप है कि अगस्त के दूसरे हफ्ते में दिल्ली की एक हाउस पार्टी के दौरान आशीष कपूर ने वॉशरूम में उसके साथ जबरदस्ती की। शुरू में दर्ज एफआईआर में आशीष कपूर, उनके एक दोस्त, दोस्त की पत्नी और दो अज्ञात पुरुषों के नाम भी शामिल थे। महिला ने दावा किया था कि इन सभी ने मिलकर उनके साथ दुष्कर्म किया।

मैं अपनी हर फिल्म की मालिक हूं, फिर

चाहें हिट हो या फ्लॉपबॉलीवुड अभिनेत्री काजोल का कहना है कि वह अपनी हर फिल्म को पूरी तरह से अपनाती हैं। फिर चाहे वह सुपरहिट हो जैसे दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे और कभी खुशी कभी गम या फिर ऐसी फिल्में जो ज्यादा नहीं चलीं जैसे गुंडाराज और हलचल। वह जल्द ही सीरीज द ट्रायल के सीजन 2 में नजर आएंगी।

अपनी फिल्मों को लेकर काजोल का बयान: 1992 में फिल्म बेखुदी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली काजोल ने बताया, मैं अपने करियर में कुछ भी बदलना नहीं चाहूंगी। उन्हें उन फिल्मों पर भी गर्व है, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुईं। उन्होंने कहा, मेरी हर फिल्म ने मुझे कुछ सिखाया है। मैंने हर बार अपना 100 प्रतिशत दिया है। मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैंने कैमरे के सामने कभी बेईमानी नहीं की। काजोल ने अपने 30 साल के करियर के लिए आभार जातते हुए कहा, मैं आज भी प्रासंगिक हूं, यह मेरी किस्मत है। कई प्रतिभाशाली लोग हैं, जो शायद मेरे जितने भाग्यशाली नहीं रहे।

साभार एजेंसी